शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

www.lagatar.in | शुक्रवार 15 मार्च 2024 फाल्गुन शुक्ल पक्ष 05, संवत 2080 पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ वर्ष : 1, अंक : 327 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	36.4	24.0
जमशेदपुर	35.0	21.8
डालटनगंज	35.9	17.4

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * *

युवाओं की सरकार, युवाओं से सरोकार

श्री चम्पाई सोरेन

माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (GSCC)

₹15 लाख तक विद्यार्थियों को ऋण सुविधा...

...बिना किसी प्रोसेसिंग शुल्क के

4% साधारण ब्याज दर से भुगतान

शेष ब्याज का वहन झारखण्ड सरकार द्वारा

15 वर्ष तक ऋण वापसी की अवधि

ऋण बिना किसी जमानती सुरक्षा के

ऋण वापसी की प्रक्रिया पाठ्यक्रम पूर्ण होने के 1 वर्ष बाद से

अध्ययन अवधि में ही ऋण का ब्याज चुकाने पर ब्याज के दर में 1% की छूट

उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, झारखण्ड सरकार

ब्रीफ खबरें

राज्य में 16 से बदलेगा मौसम का मिजाज

रांची । झारखंड में एक बार फिर से मौसम का मिजाज बदलेगा. मौसम विभाग ने 16 से 18 मार्च तक के लिए येलो अलर्ट जारी किया है. जारी अलर्ट में तेज हवा के साथ ठनका गिरने की भी चेतावनी दी गई है. साथ ही लोगों को सतर्क रहने की हिदायत भी दी है. मौसम विभाग के अनुसार रांची, रामगढ़, हजारीबाग, गुमला, बोकारो, खूंटी, पूर्वी व पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला खरसावां जिला में बारिश होगी. मौसम विभाग के अनुसार 16 से 18 मार्च के बीच पांच डिग्री सेल्सियस तक तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है. 20 मार्च को भी बारिश की आशंका जताई गई है, जिसका असर राज्यभर में दिखेगा. 15 मार्च को राज्य के दक्षिणी हिस्से में आंशिक बादल भी छाए रह सकते हैं.

सीबीआई ने दी दोषियों के चैट की जानकारी

रांची। धनबाद के दिवंगत जज उत्तम आनंद हत्याकांड पर झारखंड हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस एस चंद्रशेखर और जस्टिस आनंद सेन की खंडपीठ में सुनवाई हुई. गुरुवार की सुनवाई के दौरान सीबीआई की ओर से कोर्ट को बताया गया कि दोषियों के व्हाटासएप चैट से ऐसी कोई जानकारी नहीं मिली है, जिससे यह प्रतीत हो रहा है कि इस घटना में किसी और व्यक्ति की भूमिका है. वहीं हाईकोर्ट ने अदालतों की सुरक्षा के लिए उठाए गए सभी कदमों की विस्तृत जानकारी राज्य सरकार से मांगी है. बता दें कि वर्ष 2021 में धनबाद सिविल कोर्ट के जज उत्तम आनंद की हत्या कर दी गयी थी. हाईकोर्ट ने इस मामले में स्वतः संज्ञान लिया था और इसे जनहित याचिका में तब्दील कर हाईकोर्ट सुनवाई कर रहा है.

अवैध खनन में तीन के खिलाफ चार्ज फ्रेम

रांची। अवैध खनन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले के आरोपी भगवान भगत, ट्विंकल भगत और कृष्णा साहा की मुश्किलें बढ़ गई हैं. गुरुवार को रांची पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट ने तीनों आरोपियों के खिलाफ आरोप गठित कर दिया है. जिसके बाद अब तीनों आरोपियों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग करने का मुकदमा चलेगा. ये सभी पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा के सहयोगी हैं. इन पर पंकज मिश्रा के सहयोग से साहिबगंज में पत्थर का अवैध खनन और अवैध ढुलाई कर कारोबार करने का आरोप है. इस मामले में कृष्णा साहा जमानत पर है. भगवान भगत और ट्विंकल भगत फिलहाल जेल में बंद है.

'आर्टिकल 370' कर मुक्त हो : राज्यपाल

रांची। झारखंड के राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन ने कहा है कि फिल्म 'आर्टिकल 370' को राज्य में कर मुक्त किया जाना चाहिए. रांची के एक सिनेमाघर में फिल्म देखने के बाद उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि ऐसी देशभक्ति वाली फिल्म को कर मुक्त किया जाना चाहिए. यह सरकार पर निर्भर है.देशभर में 23 फरवरी को रिलीज हुई आर्टिकल 370 कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ सरकार की लड़ाई और अन्य मुद्दों पर केंद्रित है. नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने पांच अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 को निरस्त कर जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया था.

ब्यूरोक्रेट्स कभी फॉरवर्ड तो कभी बैक फुट पर खेलने को मजबूर, मिडफिल्डर और डिफेंडर की भी बदल रही भूमिका

सूबे में तबादले का खेल: झारखंड के ब्यूरोक्रेट्स को बना दिया फुटबॉल

रवि भारती। रांची

झारखंड के ब्यूरोक्रेट्स को फुटबॉल बना दिया गया है. वे कभी फॉरवर्ड से तो कभी बैकफुट से खेलने को मजबूर हैं. इससे भी काम नहीं चल रहा, तो मिडफील्डर और डिफेंडर के रूप में रहने को कहा जा रहा है. पिछले एक साल में कई सीनियर आईएएस का तीन बार तबादला हो चुका है. वहीं चार से पांच बार अतिरिक्त प्रभार की भी अदला-बदली हो चुकी है. प्रधान सचिव रैंक की अफसर वंदना दादेल का साल भर में चार बार तबादला और इतनी ही बार अतिरिक्त प्रभार भी बदला जा चुका है. इसी तरह अपर मुख्य सचिव रैंक के अफसर राजीव अरुण एक्का का भी साल भर में तीन बार तबादला हो चुका है. साथ ही अतिरिक्त प्रभार वाले विभाग भी बदले गए हैं.

नामः वंदना दादेल, रैंक- प्रधान सचिव

10 मार्च 2023 को कार्मिक विभाग की जिम्मेवारी सौंपी गई

13 मार्च 2023 को वंदना दादेल को कार्मिक विभाग से स्थानांतरित करते हुए सीएम का प्रधान सचिव बनाया गया. साथ ही कार्मिक और गृह का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया.

18 जनवरी 2024 को वंदना दादेल को सीएम के प्रधान सचिव से हटाते हुए कैबिनेट सचिव बनाया गया. साथ ही महिला बाल विकास का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया.

12 फरवरी 2024 को कैबिनेट सचिव से स्थानांतरित करते हुए वन विभाग की जिम्मेवारी सौंपी गई.

तीन मार्च 2024 को फिर से कैबिनेट का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया.

नामः राजीव अरुण एक्का, रैंक- अपर मुख्य सचिव

पांच मार्च को पंचायती राज विभाग की जिम्मेवारी सौंपी गई.

26 जून 2023 को पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया.

18 जनवरी 2024 को सदस्य राजस्व पर्षद की जिम्मेवारी सौंपी गई.

31 जनवरी 2024 को वन विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया.

सात फरवरी को अपर मुख्य सचिव वन, अपर मुख्य सचिव सीएम और अपर मुख्य सचिव पंचायती राज के प्रभार से मुक्त कर दिया गया.

नामः अजय कुमार सिंह (रैंक- प्रधान सचिव)

18 जनवरी को अजय कुमार सिंह को प्रधान सचिव स्वास्थ्य के अतिरिक्त प्रभार की जिम्मेवारी सौंपी गई.

12 फरवरी को अजय कुमार सिंह को स्वास्थ्य के साथ कैबिनेट का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया.

दो मार्च को अजय कुमार सिंह को कैबिनेट का अतिरिक्त प्रभार हटा लिया गया.

10 मार्च को वित्त विभाग से ग्रामीण कार्य विभाग के प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह को कैबिनेट का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया.

नाम : अरवा राजकमल (रैंक- विशेष सचिव)

20 सितंबर 2023 को अरवा राजकमल को निदेशक खान के साथ जेएसएमडीसी की जिम्मेवारी सौंपी गई.

31 जनवरी को स्थानांतरित करते हुए पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग का प्रभारी सचिव बनाया गया. साथ ही नगर विकास, उत्पाद और जुडको का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया.

12 फरवरी को पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग का प्रभारी सचिव बनाया गया. साथ ही एमडी ग्रेटर रांची विकास एजेंसी की जिम्मेवारी सौंपी गई. फिर सीएम का प्रभारी सचिव बनाया गया.

पांच मार्च को मुख्यमंत्री के सचिव के साथ नगर विकास एवं आवास विभाग, उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग, प्रबंध निदेशक, जुडको तथा प्रबंध निदेशक, ग्रेटर रांची विकास एजेंसी के साथ सचिव, गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया.

12 मार्च को स्थानिक आयुक्त, झारखंड भवन, नई दिल्ली का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है.

नाम : अबू बकर सिद्दीकी (रैंक- सचिव) बने खान विभाग के सचिव

पांच मार्च को अबूबकर सिद्दीकी को कृषि विभाग से स्थानांतरित करते हुए खान विभाग का सचिव बनाया गया है.

सात मार्च को फिर से अबूबकर को सचिव, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, के पद पर यथावत बने रहने का आदेश जारी कर दिया है.

नामः जीतेंद्र सिंह (रैंक- सचिव)

पांच मार्च को सचिव, उद्योग विभाग, को स्थानांतरित करते कृषि विभाग की जिम्मेवारी सौंपी गई.

सात मार्च को खान विभाग की जिम्मेवारी दी गई.

चंद्रशेखर (रैंक- सचिव) — पांच मार्च को ग्रामीण विकास विभाग के सचिव चंद्रशेखर को ग्रामीण कार्य विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. 12 मार्च को सचिव नगर विकास विभाग की जिम्मेवारी सौंपी गई

अमिताभ कौशल (रैंक- सचिव) — 12 मार्च को सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग के सचिव डॉ. अमिताभ कौशल को सचिव सूचना एवं जनसंपर्क विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया.13 मार्च को सूचना एवं जनसंपर्क विभाग का अतिरिक्त प्रभार के आदेश को विलोपित कर दिया गया.

हेमंत की घोषणा पर अप्रैल-मई में होगा अमल, 22 हजार छात्र-छात्राओं की चिंता होगी खत्म

राज्य के 593 हॉस्टल में अब सरकार देगी नाश्ता और दिन-रात का खाना

खास बातें

- योजना पर एक वर्ष में 103 करोड़ रुपए खर्च किये जाएंगे
- प्रति छात्र हर महीने करीब 3800 रुपए खर्च होंगे

कौशल आनंद। रांची

राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के सरकारी छात्रावासों में रह कर पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को अब खाने-पीने की चिंता से मुक्ति मिल जाएगी. राज्य सरकार रांची जिला समेत राज्य के अन्य क्षेत्रों में एसटी, एससी, ओबीसी व अल्पसंख्यक छात्रावासों में सुबह का नाश्ता, दिन और रात के भोजन की व्यवस्था करेगी. मालूम हो कि पूर्व सीएम हेमंत सोरेन ने घोषणा की थी कि अब छात्रावास में रहने वाले छात्र-छात्राएं केवल अपनी पढ़ाई पर ध्यान दें, राशन-पानी की चिंता छोड़ दें. अब राज्य सरकार ही उन्हें खाना देगी.

पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की इस घोषणा को वर्तमान मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन की हरी झंडी पहले ही मिल चुकी है. इसके लिए बजट 2024-25 में प्रावधान भी कर दिया गया है. अब सरकार इसे नए वित्तीय सत्र अप्रैल-मई से लागू कर सकती है. इस दिशा में अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है. छात्रावास में खाने, पीने और रात्रि प्रहरी की व्यवस्था एनजीओ, ट्रस्ट और निजी फर्म को देगी.

छात्रावासों में भोजन देने की योजना की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है. बहुत जल्द निविदा के माध्यम से चयन किया जाएगा. अगर यह योजना लोकसभा आचार संहिता के दायरे में आयी तो हर हाल में चुनाव के बाद इसे शुरू करने की योजना विभाग की है.

अभी विश्वविद्यालय द्वारा संचालित हैं छात्रावास

वर्तमान में अधिकांश छात्रावासों का संचालन विश्वविद्यालयों द्वारा किया जा रहा है. मगर छात्रावासों में मूलभूत सुविधाओं का घोर अभाव है. इसके कारण छात्रों का समय खाना और पानी की व्यवस्था में निकल जाता है. शौचालयों का हाल बहुत खराब था. अधिकांश छात्र या तो बाजार से खाना खरीद कर या फिर गांव से अपने घर से राशन लाकर खुद खाना बनाकर खाते थे. मगर अब छात्रावासों की स्थिति में सुधार हो रहा है. जीर्णोद्धार के बाद छात्रावासों का शैक्षणिक माहौल बदल रहा है.

छात्रावासों का जीर्णोद्धार का काम अंतिम चरण में

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के निर्देश पर रांची समेत अन्य छात्रावासों का जीर्णोद्धार कार्य कराया जा रहा है. जो करीब-करीब पूरा हो चुका है. छात्रवासों को जीर्णोद्धार समेत उसकी रंगाई-पोताई का भी काम चल रहा है, ताकि छात्रों को एक स्वच्छ वातावरण अध्ययन के लिए मिल सके.

छात्रावासों में बनेंगे पुस्तकालय

राज्य के 500 बड़े छात्रावासों में पुस्तकालयों की स्थापना की जाएगी. इनमें हाईस्कूल और कॉलेज की विभिन्न पुस्तकों के अलावा प्रतियोगी परीक्षाओं की किताबें भी होंगी. यहां छात्रों के लिए प्रतिदिन अखबार भी आएंगे. एक छात्रावास की स्थापना पर करीब 20 लाख रुपए खर्च होंगे, जिसमें 5 लाख रुपए की किताबें खरीदी जाएंगी.

पूरी योजना पर एक नजर

- योजना का नाम छात्रावास पोषण योजना होगा.
- आदिवासी, दलित, पिछड़ा एवं अल्पसंख्यकों के लिए बने छात्रावास के बच्चे इस योजना के दायरे में आएंगे.
- राज्य में ऐसे छात्रावास की संख्या 593 ही है.
- इन छात्रावासों में करीब 22 हजार छात्र-छात्राएं राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से आकर पढ़ाई करते हैं.
- इस पूरी योजना पर एक वर्ष में 103 करोड़ रुपए खर्च किये जाएंगे.
- तीन समय नि:शुल्क (सुबह का नाश्ता, दिन और रात में खाना) दिया जाएगा.
- संबंधित एनजीओ या ट्रस्ट जिसे यह काम दिया जाएगा, उसे ही सरकार द्वारा तय मीनू के आधार पर राशन-पानी खरीदकर रसोईया रखकर उसे छात्रावास में बनवा कर छात्रों को देना होगा.
- संबंधित एजेंसी को ही हर छात्रवास में दो रात्रि प्रहरी (महिला हॉस्टल में महिला और पुरुष हॉस्टल में पुरुष) की व्यवस्था करनी होगी.
- प्रति छात्र हर महीने करीब 3800 रुपए खर्च होंगे.
- रसोईया भी एजेंसी को रखना होगा.
- छात्रावासों में जहां पानी की व्यवस्था वहां पर जरूरी हुआ तो बाजार से जार से पानी खरीदकर छात्रों को मुहैया कराना होगा.

सीनियर एडवोकेट की रेस में 96 वकील, जल्द होगी बैठक

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

खास बातें

- 10 से 15 वकीलों का वरीय अधिवक्ता में चयन होगा
- 2017 के बाद जल्द ही फुल कोर्ट की बैठक हो सकती है

झारखंड हाईकोर्ट में वरीय अधिवक्ताओं के चयन की प्रक्रिया आगे बढ़ने लगी है. इस बार 96 वकीलों ने वरीय अधिवक्ता के रूप में चयन के लिए दावेदारी पेश की है. इन वकीलों में झारखंड हाईकोर्ट, रांची सिविल कोर्ट, धनबाद सिविल कोर्ट समेत अन्य जिला न्यायालय के वकीलों के नाम शामिल हैं. इस बार करीब 10 से 15 वकीलों का चयन ही वरीय अधिवक्ता के रूप में होना है.

जल्द हो सकती है फुल कोर्ट की बैठक : झारखंड हाईकोर्ट में वरीय अधिवक्ता के चयन की राह देख रहे वकीलों का इंतजार जल्द खत्म होगा. वर्ष 2017 के बाद अब जल्द ही फुल कोर्ट की बैठक हो सकती है और वरीय अधिवक्ताओं का चयन किया जा सकता है. नियम के मुताबिक, डेजिग्नेटिड सीनियर के रूप में चयनित होने के लिए वकीलों ने अपनी प्रैक्टिस, अपने जूनियर वकीलों की जानकारी और महत्वपूर्ण मुकदमों में उनके द्वारा की गयी पैरवी के अलावा कई बिंदुओं पर जानकारी साझा की है. फॉर्म भरने वाले वकीलों ने इस बात की भी जानकारी दी है कि जिला बार एसोसिएशन या स्टेट बार काउंसिल में उनके खिलाफ मिसकंडक्ट या फिर प्रोफेशनल कंडक्ट का कोई आरोप तो नहीं है.

फिलहाल ये हैं झारखंड के वरीय अधिवक्ताः फिलहाल आर एस मजूमदार, राजीव रंजन, ए के अल्लाम, अजित कुमार, जय प्रकाश झा, राजीव शर्मा , बिरेन पोद्दार, अनिल कुमार, आर एन सहाय, बीएम त्रिपाठी, ए के कश्यप, विजय प्रताप सिंह, भौमिक, पीपीएन राय, आरएसपी सिन्हा, एम के लायक और मणि माला पॉल झारखंड के वरीय अधिवक्ता हैं.

पूर्व डीआईजी संजय रंजन बने आजसू के महासचिव

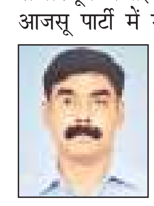

रांची। पूर्व डीआईजी संजय रंजन को आजसू पार्टी में महासचिव बनाया गया है. केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो के निर्देश पर इस बाबत पत्र जारी कर दिया गया है. संजय रंजन हाल ही में आजसू पार्टी में शामिल हुए थे. उन्होंने राज्य में पुलिस सेवा के विभिन्न पदों पर अपनी सेवा दी है. साथ ही सामाजिक सरोकार से भी जुड़े रहे हैं. पार्टी में महासचिव बनाए जाने के बाद संजय रंजन ने कहा है कि सार्वजनिक जीवन में भी वे दल व राज्यवासियों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे.

34वां राष्ट्रीय खेल घोटाला

सीबीआई के समन पर गवाही के लिए पहुंचे पंकज यादव और सूर्य सिंह बेसरा

संवाददाता। रांची

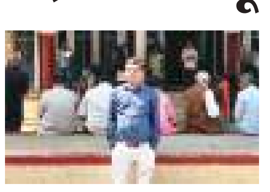

34वें राष्ट्रीय खेल घोटाले की जांच वाली याचिका के शिकायतकर्ता पंकज कुमार यादव और सूर्य सिंह यादव सीबीआई कोर्ट के समन पर गवाही के लिए गुरुवार को उपस्थित हुए. शिकायतकर्ता पंकज यादव ने कोर्ट के समक्ष दिये अपने बयान में कहा है कि मैं सीबीआई की जांच और क्लोजर रिपोर्ट से सहमत नहीं हूं. पंकज ने आरोप लगाया कि सीबीआई ने विधानसभा कमेटी की रिपोर्ट और विजिलेंस जांच को नजरअंदाज किया है. इसमें प्रथम दृष्टया में भ्रष्टाचार और अनियमितता की बात कही गयी है. हम जल्द ही इस मामले को लेकर हाई कोर्ट में प्रोटेस्ट पिटीशन फाइल करेंगे. अब इस मामले में अगली सुनवाई 16 अप्रैल को होगी.

सीबीआई ने कोर्ट में क्लोजर रिपोर्ट की है दाखिल : दरअसल सेंटर फॉर आरटीआई के अध्यक्ष पंकज कुमार यादव ने राष्ट्रीय खेल में हुए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण व स्पोर्ट्स उपकरण की खरीद में हुए भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए झारखंड हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की थी. वहीं सूर्य सिंह बेसरा व सुशील कुमार ने भी अलग-अलग याचिका दायर करते हुए राष्ट्रीय खेल घोटाला मामले की जांच की मांग की थी. जिसपर संयुक्त रूप से सुनवाई करते हुए झारखंड हाई कोर्ट ने मामले की जांच सीबीआई से कराने का आदेश दिया. खेल घोटाले में ओलंपिक संघ के पूर्व अध्यक्ष आरके आनंद, मधुकांत पाठक, एमएस हासमी समेत अन्य को आरोपी बनाया गया था. सीबीआई जांच से पहले इस मामले की जांच एसीबी कर रही थी. कोर्ट ने जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान जांच में देरी को लेकर एसीबी को भी फटकार लगायी थी.

रक्षा मंत्री आज रांची आएंगे अफसरों को मिले कई निर्देश

संवाददाता। रांची

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 15 मार्च को रांची आ रहे हैं. इसे लेकर पुलिस के वरीय अधिकारियों ने गुरुवार को विधि-व्यवस्था की ड्यूटी में लगे पुलिसकर्मियों को कई निर्देश दिए. बैठक में सिटी एसपी राज कुमार मेहता, एनएसजी के अधिकारी समेत कई पुलिस पदाधिकारी शामिल थे. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रांची से चतरा जाएंगे. चतरा आगमन से दो दिन पहले ही इटखोरी में सुरक्षा-व्यवस्था का जायजा लेने के लिए दिल्ली से एनएसजी के अधिकारियों की एक टीम मां भद्रकाली मंदिर परिसर पहुंच चुकी है. अधिकारियों की टीम ने बुधवार को मां भद्रकाली मंदिर परिसर स्थित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया. राजनाथ सिंह 15 मार्च को ही भद्रकाली मंदिर जाएंगे. वे भाजपा के बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं को भी संबोधित करेंगे.

हाल-ए-विश्वविद्यालय 16 साल से शिक्षकों की स्थायी नियुक्ति नहीं हुई

अनुबंध पर भरे जा रहे हैं शिक्षकों के पद

रजनीश प्रसाद। रांची

झारखंड के विश्वविद्यालयों में अनुबंध पर शिक्षकों को भर्ती करने की परंपरा जारी है. इसके लिए रांची विश्वविद्यालय, बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, विनोबा भावे विश्वविद्यालय और जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय ने आवश्यकता आधारित शिक्षकों के लिए आवेदन मांगा है. झारखंड में पिछले 16 साल से स्थाई शिक्षकों की बहाली नहीं हुई है. फिर से अनुबंध पर ही शिक्षक लिए जाएंगे.

झारखंड में कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की कोई कमी नहीं है. आए दिन सरका विशेष विश्वविद्यालय और मॉडल कॉलेज खोल रही है. इनके भवन भी आलीशान हैं. नए भवनों में कोई कमी नहीं है. वर्ल्ड क्लास सुविधा को ध्यान में रखा गया है. कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में कोई कमी है, तो वो है शिक्षकों की कमी. इससे विश्वविद्यालय लगातार जूझ रहा है. अंतिम बार 2008 में शिक्षकों की बहाली हुई थी. इसके बाद सरकार और आयोग शिक्षकों की बहाली करना ही भूल गई है. मॉडल कॉलेजों को चलाने के लिए अनुबंध पर शिक्षक रख रही है. हाल में फिर से विश्वविद्यालयों में अनुबंध पर शिक्षक रखे जा रहे हैं. इसके लिए विश्वविद्यालयों ने अपने स्तर से आवेदन भी मांगा है.

झारखंड में रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय, पंडित रघुनाथ मुर्मू जनजातीय विश्वविद्यालय और झारखंड राज्य ओपेन विश्वविद्यालय की स्थापना की गयी. इसकी स्थापना करने का उद्देश्य है कि झारखंड में अलग अलग क्षेत्रें में विकास करना है. इन विश्वविद्यालयों में 70-72 पद सृजित किए गये हैं.

राज्य में विश्वविद्यालय	10
कृषि विश्वविद्यालय	01
अंगीभूत कॉलेज	98
अलपसंख्यक कॉलेज	08
बीएड कॉलेज	132
सरकारी बीएड कॉलेज	04
राज्य में ओपेन विश्वविद्यालय	01
महिला कॉलेज	09
मॉडल कॉलेज	06
रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय	01

CLASSIFIED

शुभम संदेश

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | शुक्रवार 15 मार्च 2024 ● फाल्गुन शुक्ल पक्ष 05, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 5 ● वर्ष : 1, अंक : 327 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा अंतर्गत पूर्वी सिंहभूम जिले के चाकुलिया एवं पोटका में

डिग्री महाविद्यालय का शिलान्यास कार्यक्रम

मुख्य अतिथि

श्री चम्पाई सोरेन

मानननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

दिनांक : 15 मार्च 2024
समय : अपराह्न 01:15 बजे
स्थान : मारदाबांध स्टेडियम मैदान, चाकुलिया

दिनांक : 15 मार्च 2024
समय : पूर्वाह्न 11:40 बजे
स्थान : प्रखण्ड मैदान, पोटका

विशिष्ट अतिथि

श्री आलमगीर आलम
माननीय मंत्री, ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य, पंचायती राज एवं संसदीय कार्य विभाग, झारखण्ड

श्री सत्यानंद भोक्ता
माननीय मंत्री, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास तथा उद्योग विभाग, झारखण्ड

श्री बन्ना गुप्ता
माननीय मंत्री, स्वास्थ्य, चिकित्सा, शिक्षा एवं परिवार कल्याण सह-आपदा प्रबंधन विभाग

गरिमामयी उपस्थिति

श्री विद्युत बरण महतो
माननीय सांसद, जमशेदपुर लोकसभा

श्री रामदास सोरेन
माननीय विधायक, घाटशिला

श्री सरयू राय
माननीय विधायक, जमशेदपुर पूर्वी

श्री मंगल कालिंदी
माननीय विधायक, जुगसलाई

श्री समीर मोहंती
माननीय विधायक, बहरागोड़ा

श्री संजीव सरदार
माननीय विधायक, पोटका

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | शुक्रवार 15 मार्च 2024 ● फाल्गुन शुक्ल पक्ष 05, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 1, अंक : 327 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

एसआई पर ग्रामीणों ने दो आदिवासी युवतियों को घसीट कर गाड़ी में बैठाने का लगाया आरोप, एसआई सहित तीन जवानों के खिलाफ युवती ने पुलिस में की शिकायत

धर्माबांध पुलिस ने की बर्बरता, गुस्साए ग्रामीणों ने पुलिस वालों को बनाया बंधक

संवाददाता। कतरास

धर्माबांध ओपी पुलिस पर आदिवासी युवतियों के साथ बर्बरता का आरोप लगाकर नीचे देवघरा के ग्रामीणों ने बुधवार की रात जमकर बवाल काटा. साथ ही पुलिस को घंटों बंधक बनाए रखा. ग्रामीणो ने पुलिस की जमकर फजीहत कर दी. मौका पाकर ओपी के एसआई ग्रामीणों के चंगुल से भाग निकले. हंगामे की खबर पाकर ओपी प्रभारी कमलेश कुमार मौके पर पहुंचे जहां उन्हें भी ग्रामीणों का आक्रोश झेलना पड़ा. हालांकि उन्होंने किसी तरह ग्रामीणों को उचित कार्रवाई का अश्वासन देकर समझा बुझा कर शांत करवाया. इधर घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. वीडियो में पुलिस के वाहन को घेर कर ग्रामीण महिला पुरुष पुलिस का विरोध कर हंगामा करते देखे जा रहे हैं.

मामले को लेकर नीचे देवघरा की आदिवासी युवती शकुंतला कुमारी ने ओपी प्रभारी को लिखित शिकायत देकर ओपी के एसआई दिग्विजय सिंह सहित तीन पुलिसकर्मियों पर जबरन घसीटते हुए गाड़ी में बैठाने गाली गलौज व अभद्रता करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है. मामले की जानकारी देते हुए आदिवासी समाज के जिलाध्यक्ष सनातन सोरेन ने बताया कि बुधवार की रात धर्माबांध ओपी के छोटा बाबू दिग्विजय सिंह अपने तीन पुलिसकर्मी के साथ पेट्रोलिंग वाहन से नीचे देवघरा पहुंचे ओर फागू मांझी के घर में घुस कर परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट कर घर में तोड़फोड़ कर शराब की तलाशी लेने लगे. जब घर में कहीं शराब बरामद नहीं हुई, तो दिग्विजय सिंह ने फागू मांझी के 17 वर्षीय नाबालिग लड़की शकुंतला कुमारी, विरासमुनी कुमारी व पुत्र अघनू मांझी को जबरन घसीटते हुए पुलिस बोलेरो वाहन में बैठाकर सुनसान जगह पर ले गए. खबर पाकर ग्रामीण पहुंचे और घटना का विरोध करने लगे. उन्होंने कहा कि इस तरह की पुलिसिया बर्बता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. अविलंब दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग करता हूं.

▪ मामला धर्माबांध ओपी इलाके के नीचे देवघरा का

कुछ गलतफहमी हुई, जिससे हंगामा हुआ: ओपी प्रभारी

मामले को लेकर ओपी प्रभारी कमलेश कुमार ने कहा कि पुलिस जावा महुआ नष्ट करने के लिए नीचे देवघरा पहुंची थी. जावा महुआ नष्ट कर पुलिस रात को वहां से लौट रही थी कि तभी ग्रामीण पुलिस वाहन को घेर कर हंगामा करने लगे. कुछ गलतफहमी हो गई थी जिसकी वजह से हंगामा हुआ था. मामला सॉर्ट आउट कर लिया गया है. आदिवासी युवती को जबरन पुलिस जीप में बैठने के सवाल पर उन्होंने कहा कि युवती खुद पुलिस वाहन में बैठी थी. युवती के द्वारा शिकायत दी गई है जिसपर जांच-पड़ताल की जा रही है.

दुष्कर्म पीड़िता ने दो लाख लेने से किया इंकार, कोर्ट में कहा

पैसा नहीं मुझे न्याय चाहिए

संवाददाता। धनबाद

झारखंड हाइकोर्ट ने दुष्कर्म पीड़िता को दो लाख रुपए मुआवजा के तौर पर देने का निर्देश आरोपी को दिया था. आरोपी आरपीएफ में दरोगा और फिलहाल पश्चिम बंगाल के सियालदह में पोस्टेड है, आरोपी ने धनबाद कोर्ट में दो लाख रुपए का डिमांड ड्राफ़्ट जमा कर दिया, लेकिन पीड़िता ने गुरुवार को कोर्ट पहुंच कर इस राशि को लेने से इंकार कर दिया और कोर्ट से न्याय की अपील की. कहा- उसे पैसे नहीं इंसाफ चाहिए.

दरोगा की तैयारी कर रही थी पीड़िता : बरोरा थाना क्षेत्र की रहने वाली युवती ने इस मामले की शिकायत बरवाअड्डे थाने में 31 मार्च 2023 को दर्ज कराई थी. शिकायत में बताया था कि वह दरोगा की तैयारी कर रही थी, इसी क्रम में फरवरी 2023 में फेसबुक से सियालदह डिवीजन के बरईपुर थाने में पोस्टेड सुनील कुमार के साथ परिचय हुआ था. तब वह बरवाअड्डा में रह कर तैयारी कर रही थी. दोनों के बीच फोन पर बातचीत होने लगी. 21 मार्च को सुनील ने फोन किया कि वह तैयारी में मदद करेगा. ये बात बोलकर वह बरवाअड्डा आ गया और उसके घर पर ही उसके साथ दुष्कर्म किया. उसने अश्लील वीडियो भी बना लिया था. जब उसने विरोध किया तो कहा गया कि उसके साथ वो शादी करेगा. इसके बाद अश्लील वीडियो को वायरल कराने की धमकी देकर उसके साथ लगातार दुष्कर्म करता रहा. सियालदह बुलाकर अपने दोस्त के घर पर भी उसने दुष्कर्म किया था. एक मई को जब वह बरवाअड्डा आया तो पीड़िता ने उससे शादी करने की बात कही, तो उसने जीवन बर्बाद करने की धमकी दी और पुलिसिया रौब दिखाते हुए चला गया. इसके बाद पीडिता ने मामले की शिकायत थाने में की थी. पुलिस ने मुकदमे में एफआइआर दर्ज किया और मामले की पड़ताल की गई.

खास बातें

- आरोपी आरपीएफ में दरोगा, बंगाल के सियालदह में पोस्टिंग
- शादी का प्रलोभन देकर युवती के साथ किया था दुराचार

आरोपी ने कोर्ट में जमा किया था दो लाख का डिमांड ड्राफ्ट, पीड़िता ने लेने से किया इंकार

हाइकोर्ट से मिली थी जमानत

आरोपी दरोगा को हाइकोर्ट से जमानत मिली थी, जमानत में ये कहा गया कि उसे पीड़िता को दो लाख मुआवजा देना होगा. इसके बाद आरोपी ने कोर्ट में दो लाख का डिमांड ड्राफ्ट जमा कर दिया. ये सुनकर पीड़िता को सदमा लगा, गुरुवार को इस केस में तारीख थी. पीड़िता और आरोपी दोनों कोर्ट पहुंचे. पीड़िता को यह जानकारी मिली कि उसे दो लाख रुपए मुआवजे के तौर पर दिये जा रहे हैं तो उसने रकम लेने से इंकार कर दिया. कहा कि आरोपी को सजा दिलवानी है न कि रकम लेना उसका मकसद है. अपने इंसाफ की लड़ाई को वह आगे भी जारी रखेगी. उनके अधिवक्ता धनंजय सिंह ने बताया कि रुपये नहीं लेने की बात कोर्ट में लिखित तौर पर दी जा चुकी है.

धमकी देने का भी केस हो चुका है दर्ज

पीड़िता ने बरोरा थाने में आरोपी दरोगा सुनील कुमार के खिलाफ वाट्सएप पर वीडियो चैट कर और वीडियो कॉल कर धमकी देने का मुकदमा 10 मार्च 2024 को दर्ज कराया है. इस मामले को लेकर पीड़िता ने कहा है कि न्यायालय से जमानत मिलने के बाद सुनील कुमार अपने और रिश्तेदारों के फोन से उसे फोन व चैट कर मुकदमा उठा लेने की धमकी दे रहा है. चैट में लिखा है कि... तुम अब जिंदा रहकर क्या करोगी, तुम्हारा इज्जत अब खत्म हो गया, तुम समाज में क्या करोगी, समाज में मुंह दिखाने के लायक नहीं हो..पीड़िता के बयान के आधार पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस अग्रतर कार्रवाई में जुट गई है.

झरिया का चिल्ड्रेन पार्क लॉटरी माफिया का गढ़, अनिल बड़ा नाम

- कोइरीबांध के अनिल की बिकती है लॉटरी, लॉटरी के धंधे का पुराना शातिर है अनिल
- कभी खुद का तो कभी समीर का ब्रांड है बिकवाता, बलियापुर तक जाती है इसके ब्रांड की लॉटरी
- बाटा मोड़, चिल्ड्रेन पार्क, कोइरीबांध, एमओसीपी, तिसरा आदि में खूब बिकती है अनिल की लॉटरी

रिजवान शम्स। धनबाद

कोइरीबांध का अनिल, झरिया के लॉटरी कारोबारियों में बड़ा नाम है, करीब दो दशक से लॉटरी कारोबार में सक्रिय है और कभी खुद के ब्रांड तो कभी लॉटरी माफिया समीर के ब्रांड की लॉटरी की बिक्री करवाता है. समीर से उसका याराना है, दोनों मिलकर झरिया की जनता को लूटने में लगे हैं. खास कर बीसीसीएल कर्मियों और मजदूरों को इनका निशाना बनाने का काम जारी है.

चिल्ड्रेन पार्क के आसपास गुमटियों में, चाय-पान, नाश्ता, अंडा आदि की दुकानों में अनिल और समीर के ब्रांड की लॉटरी की बिक्री होती है. दिनभर लॉटरी खरीदने वालों और बेचने वालों की भीड़ रहती है. यहां न सिर्फ झरिया बल्कि आसपास के लोग भी लॉटरी की टिकट खरीदने के लिए पहुंचते हैं. इसके अलावा बाटा मोड़, मेनरोड, चार नंबर, कोइरीबांध, आदि क्षेत्रों में इनकी लॉटरी खूब बिक रही है. अनिल का भाई लॉटरी के कारोबार में है. हालांकि उसका अलग कारोबार है, जबकि अनिल भाई से अलग होकर धंधा बढ़ा रहा.

30 लाख की लॉटरी बरामद, एक धराया

पाकुड़। पाकुड़ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 30 लाख रुपए के अवैध लॉटरी के टिकटों के साथ-साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है. पकड़े गए युवक का नाम चांद अंसारी है. पाकुड एसपी प्रभात कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि शहर में एटीएम ब्रांड की लॉटरी का अवैध धंधा करने वाले शहर में पांव पसार रहे हैं. इसके बाद एसडीपीओ के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन कर छापेमारी अभियान चलाया गया. शहर के हरिणडंगा बाजार अजमेरी टोला निवासी चांद अंसारी के घर की घेराबंदी कर पुलिस ने छापेमारी की. पुलिस को देखते ही पांच युवक कार्टून व प्लास्टिक के झोला लेकर भागने लगे. पुलिस ने पीछा चांद अंसारी को लॉटरी टिकटों से भरे कार्टून के साथ धर दबोचा, जबकि उसके 4 साथ भागने में सफल रहे. कार्टून में रखे करीब 30 लाख रुपए के लॉटरी टिकटों को पुलिस ने जब्त कर लिया. गिरफ्तार युवक चांद अंसारी को कागजी प्रक्रिया पूरी कर गुरुवार को जेल भेज दिया गया. छापेमारी दल में पाकुड़ एसडीपीओ दयानंद आजाद, नगर थाना प्रभारी अजय आर्यन, पुलिस अवर निरीक्षक अभिषेक कुमार, मनीता कुमारी, एएसआई अनिल कुमार सिंह, योगेश प्रसाद यादव आदि शामिल थे.

मैथन में कार से पुलिस ने बरामद किये 10 लाख

संवाददाता। बराकर

लोकसभा चुनाव को लेकर झारखंड-बंगाल सीमाक्षेत्र मैथन में धनबाद पुलिस द्वारा इंटर स्टेट पुलिस चेकपोस्ट बनाया गया है. जहां एक राज्य से दूसरे राज्य में आने-जाने वाले सभी चार पहिया वाहनों की जांच की जा रही है. खासकर बंगाल से आने वाली सभी गाड़ियों की गहनता से जांच की जा रही है. इसी अभियान के तहत गुरुवार को मैथन स्थित इंटर स्टेट पुलिस चेकपोस्ट पर वाहन जांच के दौरान एक नीले रंग की हुंडई कार जेएच10बीजेड-5841 को जांच के दौरान पुलिस रोका. इस दौरान पुलिस ने कार से दस लाख रुपया नगद बरामद किया है. इस संदर्भ में जांच अधिकारी को किसी प्रकार की कोई भी उचित अस्पष्टता नहीं होने पर पुलिस ने पैसों की जांच के लिए आयकर विभाग से संपर्क किया है. फिलहाल कार से बरामद की गई रकम की जांच की जा रही है.

खास बातें

- चुनाव को लेकर झारखंड-बंगाल सीमा पर पुलिस ने बनाया चेकपोस्ट
- रूटीन जांच के दौरान पुलिस ने पकड़ी कार, बरामद हुए पैसे

स्कूल परिसर पहुंच पैरेंट्स ने किया हाई वोल्टेज ड्रामा

बच्चे फेल, स्कूल पर फूटा अभिभावकों का गुस्सा

रोहित कुमार। जमशेदपुर

साकची स्थित राजेंद्र विद्यालय परिसर में उस वक्त हंगामा मच गया, जब बच्चों को कक्षा में फेल करने पर अभिभावकों का गुस्सा स्कूल प्रबंधन पर टूट पड़ा. परिजन स्कूल पहुंचे और स्कूल प्रबंधन पर आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया. मामला इतना बढ़ गया कि मौके पर साकची पुलिस पहुंच गई. पुलिस ने आकर मोर्चा संभाला, पर परिजन शांत होने को राजी नहीं थे. अभिभावकों की मांग थी कि बच्चों को अगली कक्षा में प्रमोट किया जाए. बता दें कि स्कूल प्रबंधन ने नौवीं और 11वीं कक्षा के साइंस और कॉमर्स के कुल 102 विद्यार्थियों को फेल किया है.

30 प्रतिशत ही अटेंडेंस

वहीं स्कूल की प्रभारी प्रिंसिपल जयंति सिंह ने कहा कि कुल 64 बच्चों को फेल किया गया है. जितने भी बच्चे फेल हुए है सभी का अटेंडेंस 30 प्रतिशत ही है, जबकि बोर्ड के नियम के अनुसार अटेंडेंस 75 प्रतिशत होना चाहिए. अटेंडेंस को लेकर अभिभावकों ने कहा कि बच्चें हर दिन स्कूल आते है, अगर बच्चे स्कूल नहीं आ रहे थे तो स्कूल प्रबंधन के द्वारा अभिभावकों को इसकी सूचना देनी चाहिए थी. बता दें कि स्कूल प्रबंधन ने बच्चों को अगली कक्षा में प्रमोट करने से साफ इंकार कर दिया है.

19 मंडल अध्यक्षों ने वीडी राम का किया विरोध

संवाददाता। गढ़वा

भारतीय जनता पार्टी के गढ़वा जिला के विभिन्न प्रखंडों के 19 मंडल अध्यक्षों ने सांसद वीडी राम के खिलाफ बिगुल फूंक दिया है. गुरुवार को मेराल में बैठक कर आगामी लोकसभा चुनाव में सांसद वीडी राम को तीसरी बार प्रत्याशी बनाए जाने का विरोध करते हुए शीर्ष नेतृत्व से प्रत्याशी बदलने की मांग की है. बता दें कि मेराल में ही सांसद वीडी राम मिरल ग्राम रेलवे स्टेशन पर रांची चोपन एक्सप्रेस के ठहराव पर हरी झंडी दिखा रहे थे. वहीं दूसरी तरफ जिले के 27 मंडल अध्यक्षों में से 19 मंडल अध्यक्ष सांसद वीडी राम के खिलाफ बैठक कर रहे थे. मंडल अध्यक्षों ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को लिखित आवेदन देकर बाहर के वीडी राम को तीसरी बार प्रत्याशी बनाए जाने का विरोध करते हुए स्थानीय कार्यकर्ता को लोकसभा उम्मीदवार बनाने की मांग की है. सभी मंडल अध्यक्षों ने सांसद राम पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी बेटी के नाम पर एनजीओ चलता है, जिसके माध्यम से सांसद निधि का सारा फंड खर्च किया जाता है, जो जांच का विषय है.

आवेदन की प्रतिलिपि राष्ट्रीय संगठन महामंत्री, प्रदेश अध्यक्ष झारखंड प्रदेश, संगठन महामंत्री, क्षेत्रीय संगठन मंत्री, प्रदेश प्रभारी झारखंड को भेजा है. विरोध करने वाले मंडल अध्यक्षों में उदय कुशवाहा मेराल उतरी, मनोज जायसवाल मेराल दक्षिणी, बसंत प्रसाद रंका उतरी, उदय कुमार प्रजापति रंका दक्षिणी, कन्हाई प्रसाद केतार, योगेंद्र कुमार मेहता बरडीहा, अवध बिहारी गुप्ता बिशनपुरा, श्रवण कुमार चंद्रवंशी डंडई, संध्याकर विश्वकर्मा खरौंधी, लखन चौधरी डंडा दिलीप कुमार यादव सगमा, विकास कुमार पांडे बंशीधर नगर ग्रामीण मंडल अध्यक्ष, शिवलाल सिंह चिनिया, राजेश्वर ठाकुर भंडरिया, सोना कुमार यादव भवनाथपुर, बलजीत सोनी रमना, कुमार कनिष्क बंशीधर नगर, बजरंग प्रसाद बड़गड़ और अखिलेश यादव धुरकी शामिल हैं.

कार्रवाई

बराकर व चिरकुंडा के लौह व सीमेंट व्यवसायी उद्योगपति के यहां आईटी टीम का सर्वे

व्यवसायी सीपी एलॉयज के कई ठिकानों पर हो रही छानबीन

संवाददाता। बराकर/मैथन

- कोलकाता से आई टीम ने घंटों कार्यालय, आवास ओर फैक्टरी में कागजात की जांच की

बराकर एवं चिरकुंडा के लौह व सीमेंट व्यवसायी उद्योगपति सीपी एलॉयज के आधा दर्जन से भी ज्यादा जगहों पर गुरुवार की सुबह कोलकाता से आई आईटी की टीम ने घंटों कार्यालय, आवास ओर फैक्टरी में सर्वे अभियान चलाया. आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नर के कुल्टी थाना क्षेत्र के बराकर हनुमान चढ़ाई स्थित व्यवसाय सीपीएलॉयज के मालिक गोपाल सिंघल के आवास एवं कल्यानेश्वरी स्थित लौह कारखाने सहित एक ओर पार्टनर चिरकुंडा थाना क्षेत्र चिरकुण्डा स्थित व्यवसायी विकास गाडयान के आवास पर छापेमारी की. जिसके बाद से क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है. इस आयकर सर्वे अभियान में लगभग आधा दर्जन गड़ियो से एक दर्जन आईटी की टीम रेड में शामिल होने की बात सामने आयी है.

मिली जानकारी के अनुसार व्यवसायी विकास गडयान का पश्चिम बंगाल के देवीपुर में सिटी गोल्ड सीमेंट और सिटकोन टीएमटी के नाम से कारखाना है. आईटी की टीम विकास के आवास में किसी को भी जाने की अनुमति नहीं दे रही है और ना ही मीडिया को जानकारी दे रहे हैं. वही इस रेड के बाद व्यवसाईयों के बीच हड़कंप मचा हुआ है. खबर भेजे जाने तक टीम व्यवसाई के आवास में मौजूद है और कई जरूरी कागजातों को खंगालने का कार्य जुटे दिखाई पड़ रहे थे.

चिरकुंडा के उद्योगपति विकास गढ़्याण के आवास व प्रतिष्ठानों पर भी पहुंची आईटी की टीम

चिरकुंडा के प्रतिष्ठित उद्योगपति विकास गाड़्याण के आवास पर गुरुवार के सुबह पश्चिम बंगाल की आयकर विभाग की टीम पुलिस बल के साथ पहुंची है और छापेमारी कर रही है. छापेमारी के दौरान टीम ने आवास में मौजूद सभी सदस्यों का मोबाइल फोन जब्त कर स्वीच ऑफ कर दिया है. साथ ही किसी को घर से बाहर जाने व आने पर प्रतिबंध लगा दिया है. सूत्रों ने बताया कि विकास गढ़्याण अपने आवास पर ही हैं, जिनसे आयकर टीम पूछताछ कर रही है. टीम ने गढ़्याण के पश्चिम बंगाल स्थित औद्योगिक संस्थान सिटीकॉन, सिटी गोल्ड सीमेंट, सिटी एलॉय आदि प्लांट में भी छापेमारी की है, जहां कागजातों व कम्प्यूटरों को खंगाला जा रहा है. आयकर टीम की इस कार्रवाई से अन्य व्यवसायियों में दहशत फैल गया है. सूत्रों ने बताया कि श्री गढ़्याण द्वारा बड़े पैमाने पर टैक्स चोरी का मामला सामने आया है। लेकिन इस संबंध में टीम ने कुछ भी बताने से इनकार कर दिया. कहा कि अभी छानबीन चल रही है. खबर लिखे जाने के समय शाम 6 बजे तक आयकर की टीम पिछले दस घंटे से विकास गाड़्याण के आवास में कागजातों को खंगाल रही है.

नोवामुंडी में बंदरों का आतंक, लोग परेशान

नोवामुंडी। प्रखंड में बंदरों के आतंक से लोग परेशान हैं. बंदर भारी तादाद में जंगलों से शहर की ओर आ गए हैं और घरों में घुसकर किचन में रखें सामान को उठा कर ले जा रहे हैं. बंदर छोटे बच्चों के हाथों से भी खाने का सामान छीन कर खा जाते हैं. हर दिन बंदरों के आतंक से फुटपाथी दुकानदार परेशान है. बुधवार की दोपहर एक बड़ा बंदर गोलगप्पा की दुकान के ऊपर बैठ गया. जिससे डरकर दुकानदार अपनी दुकान छोड़ कर भाग खड़ा हुआ. देर तक बंदर गोलगप्पा की दुकान पर गोलगप्पे खाते रहे. जिसका वीडियो भी अब सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है.

डैम में नहाने गया अधेड़ डूबा, हो रही है तलाश

तिसरी (गिरिडीह)। तिसरी थाना क्षेत्र अंतर्गत कोदईबांक डैम में नहाने के क्रम में एक व्यक्ति के डूबकर मरने की आशंका जताई जा रही है. डैम में डूबा शख्स कोदईबांक का रहने वाला 50 वर्षीय शोभन टुडू बताया जा रहा है. काफी ढूंढ़ने के बाद भी उसका कोई अता पता नहीं चल पाया. घटना बुधवार शाम की बताई जा रही है. जब तक उसका शव बरामद नहीं हो जाता, तब तक कुछ स्पष्ट नहीं कहा जा सकता है.

जम कर हंगामा

गढ़वा: अबुआ आवास में अनियमितता का आरोप

संवाददाता। गढ़वा

गढ़वा जिले के भवनाथपुर प्रखंड के लोगों ने अबुआ आवास में अनियमितता बरतने का आरोप लगाया है. ग्रामीणों का आरोप है कि आवास योजना में प्रखंड कर्मी और पदाधिकारी व्यापक पैमाने पर अनियमितता बरत रहे हैं. इसको लेकर भवनाथपुर, बुका, चपरी और मकरी की सैकड़ों महिलाएं बीडीओ से मिलने उनके कार्यालय पहुंची. लेकिन वो अपने कार्यालय से निकलकर सीओ कार्यालय चले गये. जिससे आक्रोशित होकर महिलाएं आवास समन्वयक अशोक कुमार के कार्यालय चली गयी और वहां जमकर हंगामा किया.

महिलाओं ने करीब दो घंटे तक आवास समन्वयक अशोक कुमार को घेरकर रखा. इस दौरान आक्रोशित महिलाओं ने आवास समन्वयक के साथ धक्का मुक्की भी की और उनसे बीडीओ साहब से मिलवाने के लिए कहा. मौके की नजाकत को देखते हुए अशोक कुमार बीडीओ के पास पहुंच गये. उनके पीछे-पीछे महिलाएं भी चली गयी और वहां भी जमकर हंगामा किया. महिलाओं ने आरोप लगाया कि आवास के फाइनल सूची में छेड़छाड़ की गयी है. बीडीओ ने सचिव से स्पष्टीकरण मांगने की बात कही. जिसके बाद महिलाएं शांत हुई. बता दें कि अबुआ आवास के शुरुआत से ही ग्रामीणों का हंगामा चालू है. इसी हो हंगामा के बीच पहली किश्त की राशि लाभुकों के खाते में भेज दी गयी है.

खास बातें

- महिलाओं ने बीडीओ ऑफिस में किया जोरदार हंगामा
- बीडीओ ने सचिव से शोकॉज मांगने की बात कही
- हंगामे के बीच लाभुकों के खाते में भेजी गयी पहली किस्त

* * *
रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

पेज 12

चुनावी समर 2024

www.lagatar.in शुक्रवार 15 मार्च 2024 ● फाल्गुन शुक्ल पक्ष 05, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~8~~ ● वर्ष : 1, अंक : 327 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

राहुल ने नासिक की एमवीए की रैली में भरी हुंकार

'इंडिया' सत्ता में आया, तो किसानों की आवाज बनेगा

नासिक। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि गठबंधन इंडिया अगर सत्ता में आता है, तो वह किसानों की आवाज़ बनेगा और ऐसी नीतियां बनाएगा जो उनकी सुरक्षा कर सकें. वह कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा

के तहत शरद पवार और संजय राउत के साथ नासिक के चंदवाड में किसान रैली में बोल रहे थे. गांधी ने कहा, इंडिया की सरकार किसानों की आवाज बनेगी और उनके हितों की रक्षा के लिए काम करेगी. उन्होंने किसानों के लिए ऋण माफी, किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए फसल बीमा योजना के पुनर्गठन, निर्यात आयात नीतियों के निर्माण में फसल की कीमतों की रक्षा करने और कृषि को जीएसटी से बाहर करने की कोशिश करने तथा सिर्फ एक कर पर काम करने वादा किया. राहुल गांधी ने स्वामीनाथन समिति की रिपोर्ट के अनुसार, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को कानूनी गारंटी देने के कांग्रेस के वादे को भी दोहराया.

बोले मोदी-देश विरोधी एजेंडे को हवा देना 'इंडिया' की विचारधारा

विपक्षियों का एकमात्र एजेंडा मुझको गाली देते रहना है

नयी दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को विपक्षी गठबंधन इंडिया पर भ्रष्टाचार, कुशासन और राष्ट्र विरोधी एजेंडे को हवा देने का आरोप लगाया और कहा कि वह भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण को जड़ से उखाड़ फेंकने के

पक्ष में हैं. पीएम स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि योजना के लाभार्थियों की मौजूदगी में मोदी ने कहा कि उनकी विचारधारा लोगों के कल्याण के जरिए देश का कल्याण सुनिश्चित करना है. इस योजना के तहत ऋण की सुविधा देने का प्रावधान है. चुनाव में भाजपा से मुकाबले के लिए विपक्षी गठबंधन पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वे दिन-रात उन्हें गाली देने के एकमात्र एजेंडे पर साथ आए हैं. मोदी ने कहा कहा कि 'मोदी की गारंटी' से यह सुनिश्चित हुआ कि उन्हें बैंकों से सरल दरों पर कर्ज मिल सकेगा. उन्होंने कहा कि 62 लाख से अधिक लोगों को लगभग 11,000 करोड़ रुपए का ऋण दिया गया है.

असम की चुनावी रैली में बोले राजनाथ सिंह

सीएए नागरिकता छीनने वाला नहीं, देनेवाला कानून बनाए हैं

गुवाहाटी। नागरिक संशोधन अधिनियम (सीएए) को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि इस कानून को लेकर लोगों को गुमराह किया जा रहा है. इस तरह की अफवाहें फैलाई जा रही है कि भारत में रहने वाले किसी भी

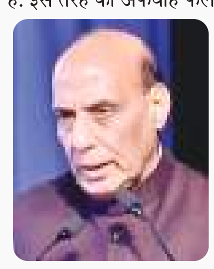

व्यक्ति की नागरिकता छीन ली जाएगी, लेकिन ये गलत है, ऐसा कुछ होने वाला नहीं है. सीएए पर लोगों को गुमराह किया जा रहा. असम के बारपेटा में रैली को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि सीएए पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से 2014 तक भारत आए धार्मिक रूप से प्रताड़ित लोगों को नागरिकता प्रदान करेगा. उन्होंने कहा कि मैं आप को आश्वासन देता हूं कि यह कानून किसी की नागरिकता नहीं छीनेगा, यह सिर्फ नागरिकता देना वाला कानून है. केंद्र ने सोमवार को सीएए लागू किया, जिसमें पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से भारत आए गैर दस्तावेज गैर मुस्लिमों के लिए नागरिकता प्रदान करने का प्रावधान है.

धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र पर हो रहा है हमला

लोस चुनाव भारत के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण : डी. राजा

नयी दिल्ली। भाकपा के महासचिव डी. राजा ने गुरुवार को कहा कि लोकसभा चुनाव भारत के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र पर हमला हो रहा है. उन्होंने कहा कि संविधान और लोकतंत्र को

बचाने के लिए भाजपा को पराजित किया जाना जरूरी है. राजा ने इस सुझाव को खारिज कर दिया कि राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का आम चुनाव पर निर्णायक प्रभाव पड़ेगा. उन्होंने कहा कि भाजपा की राम के बारे में समझ, भगवान के बारे में लोगों की समझ से अलग है. उन्होंने भाजपा के मोदी की गारंटी नारे को भी खारिज कर दिया और इसे चुनाव से पहले चुनावी लाभ के लिए तैयार किया गया नारा और जुमला करार दिया. राजा ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी युवाओं को नौकरियां देने, कालाधन वापस लाने और महंगाई से निपटने के अपने वादों को पूरा करने में विफल रहे हैं.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	61,300
चांदी (किलो)	76,000

ब्रीफ खबरें

ममता गंभीर रूप से चोटिल, अस्पताल में भर्ती

कोलकाता। बंगाल की सीएम ममता बनर्जी गंभीर रूप से चोटिल हो गई हैं. टीएमसी के एक्स हैंडल पर यह जानकारी दी गयी है. लिखा कि हमारी चेयरपर्सन को गंभीर चोटें आई हैं. उनके लिए दुआ कीजिए. ममता की एक तस्वीर भी सामने आई है, जिसमें उनके माथे से खून निकलता दिख रहा है. उन्हें कोलकाता के एसएसकेएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है.

सुधा मूर्ति ने रास सदस्य के रूप में शपथ ली

नयी दिल्ली। समाजसेवी सुधा मूर्ति ने गुरुवार को अपने पति एनआर नारायण मूर्ति की मौजूदगी में राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली. सभापति जगदीप धनखड़ ने अपने कक्ष में उन्हें शपथ दिलाई. इन्फोसिस की पूर्व अध्यक्ष और बच्चों के लिए कई किताबें लिख चुकीं सुधा मूर्ति को पिछले शुक्रवार को राज्यसभा के लिए मनोनीत किया गया था.

देश भर दो रुपए सस्ता हुआ पेट्रोल और डीजल

नयी दिल्ली। देश की सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में दो-दो रुपये प्रति लीटर की कटौती की, शुक्रवार सुबह छह बजे से प्रभावी होंगे. नये दाम तत्काल प्रभाव से लागू कर दिये जाएंगे.

सुप्रीम कोर्ट से अजित पवार गुट को झटका

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शरद पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के गुट की ओर से दाखिल याचिका पर उपमुख्यमंत्री अजित पवार की अगुवाई वाले धड़े से गुरुवार को जवाब दाखिल करने को कहा है.

नीतीश और राबड़ी विप के लिए निर्विरोध निर्वाचित

पटना। बिहार के सीएम नीतीश कुमार और पूर्व सीएम राबड़ी देवी समेत 11 उम्मीदवार गुरुवार को राज्य विधान परिषद के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित किये गये. मुख्यमंत्री का यह लगातार चौथा कार्यकाल होगा.

अंबा प्रसाद के हजारीबाग-रांची के 20 ठिकानों पर छापेमारी

नकली सील मुहर, अवैध बालू कारोबार के साक्ष्य जब्त

सौरभ सिंह। रांची

जबरन वसूली, लेवी की वसूली, अवैध बालू खनन और जमीन पर अवैध कब्जा करने को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने बड़कागांव से कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद और उनसे जुड़े लोगों के 20 ठिकानों पर छापेमारी कर नकदी सहित संपत्ति व जमीन से दस्तावेज जब्त किये थे. ईडी ने गुरुवार को बताया कि पीएमएलए 2002 के प्रावधानों के तहत पूर्व मंत्री योगेंद्र साव, अंबा प्रसाद और उनके परिवार के अन्य सदस्यों और सहयोगियों के रांची व हजारीबाग के ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया. अभियान के दौरान 35 लाख रुपये नकद, डिजिटल उपकरण, सर्किल कार्यालयों व बैंक के नकली मुहर, नकली कागजात, हाथ से लिखी रसीदें, डायरियां, आपाराधिक गतिविधियों में शामिल संबंधित साक्ष्य, आपत्तिजनक दस्तावेज और झारखंड राज्य में अवैध बालू खनन से संबंधित कागजात बरामद किए गए हैं. सभी दस्तावेज जब्त कर उसकी जांच की जा रही है.

योगेंद्र का बेटा अंकित बालू के अवैध कारोबार में शामिल : पूर्व मंत्री योगेंद्र साव का बेटा अंकित राज बालू के अवैध कारोबार में शामिल है. बताया जाता है कि उसके ठिकानों पर छापेमारी शुरू होने से पहले वह अपने कार्यालय से कुछ दस्तावेज लेकर भाग गया. इसके बावजूद उसके ठिकाने पर हुई छापेमारी के दौरान बालू की अवैध खरीद-बिक्री से संबंधित बहुत से रजिस्टर जब्त किये गये हैं. अंकित राज या योगेंद्र के किसी पारिवारिक सदस्य के पास बालू घाट की बंदोबस्ती या उसके व्यापार के वैध दस्तावेज नहीं हैं. दस्तावेज की प्रारंभिक जांच से पता चला है कि अंकित राज काफी पहले से बालू का अवैध कारोबार करता आ रहा है. बालू के अवैध कारोबार से हुई आमदनी का दूसरे क्षेत्र में निवेश किया गया है. ईडी जांच में यह भी जानकारी मिली है कि बालू के अवैध कारोबार को विधायक अंबा प्रसाद का संरक्षण प्राप्त था. अवैध बालू लदे ट्रैक्टरों को थाने से भगाने के आरोप में विधायक अंबा के खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज है.

35 लाख नकद मिले तलाशी अभियान के दौरान

अंबा, योगेंद्र, अंकित को ईडी का नोटिस

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद, पूर्व मंत्री योगेंद्र साव और अंकित राज को ईडी ने नोटिस भेजा है. उन्हें पूछताछ के लिए दो सप्ताह के बाद बुलाया है. एजेंसी छापेमारी में उनके ठिकानों से मिले दस्तावेज के बारे में पूछताछ करेगी. ईडी को शक है कि ये लोग बैंकों के नाम पर जालसाजी भी करते हैं.

ईडी ने 15 से अधिक एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की

ईडी ने अंबा प्रसाद, योगेंद्र साव, उनके परिवार के सदस्यों और सहयोगियों के खिलाफ झारखंड पुलिस द्वारा दर्ज 15 से अधिक एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की. प्राथमिकी में यह आरोप लगाया गया है कि योगेंद्र साव, अंबा प्रसाद अपने सहयोगियों के साथ विभिन्न तरह की आपराधिक गतिविधियों जैसे जबरन वसूली, लेवी की वसूली, अवैध बालू खनन, जबरन जमीन पर कब्जा करने के मामले में शामिल हैं. इन सबके जरिये उन्होंने काफी चल-अचल संपत्ति अर्जित कर ली है, जिसकी जांच अब ईडी कर रही है.

हजारीबाग में भी जमीन के दस्तावेज में हेराफेरी की आशंका

ईडी को संदेह है कि रांची की तरह हजारीबाग में भी जमीन के दस्तावेज के साथ हेराफेरी हुई है. रांची में ईडी ने जांच में पाया था कि यहां जालसाजों ने अंचल कार्यालय की मिलीभगत से मूल दस्तावेज निकाला और उसमें ओवर राइटिंग कर रैयत का नाम बदल दिया. मूल दस्तावेज में छेड़छाड़ के बाद जमीन की खरीद-बिक्री की गयी.

अभिषेक पिंटू, प्रीति, डीएसपी पीके मिश्रा को पूछताछ के लिए बुलाया

ईडी ने पूर्व सीएम के प्रेस सलाहकार रहे अभिषेक उर्फ पिंटू, हटिया डीएसपी पीके मिश्रा और प्रीति कुमार को समन भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया है. ईडी ने पिंटू को 18 मार्च, डीएसपी पीके मिश्रा को 19 मार्च और प्रीति को 20 मार्च को ईडी के एयरपोर्ट रोड स्थित जोनल ऑफिस में बुलाया है. साहिबगंज में अवैध खनन मामले में डीएसपी प्रमोद मिश्रा से 6 मार्च 2023 को ईडी ने पूछताछ की थी. डीएसपी पर आरोप है कि उन्होंने बड़हरवा टेंडर विवाद, मारपीट व धमकी मामले के दो आरोपियों मंत्री आलमगीर आलम व विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा को महज बिना ठोस जांच के ही क्लीन चिट दे दी थी. ईडी ने कई खामियों को पकड़ा और अब उनका बयान चाहती है. उधर बर्लिन अस्पताल की जमीन मामले में प्रीति से ईडी पूछताछ करेगी. इससे पहले उनसे 12 जनवरी को ईडी पूछताछ कर चुकी है.

झारखंड पुलिस का बड़ा एक्शन

ईडी को ही भेज दिया समन, बुला लिया थाने

रांची। हाईकोर्ट से ईडी के अफसरों पर कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने के आदेश के एक सप्ताह बाद अब पुलिस एक्शन में है. हेमंत सोरेन की ओर से ईडी अफसरों के खिलाफ दर्ज कराए गए एससी-एसटी केस में पुलिस ने अफसरों को समन भेज दिया है. उन्हें 21 मार्च को सुबह 11 बजे थाने में मौजूद रहने को कहा गया है. हेमंत सोरेन ने ईडी अफसरों पर प्रताड़ित करने और पूरे समुदाय को अपमानित करने का आरोप लगाया है. जिन लोगों को समन भेजा गया है, उनमें ईडी के एडिशनल डायरेक्टर कपिल राज, असिस्टेंट डायरेक्टर देवव्रत झा समेत अनुपम कुमार और अमन पटेल शामिल हैं. बता दें कि हाईकोर्ट ने 4 मार्च को ही इस मामले में कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने को कहा था. हेमंत की ओर से 31 जनवरी को दर्ज कराये गये केस को लेकर ईडी ने 5 फरवरी को हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था. यह केस उसी दिन दर्ज किया गया था, जिस दिन ईडी हेमंत से अवैध लैंड डील केस में उनके आवास पर पूछताछ कर रही थी. हेमंत सोरेन ने एफआईआर में आरोप लगाया था कि ईडी ने उन्हें प्रताड़ित करने और पूरे समुदाय को बदनाम करने के लिए दिल्ली स्थित उनके आवास पर छापेमारी की. उन्होंने कहा कि ऐसा जानबूझ कर किया गया, क्योंकि ईडी अधिकारी गैर-आदिवासी समुदाय से थे.

कोविंद समिति ने वन नेशन वन इलेक्शन पर राष्ट्रपति को सौंपी रिपोर्ट

एक साथ चुनाव व एकल वोटर लिस्ट की सिफारिश, चुनने होंगे दो स्टेप

एजेंसियां। नयी दिल्ली

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में वन नेशन-वन इलेक्शन पर बनी कमेटी ने गुरुवार को अपनी सिफारिश राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंप दी है. पैनल ने पहले कदम के तहत लोकसभा और विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने और इसके 100 दिनों के भीतर एक साथ स्थानीय निकाय चुनाव कराने की सिफारिश की है. 18000 से अधिक पेजों की इस रिपोर्ट में कमेटी ने कहा कि वन नेशन-वन इलेक्शन से देश के विकास को बढ़ावा मिलेगा. इसके साथ ही लोकतांत्रिक परंपरा की नींव गहरी होगी और इंडिया जो कि भारत है की आकांक्षाओं को साकार करने में मदद मिलेगी.

केंद्र सरकार ने सितंबर 2023 में वन नेशन-वन इलेक्शन के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया है. इस कमेटी को भारत के मौजूदा चुनाव ढांचे का अध्ययन करने और चुनावों के लिए आवश्यक संविधान, जन प्रतिनिधित्व एक्ट में संशोधन की सिफारिश करने का काम सौंपा गया. कोविंद ने जब राष्ट्रपति मूर्मू को रिपोर्ट सौंपी, उस वक्त उनके साथ समिति के सदस्य गृह मंत्री अमित शाह, एनके सिंह, सुभाष कश्यप, गुलाम नबी आज़ाद और विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी थे.

त्रिशंकु लोकसभा की स्थिति में फिर चुनाव की सिफारिश : कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में त्रिशंकु स्थिति या अविश्वास प्रस्ताव या ऐसी किसी स्थिति में नई लोकसभा के गठन के लिए नए सिरे से चुनाव कराए जाने की सिफारिश की है. हालांकि, लोस के लिए कार्यकाल ठीक पहले की लोस के कार्यकाल के शेष समय के लिए ही हो. इतना ही नहीं कमेटी ने सिफारिश की है कि जब राज्य विधानसभाओं के लिए नए चुनाव होते हैं, तो ऐसी नई विस का कार्यकाल अगर जल्दी भंग नहीं हो तो लोस के पूर्ण कार्यकाल तक रहेगा.

अलग अलग चुनाव से क्या नुकसान : निर्वाचन आयोग पर लोस और विस चुनावों की जिम्मेदारी है, जबकि नगर निकायों और पंचायत चुनावों की जिम्मेदारी राज्य निर्वाचन आयोगों पर है. कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा, अब हर साल कई चुनाव हो रहे हैं.

-शेष पेज 11 पर

32 पार्टियों ने किया प्रस्ताव का समर्थन

15 राजनीतिक दलों ने जताया विरोध

रिपोर्ट में एकसाथ सभी चुनाव कराने का है प्रस्ताव

संविधान के अनुच्छेद 83 व 172 में करने होंगे संशोधन

कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा, इस तरह की व्यवस्था लागू करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 83 (संसद के सदनों की अवधि) और अनुच्छेद 172 (राज्य विधानमंडलों की अवधि) में संशोधन की आवश्यकता होगी. कमेटी ने कहा, इस संवैधानिक संशोधन की राज्यों द्वारा पुष्टि किए जाने की जरूरत नहीं होगी. कमेटी ने सिफारिश की है कि भारत निर्वाचन आयोग राज्य चुनाव अधिकारियों के परामर्श से एकल मतदाता सूची और मतदाता पहचान पत्र तैयार करे. इसके लिए मतदाता सूची से संबंधित अनुच्छेद 325 को संशोधित किया जा सकता है.

सुखबीर संधू और ज्ञानेश कुमार चुनाव आयुक्त नियुक्त किये गये

एजेंसी। नयी दिल्ली

गुरुवार को पीएम आवास में पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय चयन कमेटी की बैठक हुई. बैठक में पीएम मोदी के अलावा लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी और कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल मौजूद थे. बैठक खत्म होने पर बाहर आये अधीर रंजन चौधरी ने बताया कि ज्ञानेश कुमार और सुखबीर संधू को चुनाव आयुक्त नियुक्त किये गये हैं. हालांकि इसकी आधिकारिक सूचना जारी नहीं की गयी है. ज्ञानेश कुमार केरल से और सुखबीर संधू पंजाब कैडर से हैं. ज्ञानेश कुमार 1988 बैच के केरल कैडर के आईएएस ऑफिसर हैं. कुछ दिनों पूर्व सहकारिता मंत्रालय के सचिव पद से सेवानिवृत हुए हैं. सहकारिता मंत्रालय गृह मंत्री अमित शाह के अंतर्गत आता है. इससे पूर्व ज्ञानेश कुमार गृह मंत्रालय में कश्मीर डिवीजन के जॉइंट सेक्रेटरी पद पर थे. उसी दौरान धारा 370 हटाई गयी थी.

सरकार के पास नियुक्ति करने वाली समिति में बहुमत

अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि सरकार के पास (चुनाव आयुक्त की नियुक्ति करने वाली समिति में) बहुमत है. उन्होंने नियुक्ति से 10 मिनट पहले मुझे छह नाम दिये. मुझे पता है कि सीजेआई नहीं हैं, सरकार ने ऐसा कानून बनाया है कि सीजेआई हस्तक्षेप नहीं करते हैं और केंद्र सरकार एक अनुकूल नाम चुन सकती है. मैं यह नहीं कह रहा कि यह मनमाना है लेकिन जिस प्रक्रिया का पालन किया जा रहा है, उसमें कुछ खामियां हैं.

नाम वापसी की तिथि बीतने के बाद विस सचिव ने सौंपा जीत का प्रमाण पत्र

सरफराज और प्रदीप वर्मा निर्विरोध निर्वाचित

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो के डॉ. सरफराज अहमद और भाजपा प्रत्याशी प्रदीप वर्मा राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं. इसका आधिकारिक एलान गुरुवार को विधानसभा सचिव ने कर दिया. दोनों को विधानसभा सचिव ने निर्वाचन प्रमाण पत्र सौंप दिया. गुरुवार को शाम 3 बजे तक नाम वापसी का अंतिम समय था. इसके बाद इसकी आधिकारिक घोषणा कर दी गयी. विधानसभा में सदस्य संख्या के आधार पर दोनों खेमा एक-एक सीट आसानी से जीत सकता था. अगर कोई तीसरा प्रत्याशी मैदान में होता, तो 21 मार्च को वोटिंग होती. मगर इसकी नौबत नहीं आयी. क्योंकि मुंबई के व्यवसायी हरिहर महापात्रा ने नामांकन का पर्चा खरीदने के बाद नामांकन नहीं किया.

झारखंड के मुद्दे सदन में उठाएंगे : सरफराज

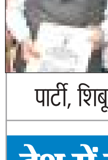

अपनी जीत के बाद झामुमो के राज्यसभा सांसद सरफराज अहमद ने कहा कि बड़ी जिम्मेदारी मिली है. हेमंत ने जो कहा था उसे पूरा किया है. राज्यसभा में जो जिम्मेदारी है उसे निभाऊंगा. केंद्र सरकार में झारखंड के लिए जो मुद्दे लंबित हैं. उन बातों को जोरदार तरीके से हम रखेंगे. जीएसटी का रॉयल्टी का जो हमारा बकाया है. उसकी हम मांग रखेंगे. सरफराज अहमद ने अपनी जीत का श्रेय जेएमएम पार्टी, शिबू सोरेन, हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन को दिया.

देश में उदाहरण प्रस्तुत करना है : प्रदीप वर्मा

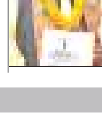

प्रदीप वर्मा ने कहा कि आदर्श स्थिति तो यही है कि किसी भी प्रकार का भ्रष्टाचार अनियमितता ना हो. देश में उदाहरण प्रस्तुत करना है और इसके लिए मैं हमारे नेताओं का आभार व्यक्त करता हूं. उन्होंने कहा कि यह जीत राज्य के लाखों भाजपा के कार्यकर्ताओं को समर्पित है. हमारे नेतृत्व को आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने मुझ जैसे साधारण कार्यकर्ता को देश की सर्वोच्च पंचायत में खड़ा होकर झारखंड की आवाज बनने का मौका दिया.

भाजपा डरी या आत्मविश्वास से भरी

प्रसंगवश

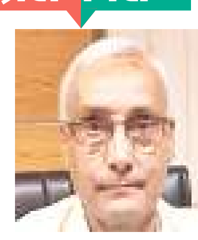

बैजनाथ मिश्र

वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

कल तक सियासत में भी मोहब्बत थी, अब मोहब्बत में भी सियासत नजर आ रही है. रोज किरदार और सरोकार दोनों बदले जा रहे हैं.

आजकल भाजपा की सभाओं में अबकी बार, चार सौ पार का नारा लग रहा है. परसेप्शन भी यही बन रहा है कि भाजपा फिर आ रही है. किसे कितनी सीटें मिलेंगी इसका फैसला मतदाता ही करेंगे. लेकिन माहौल भाजपा के पक्ष में है. इसके कारण भी स्पष्ट हैं. इसके बावजूद भाजपा का शीर्ष नेतृत्व दूसरे दलों में तोड़-फोड़ तथा नये समीकरण बनाने, नये साथी जुगाड़ने में तनिक भी संकोच नहीं कर रहा है. कल तक सियासत में भी मोहब्बत थी, अब मोहब्बत में भी सियासत नजर आ रही है. रोज किरदार और सरोकार दोनों बदले जा रहे हैं. आये दिन विपक्ष के किसी बड़े नेता के भाजपा में शामिल होने की खबरें आ रही हैं. अब सवाल यह है कि यदि माहौल भाजपा के पक्ष में इतना ही गुलाबी है, तो वह खपे-खपाये और किंचित मुरझाए नेताओं के टिकट क्यों नहीं काट रही है ? यह भी कि टिकट बंटवारे में वह किसी सिद्धांत का अनुपालन क्यों नहीं कर रही है ? जब लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी आदि नेताओं को सक्रिय राजनीति से बाहर कर मार्गदर्शक मंडल में भेजा गया था, तब कहा गया था कि उनकी उम्र ज्यादा हो गयी है.

पिछले लोकसभा चुनाव में कलराज मिश्र से लेकर रामटहल चौधरी तक के टिकट भी इस आधार पर काट दिये गये थे कि वे 75 पार हो गये हैं. यह सिद्धांत ठीक ही था. लेकिन वह सिद्धांत इस बार जगदंबिका पाल पर लागू क्यों नहीं हुआ, जिन्हें डुमरियागंज (सिद्धार्थनगर) से टिकट दे दिया गया है ? क्या पलामू में वीडी राम को तीसरी बार टिकट थमा देना वहां के संघर्षरत आकांक्षी नेताओं का अपमान नहीं है ? सुदर्शन भगत का बेटिकट होना समझ में आता है, क्योंकि वह बमुश्किल जीते थे और वह भी रघुवर दास प्रायोजित निर्दलीय प्रत्याशी देवकुमार धान के मैदान में होने के बावजूद. लेकिन जयंत सिन्हा क्यों कटे ? उन्होंने तो भारी भरकम जीत हासिल की थी. क्या इसलिए कि वह अहसानफरामोश यशवंत सिन्हा के बेटे हैं और वह भाजपा के परंपरागत कार्यकर्ता भी नहीं हैं ? लेकिन यही सुधार पिछली बार ही क्यों नहीं किया गया और यह भी कि उन्हें पहली बार ही किस वजह से टिकट दिया गया था ? फिर सुनील सिंह को क्यों लटकाया गया है ? पीएन सिंह को भी धनबाद से फिर लड़ा दीजिए. यह सीट तो वैसे भी ग्रहण में जगायी हुई है. यदि नरेंद्र मोदी बकौल अमित शाह 2029 तक बुक हैं तो फिर भाजपा कुर्बतों में भी फासला क्यों बना रही है ? जहां तक राजनीति में उम्र की बात है, यह सिर्फ राजनीतिक पैंतरेबाजी है. इस पूरी मंडली में एक ही नेता थे भारत रत्न नानाजी देशमुख, जिन्होंने साठ साल के बाद चुनावी राजनीति से अलविदा होने के संकल्प के साथ संन्यास ले लिया था. अभी राजनाथ सिंह और नरेंद्र मोदी दोनों 73-74 के आसपास हैं. दोनों लड़ रहे हैं. अगली बार भी शायद लड़ेंगे. इसे कहते हैं... पर उपदेश कुशल बहुतेरे या फिर समरथ को नहीं दोस गुसाईं.

-शेष पेज 11 पर

ब्रीफ खबरें

मामी के घर किशोरी ने की खुदकुशी

गुमला। घाघरा के छठ मोहल्ला में बुधवार की देर रात 15 वर्षीय किशोरी पूनम कुजूर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. जानकारी के अनुसार मृत किशोरी पूनम मूल रूप से केदली गांव की रहने वाली है. माता पिता दोनों के पलायन के कारण पूनम छठ मोहल्ला स्थित अपनी मामी रयनी कुजूर के घर रहती थी. बुधवार की रात पूनम घर पर अकेले थी. उसकी मामी एक शादी समारोह में भाग लेने कुडू गई थी. रयनी कुजूर के अनुसार देर रात लगभग 11 बजे पूनम से दूरभाष पर बात हुई है. उसके बाद पूनम का फोन रिसिव नहीं हुआ. पड़ोसी ने रयनी को पूनम के फांसी में झूलने की जानकारी दी.

दुर्घटना में सिमडेगा के पीएचईडी कर्मी की मौत

गुमला। पालकोट प्रखंड के पोजेंगा में गुरुवार को हुई सड़क दुर्घटना में सिमडेगा जिला पाकड़ डांड़ के खांजालोया निवासी हेमंत सिंह (50) की मौत हो गई. जबकि इस दुर्घटना में कोलेबिरा थाना के कंजोगा निवासी बसंत साहू (55) घायल हो गया. घायल बसंत साहु को पालकोट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए गुमला सदर अस्पताल भेज दिया. पुलिस के अनुसार मृतक हेमंत सिंह के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है. जानकारी के अनुसार मृतक हेमंत सिंह पेयजल आपूर्ति विभाग सिमडेगा में कार्यरत थे.

अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर पलटी, एक की मौत

मेदिनीनगर। हुसैनाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत जपला-छतरपुर मुख्य पथ पर चौवा चट्टान गांव के पास एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गई. इस घटना में दुर्घटनाग्रस्त ट्रैक्टर से दबकर गम्हर बिगहा निवासी कमलेश सिंह की मौत हो गई. मृतक कमलेश सिंह ट्रैक्टर पर बैठ कर घर आ रहे थे और ट्रैक्टर के अनियंत्रित होकर पलटने से कमलेश सिंह उसके नीचे दब गए. मौके पर पहुंचे और ट्रैक्टर की ट्रॉली को उठकर कमलेश सिंह को बाहर निकाला. गंभीर स्थिति में उन्हें अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.

दुर्घटना के बाद बाइक में लगी आग, दो की मौत

मेदिनीनगर। एनएच 98 डालटनगंज-औरंगाबाद मुख्य पथ पर बुधवार की रात कार और बाइक में भीषण टक्कर हो गई. टक्कर के बाद बाइक में आग लग गई. आग की लपटे कार को भी चपेट में लेने वाली थी, लेकिन स्थानीय और अन्य वाहनों में सवार लोगों ने तत्परता दिखाते हुए आग बुझा दिया. साथ ही इलाज के लिए घायलों को मेदिनीनगर स्थित एमएमसीएच भेजा. दोनों वाहनों में सवार चार लोग जख्मी हुए हैं. मृतकों में कार सवार महिला गिरिडीह निवासी प्रभा कुमारी शर्मा और बाइक सवार युवक छतरपुर थाना क्षेत्र के मंदेया निवासी कलिंद्र उरांव के रूप में हुई है.

जीवन में सोच-समझकर चुनें लक्ष्य : अविनाश देव

मेदिनीनगर। विद्यार्थियों का तनाव व चिंता तब बढ़ जाती है जब उन्हें दसवीं कक्षा के बाद स्ट्रीम का चयन कर आगे की पढ़ाई करने का समय आता है. हालांकि विषयों को चुनाना उतना चिंताजनक नहीं है. हम जीवन में बनाना क्या चाहते हैं यह सोचकर स्ट्रीम को चुनें. क्योंकि दसवीं के बाद हजारों करियर ऑप्शन, हजारों रास्ते नजर आते हैं, जहां बच्चे अपने कौशल, सामर्थ्य व योग्यता को परखे बिना ही अपना रास्ता चुन लेते हैं, जिसका हर्जाना उन्हें बाद में भुगतना पड़ता है. उक्त बातें संत मरियम विद्यालय के चेयरमैन अविनाश देव ने कही.

डीसी के निर्देश पर परीक्षा केंद्रों में केंद्राधीक्षक व दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गयी है

जेपीएससी की परीक्षा के लिए जिले में बनाए गए 37 केंद्र

आशीष टैगोर। लातेहार

फाइल फोटो.

झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के द्वारा आगामी 17 मार्च को झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा 2023 आयोजित की जायेगी. लातेहार जिला में भी परीक्षा केंद्र बनाये गये हैं. जिले के कुल तीन प्रखंडों के 37 परीक्षा केंद्रों में यह परीक्षा आयोजित की जायेगी. इसकी तैयारियां जिला प्रशासन के द्वारा की जा रही है. डीसी के निर्देश पर परीक्षा केंद्रों में केंद्राधीक्षक व दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गयी है. कदाचार मुक्त परीक्षा संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन की तैयारियां करीब-करीब मुक्कमल हो चली है. राजकीयकृत प्लस टू उच्च विद्यालय परीक्षा केंद्र में 276 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे. जबकि लातेहार प्रखंड के राजकीयकृत्त बालिका उच्च विद्यालय में 228, गांधी कॉलेज में 276, बनवारी साहु महाविद्यालय में 300, मध्य विद्यालय चंदनडीह में 108, सरस्वती विद्या मंदिर में 264, संत जेवियर एकेडमी में 312, मध्य विद्यालय करकट में 60, राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थान में 180, बालक मध्य विद्यालय डुरूआ में 48, बालिका उच्च विद्यालय डुरूआ में 48, मध्य विद्यालय बाजार में 36, उत्क्रमित उच्च विद्यालय उदयपुरा में 60, जवाहर नवोदय विद्यालय बाजकुम में 144, मध्य विद्यालय बाजार मेन रोड में 36, मध्य विद्यालय अंबाकोठी में 36, कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में 84, लातेहार पब्लिक स्कूल में 108, डीएवी पब्लिक स्कूल में 168, केंद्रीय विद्यालय में 240, सरस्वती शिशु मंदिर रेलवे स्टेशन में 144 व उत्क्रमित मध्य विद्यालय अमवाटीकर में 48 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे. चंदवा प्रखंड के राजकीय मध्य विद्यालय में 120, बालिका विद्यालय में 168, उच्च विद्यालय में 252, ख्रीस्त राजा मध्य विद्यालय में 264, ग्रीनफिल्ड एकेडमी में 120, ग्लिटर त्रिवेणी पब्लिक स्कूल लुकइया मोड़ में 180, प्रोजेक्ट उच्च विद्यालय सांसग में 96 व आईटीआई चंदवा में 60 परीक्षार्थी परीक्षा में भाग लेंगे. जबकि मनिका प्रखंड के उच्च विद्यालय में 120, बालक मध्य विद्यालय में 72, डिग्री कॉलेज में 432, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में 60, कन्या मध्य विद्यालय में 60, मॉडल स्कूल में 48 परीक्षार्थी परीक्षा में भाग लेंगे.

खास बातें

- लातेहार, चंदवा व मनिका में बनाए गए हैं परीक्षा केंद्र
- 5424 अभ्यर्थी देंगे परीक्षा, की जा रही हैं तैयारियां

19 करोड़ की लागत से छह सड़कों की रखी आधारशिला

पांकी विधानसभा किसी की बपौती नहीं है: डॉ मेहता

संवाददाता। मेदिनीनगर

पांकी विधायक शशि भूषण मेहता ने पांकी विधानसभा क्षेत्र में छह सड़कों का शिलान्यास किया. इनका निर्माण 19 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा. इस क्रम में सेरंगदाग गांव में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि जिन सड़कों का शिलान्यास किया गया है, वह सड़क ग्रामीण कार्य विकास पीडी तथा अन्य योजनाओं की सड़क है, जिसकी लंबाई करीब 18 किलोमीटर से ज्यादा है. पूर्व विधायक को बाबू-बाबू कहते पांकी विधान सभा की जनता का मुंह थक चुका है. मोदी जी ने जनता से लूटे हुए पैसे को निकालना शुरू कर दिया है. उन्होंने कहा कि पांकी विधानसभा किसी की बपौती नहीं है. उसे हम लोगों ने खत्म कर दिया है. पूर्व विधायक के कार्यकाल में कई सड़क पुल पुलिया अधूरे हैं. हमें जन सेवा करने के लिए पांकी विधानसभा की जनता ने चुना है. जवन से चंद्रपुर सिवान होते हुए सकलदीपा तक तथा इसी प्रखंड के पीडब्लूओ रोड हुरलौंग गोगाड़ तक निर्माण विशेष प्रमंडल और ग्रामीण विकास विभाग से कार्य किया जा रहा है.

चार साल के कार्यकाल में मैंने 150 प्रश्न उठाए : विधायक शशि भूषण मेहता ने पूर्व विधायक को चुनौती देते हुए कहा कि 500 लोगों की भीड़ बिना नाच ड्रामा के जुटा देंगे तो हम उनका आभारी रहेंगे. चार साल के कार्यकाल में मैंने 150 प्रश्न उठाए हैं. उन्होंने कहा कि दरुआ से सेरंगदाग होते हुए बंजारी तक सड़क बन जाने से पथ विकास में मिल का पत्थर साबित होगा. 15 साल से यह क्षेत्र अपेक्षित था. पूर्व के विधायक ठेकेदार हुआ करते हैं. भाजपा सरकार झारखंड और केंद्र में मोदी जी के नेतृत्व में फिर से बनेगी. मौके पर जिला परिषद सदस्य सुधा कुमारी, विधायक प्रतिनिधि राणा प्रताप कुशवाहा, भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय पाठक, मुखिया रिंकी यादव, बनौधी यादव समेत कई लोग थे.

खास बातें

- पूर्व विधायक के कार्यकाल में कई सड़क-पुलिया अधूरे
- हमें जन सेवा करने के लिए पांकी की जनता ने चुना है

सड़क की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं : विधायक

डालटनगंज विस क्षेत्र के विधायक आलोक चौरसिया ने चियांकी में दो सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास नारियल तोड़कर किया. एनएच-75 से सेक्रेट हर्ट स्कूल होते हुए चियांकी फार्म के चारदीवारी होते हुए पीपल के पेड़ तक एवं चियांकी पंचायत सचिवालय होते हुए एनएच चियांकी पार्क तक पथ का शिलान्यास किया. यह पथ निर्माण आरइओ विभाग से संपन्न कराया जायेगा. मौके पर विधायक चौरसिया ने कहा कि यह सड़क काफी जर्जर अवस्था में था. जिससे लोगों को आवागमन में कठिनाईयों का सामना करना पड़ता था. सड़क निर्माण हो जाने से आवागमन में काफी सहुलियत होगी. उन्होंने कहा कि विकास योजना में किसी प्रकार की कोताही या लापरवाही से कोई समझौता नहीं किया जायेगा. जनता के सुख सुविधा का ख्याल डालटनगंज विस क्षेत्र में किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र के हर गांव पंचायत टोलों में व्याप्त समस्याओं को तीव्र गति से दूर करने का प्रयास किया जा रहा है.

विधायक ने मृतक की पत्नी को दिया चार लाख का चेक

धुरकी। विधायक भानु प्रताप शाही ने थाना क्षेत्र अंतर्गत अंबाखोरेया गांव के केतमा गांव निवासी स्व. इंद्रदेव सिंह खरवार की पत्नी कुंवर शिवाला देवी को चार लाख का चेक प्रदान किया. ज्ञात हो कि जंगली हाथियों के झुंड ने कुछ माह पहले इंद्रदेव सिंह को कुचल कर मार डाला था. जिसके बाद विधायक ने परिजनों के घर पहुंचकर वन विभाग से सरकारी प्रावधान के तहत लाभ दिलाने की बात कही थी. मौके पर अम्बाखोरेया पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि हरिलाल सिंह, पंचायत समिति सदस्य कृष्ण कुमार सिंह, अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष लक्ष्मण राम, रेंजर प्रमोद कुमार यादव आदि लोग मौजूद थे.

अभिभावक होते हैं बच्चों के सच्चे हितैषी: परशुराम

मेदिनीनगर। सदर मेदिनीनगर प्रखंड अंतर्गत रजवाडीह मध्य विद्यालय में वर्तमान सत्र का 'तृतीय अभिभावक-शिक्षक बैठक' का आयोजन किया गया. बैठक में बच्चों की नियमित उपस्थिति व शिक्षा, अभिभावकों की भागीदारी, प्रोजेक्ट रेल व मूल्यांकन, आईसीटी की व्यवस्था की अद्यतन स्थिति, स्वैच्छिक दान, स्वच्छता, आठवीं बोर्ड की परीक्षा तथा मध्याह्न भोजन व पोषण सहित अन्य कार्यक्रम पर चर्चा की गयी. प्रधानाध्यापक परशुराम तिवारी ने सभी अभिभावकों को मध्याह्न भोजन, स्टोर रूम व बागवानी आदि का अवलोकन कराया. कहा कि सिर्फ अभिभावक होना काफी नहीं हैं. अभिभावकों को बच्चों की शिक्षा के प्रति जागरूक होना चाहिए. जागरूक अभिभावक ही बच्चों के सच्चे हितैषी होते हैं, क्योंकि वे अपने संतान को रोज स्कूल भेजते हैं.

लघु सिंचाई विभाग हमेशा रहता है बंद, कर्मचारी रहते हैं गायब

संवाददाता। चंदवा (लातेहार)

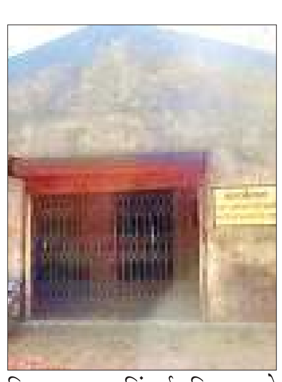

प्रखंड मुख्यालय में लघु सिंचाई विभाग का कार्यालय है. लेकिन कार्यालय का गेट हमेशा बंद रहता है. यहां तक कि कार्यालय के कर्मी भी अक्सर गायब रहते हैं. लोगों का कहना है कि विभाग के कार्यालय का दरवाजा 26 जनवरी और 15 अगस्त जैसे विशेष अवसरों पर ही खुला नजर आता है. इस दिन अधिकारी कार्यालय आते हैं और तिरंगा झंडा फहराते हैं, फिर चले जाते हैं. इसके बाद कार्यालय का गेट फिर अगले वर्ष इसी तारीख को खुलता है.

स्थानीय लोगों का कहना है कि 90 के दशक तक लघु सिंचाई विभाग का कार्यालय गुलजार रहता था. योजनाओं पर काम होता था, किसानों के खेतों तक पानी पहुंचाया जाता था. किसानों के खेतों में पानी पहुंचाने के लिए देवनद नदी पर पंप हाउस बना था. तब खेत-क्यारियां व नाले तक पानी से भरे रहते थे. लेकिन अब यह सब यादें बन कर रह गयी है. वर्तमान समय के युवा किसान लघु सिंचाई विभाग को जानते तक नहीं हैं. किसान सुनील बड़ाईक का कहना है कि यहां से हम किसानों को कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है. खेत में पानी पहुंचता तो खेती को बढ़ावा मिलता. किसान खेती-बारी कर अपने परिवार का पालन पोषण के साथ आय बढ़ाते. लेकिन अब लगता है यह संभव नहीं है. इस संबंध में पक्ष लेने के लिए जब विभागीय अवर प्रमंडल पदाधिकारी व कनीय अभियंता से सपंर्क करने का प्रयास किया गया तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया.

इंस्टाग्राम से हुआ प्यार, प्रेमी से मिलने पलामू पहुंची छात्रा

मेदिनीनगर। रांची की रहने वाली आठवी क्लास की छात्रा की दोस्ती पलामू के लड़के से हो गई. दोनों के बीच ये दोस्ती सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर हुई थी. दोनों के बीच दोस्ती ऐसी हुई की दोनों ने एक दूसरे से मिलने का प्लान बनाया. ऐसे में लड़की ने रांची से पलामू पहुंच गई. जानकारी के अनुसार, रांची के धुर्वा के इलाके के रहने वाली लड़की पिछले चार महीने से पलामू के मेदिनीनगर के रहने वाले लड़के के साथ बातचीत कर रही थी. इसी बातचीत में दोनों के बीच गहरी दोस्ती हो गई. लड़की ने रांची से ट्रेन पकड़ी और पलामू पहुंच गई. इधर, जानकारी मिलने के बाद लड़की के परिजन पलामू पहुंच गए. पुलिस ने पूरे मामले की सूचना महिला एवं बाल कल्याण समिति को भी दे दी. जिसके बाद बाल कल्याण समिति नाबालिक लड़की के परिजनों का काउंसलिंग कर लड़की उन्हें सौंप दिया. इस मामले में टाउन थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार ने बताया कि मामले की जानकारी पुलिस को दी गई थी.

मुआवजे की मांग को लेकर परिजनों ने की सड़क जाम

संवाददाता। बालूमाथ (लातेहार)

नो इंट्री एवं मुआवजे की मांग को लेकर मृतक छात्र के परिजन एवं स्थानीय ग्रामीणों ने मकइयाटांड पुलिस पिकेट के पास करीब चार घंटे तक एनएच-22 को जाम कर दिया. इस दौरान रांची-चतरा मार्ग पर माल वाहक व यात्री बस समेत अन्य छोटे-बड़े वाहनों की लंबी कतार लग गयी. बता दें कि गत बुधवार को संत जूली स्कूल के एक छात्र प्रकाश लोहरा की एक मालवाहक वाहन की चपेट में आ जाने से मौत हो गई थी. गुरुवार को आक्रोशित ग्रामीण व परिजनों ने एनएच- 22 को जाम कर दिया. ग्रामीणों ने इस पथ पर कोयला परिवहन में लगे वाहनों की नो इंट्री कराने एवं दुर्घटना में मारे गये छात्र को कोयला ट्रांसपोर्टिंग कंपनी से 10 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग कर रहे थे.

बाद में मकईयाटांड पुलिस पिकेट प्रभारी रामजी ठाकुर व हल्का कर्मचारी दयालु केरकेट्टा ने मौके पर पहुंच कर जामकर्ताओं से बात की और परिजनों को 20 हजार रुपये नगद व अनाज मुहैया कराया और सरकारी प्रावधानों के अनुसार अन्य मुआवजा देने की बात कही. उन्होंने कोयला ढुलाई करने वाले वाहनों को इस पथ पर नो इंट्री के लिए उच्चाधिकारियों से पत्राचार करने की बात कही. ग्रामीणों ने उन्हें मांग पत्र सौंपा. इसके बाद जामकर्ताओं ने जाम हटाया.

न्यूज अपडेट

अवैध देशी शराब बिक्री पर की गई बड़ी कार्रवाई

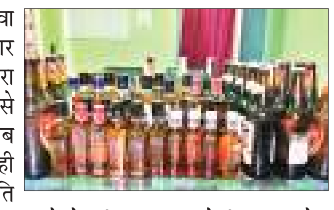

नावा बाजार/पलामू। नावा बाजार थाना प्रभारी चिंटू कुमार ने थाना क्षेत्र अंतर्गत राजहरा कोठी में एक किराना दुकान से 55 बोतल अवैध देशी शराब बरामद किया है. साथ ही अभियुक्त जय कुमार प्रजापति को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में मेदिनीनगर स्थित केंद्रीय कारा भेज दिया है. जानकारी के अनुसार, अभियुक्त जयकुमार प्रजापति ने बिक्री के लिए अपने दुकान में शराब रखा था. जब्त शराब में 180 मिली के 19 बोतल, 375 मिली के 15 बोतल व बियर के 22 बोतल शामिल है.

डॉ अंबेडकर की जयंती मनाने को लेकर कमेटी गठित

बालूमाथ। स्थानीय अंबेडकर नगर के हरिजन टोला में गुरुवार को एक बैठक आयोजित की गयी. बैठक में डॉ भीमराव अंबेडकर की 133 वीं जयंती मनाने का निर्णय लिया गया. इस दौरान विभिन्न कार्यक्रमों के अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित करने का निर्णय लिया गया. कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए एक कमेटी का गठन किया गया. सर्वसम्मति से मनोज यादव को कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया, जबकि तुलसी राम, सुनील राम व धर्मजीत भुईयां को उपाध्यक्ष, बाबूलाल राम को सचिव व सुरेंद्र कुमार उप सचिव, दीपक यादव को कोषाध्यक्ष बनाया गया. जबकि उप प्रमुख कामेश्वर राम, सुरेश राम, प्रीतलाल यादव, बालकेश्वर राम, ईश्वर उरांव, श्यामसुंदर यादव व गोपाल राम को संरक्षक मंडली में रखा गया.

अंडर- 14 में रांची ने गुमला को दस विकेट से हराया

लातेहार। जिला स्टेडियम में झारखंड राज्य क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित अंडर- 14 अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता के एक मैच में गुरुवार को रांची ने गुमला को 10 विकेटों से हरा दिया. गुमला ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 29वें ओवर में मात्र 76 रनों पर ही ढेर हो गयी. टीम की ओर से हर्ष राज ने सर्वाधिक 32 रनों का योगदान दिया. रांची की ओर से मोहित तिर्की ने पांच व धीरज कुमार तिर्की ने चार विकेट झटके. जवाबी पारी खेलने उतरी रांची की टीम बिना किसी नुकसान के 12वें ओवर में ही मैच जीत लिया. प्रांजल अभिदी ने 35 व रूद्र कुमार ने 34 रनों का योगदान दिया.

पलामू पुलिस ने तीन अपराधियों को किया गिरफ्तार

पलामू। हमीदगंज के बीएन कॉलेज के पास मंगलवार को बाइक सवार तीन अपराधियों ने एक फोटोग्राफर से एक ड्रोन कैमरा और मोबाइल फोन लूट लिया था. एसडीपीओ मणिभूषण प्रसाद के नेतृत्व में शहर थाना पुलिस ने 24 घंटे के अंदर इस मामले का उद्भेदन कर लूटकांड में शामिल तीन अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तार अपराधियों में अनिकेत तिवारी, संजीत कुमार ओझा और कवि कुमार शामिल हैं. इनके पास से लूटे हुए मोबाइल और ड्रोन कैमरा के साथ घटना में प्रयुक्त बाइक भी जब्त कर लिया है. एसडीपीओ मणिभूषण प्रसाद ने कहा कि एसपी रिष्मा रमेशन के निर्देशन में कार्य करते हुए पुलिस की टीम ने लूटकांड मामले का उद्भेदन किया है.

पार्टी के सिंबल पर पलामू लोस चुनाव लड़ेगा कांग्रेस

गढ़वा। गढ़वा जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ओबैदुल्लाह हक अंसारी की अध्यक्षता में गुरुवार को पार्टी कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई. गढ़वा जिला कांग्रेस की विस्तारित कार्य समिति की आयोजित इस बैठक में पलामू लोकसभा चुनाव लड़ने एवं तैयारी पर चर्चा की गई. इस बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर पलामू लोकसभा सीट से चुनाव कांग्रेस के सिंबल पर लड़ने का निर्णय लिया गया. साथ ही इससे संबंधित एक प्रस्ताव जिला प्रभारी के माध्यम से प्रदेश नेतृत्व को भेज दिया गया. मौके पर गढ़वा जिला कांग्रेस प्रभारी सत्यनारायण सिंह ने कहा कि पलामू लोकसभा चुनाव हर हाल में कांग्रेस पार्टी लड़ेगी. यह चुनाव पूरी मजबूती के साथ लड़ेंगे और जीतेंगे, इसमें कोई संदेह नहीं है. सभी कार्यकर्ता चुनाव की तैयारी शुरू कर दें.

डंडे से पीटकर पति ने की पत्नी की हत्या, गया जेल

रंका (गढ़वा)। रंका थाना क्षेत्र के बिश्रामपुर पंचायत के कुदरूम गांव में बीती रात पति ने डंडे से पीटकर अपनी पत्नी की हत्या कर दी. आरोपी पति का नाम कामेश्वर कोरवा है. वहीं मृतका का नाम पार्वती देवी (50) है. घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची रंका थाना की पुलिस ने हत्यारोपी पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. घटना के संबंध में रंका थानेदार अनिल कुमार नायक ने बताया कि बीती रात दोनों पति-पत्नी शराब के नशे में थे. किसी बात को लेकर दोनों में झगड़ा हो गया. गुस्से में पति ने डंडे से पार्वती के सिर पर वार कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई. आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है. दोनों आदिम जनजाति परिवार के हैं.

मंदिर के बाहरी गर्भगृह का ढलाई का कार्य प्रारंभ

भवनाथपुर। प्रखंड के पंडरिया गांव स्थित मां करतल शक्ति पीठ मांडर महारानी मंदिर अधौरा में बाहरी गर्भगृह का ढलाई का कार्य गुरुवार को प्रारंभ किया गया. जिसमें चपरी, सराइया, पंडरिया, अधौरा, बेलपहाडी, धनीमंडरा तथा सिंघीताली के धर्म सज्जन एवं माता बहन ने ढलाई में श्रमदान किया. ढलाई कार्य में उपस्थित मांडर महारानी मंदिर के अध्यक्ष रामनाथ साह, उपाध्यक्ष रामप्रसाद सिंह, सचिव भानु गुप्ता, कोषाध्यक्ष नागेन्द्र यादव, संयोजक उमेश्वर साह, महावीर साह, नागेन्द्र बैठा, मनोज यादव, राकेश कुमार गुप्ता सहित कई ग्रामीण ने श्रम दान में सहयोग किया. बताते चले कि वर्षो से इस मंदिर का निर्माण कार्य प्रारंभ है, जिसमे साउथ के कारीगरों द्वारा इस मंदिर का निर्माण किया जा रहा है. मंदिर में लोग दूर दूर से आकर अपनी मनते मांगने पहुंचते है और जो भी भक्त सच्चे मन से अपनी मन्नते मांगते है उनकी पूरी होती है.

परीक्षा

उपायुक्त ने जेपीएससी की परीक्षा के सफल संचालन को लेकर की बैठक

17 मार्च को शहर के सात केंद्रों पर आयोजित होगी परीक्षा

संवाददाता। पलामू

उपायुक्त शशि रंजन की अध्यक्षता में गुरुवार को झारखंड लोक सेवा आयोग के तत्वधान में झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा के आयोजन को लेकर बैठक की गयी. समाहरणालय के सभागार में आयोजित इस बैठक में उपायुक्त,अपर समाहर्ता, जिला शिक्षा पदाधिकारी, सेंटर सुपरिटेंडेंट, स्टैटिक दंडाधिकारी, उड़नदस्ता टीम के सदस्य समेत अन्य उपस्थित थे.

बैठक में उपायुक्त शशि रंजन ने कहा कि यह बेहद महत्वपूर्ण परीक्षा है. इसके बेहतर संचालन एवं कदाचार मुक्त संपन्न कराने के लिए आप सबों को बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए काम करने की आवश्यकता है. उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और कदाचार मुक्त परीक्षा कराना हम सब की बड़ी जिम्मेदारी है. उन्होंने सभी संबंधितों से प्रतियोगिता परीक्षा के सभी नियमों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करवाने की बात कही.

उपायुक्त ने सभी पर्यवेक्षक सह दंडाधिकारी को निर्देश दिया कि वे परीक्षा तिथि को निर्धारित समय से न्यूनतम दो घंटे पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचकर परीक्षा को कदाचार मुक्त और सुगमता पूर्वक संचालित कराने के लिए सभी तरह के कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे. उन्होंने कहा कि सेंटर सुपरिटेंडेंट यह सुनिश्चित करें कि उनकी ओर से कोई चूक ना हो. उपायुक्त ने कहा कि परीक्षा संचालन में लगे कोई भी गलत आचरण करते पाया गया तो उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

दिए निर्देश

- समन्वय स्थापित कर काम करने की आवश्यकता
- कदाचार मुक्त परीक्षा कराना हम सब की जिम्मेदारी

परीक्षा केंद्रों पर होगी वीडियोग्राफी की व्यवस्था

17 मार्च को आयोजित होने वाली झारखंड संयुक्त सेवा प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा को लेकर शहर में सात केंद्र बनाए गये है, जिसमें कुल 3132 अभ्यर्थी शामिल होंगे. परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जाएगी पहली पाली में दस से बारह, वहीं दूसरी पाली में दो से चार बजे तक परीक्षा का आयोजन होगा. परीक्षा को कदाचार मुक्त कराया जा सके इसके लिए सभी केंद्रों पर वीडियोग्राफी की भी व्यवस्था की गयी है. इस बार शौचालय के बाहर एक कर्मी की भी प्रतिनियुक्ति की गयी है.

भाजपा की तानाशाही हुंकार है, अबकी बार 400 पार : शत्रुघ्न शत्रु

मेदिनीनगर। झारखंड क्रांति मंच के संस्थापक सह केंद्रीय अध्यक्ष शत्रुघ्न कुमार शत्रु ने मोदी सरकार द्वारा अबकी बार 400 पार को ईवीएम के सहारे भारतीय संविधान को बदलने की तानाशाही हुंकार बताया है. जारी प्रेस बयान में उन्होंने कहा है कि पूर्व में संघ के इशारे पर वाजपेयी सरकार के समय से ही संविधान समीक्षा आयोग का गठन करने समेत मोदी सरकार के 2014 में सत्तारूढ़ होने और दस वर्षों के अंदर संवैधानिक संस्थानों पर सरकार द्वारा बढ़ते तीखे हमलों के बीच पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा अबकी बार 400 पार के नारे से देश की जनता अवगत हो चुकी है. इसकी पुष्टि कर्नाटक के भाजपा सांसद व पूर्व मंत्री अनंत कुमार हेगड़े के बयानों से भी हो चुकी है.

NILAMBER-PITAMBER UNIVERSITY
MEDININAGAR, PALAMU-822102
Memo No.-NPU/R/192/24 Date - 14.03.2024
ADVERTISEMENT
Nilamber-Pitamber University is inviting online applications for need based Assistant Professors on purely contractual basis in NPU and its constituent colleges. Interested candidates may submit their applications online through the link available on Chancellor's Portal www.jharkhanduniversities.nic.in. from14.03.2024 till 25.03.2024 (05:00 pm).
For further details kindly visit the official website of the University i.e.www.npu.ac.in.
Registrar
Nilamber-Pitamber University
Medininagar, Palamu
Memo No. NPU/R/192/2024 Date 14/03/2024

NILAMBER-PITAMBER UNIVERSITY
MEDININAGAR, PALAMU-822102
Memo No.-NPU/R/193/24 Date - 14.03.2024
ADVERTISEMENT
Nilamber-Pitamber University is inviting online applications for 01(one) year Graduate apprenticeship training at Nilamber-Pitamber University, Medininagar, Palamu and its constituent colleges under Apprentices act,1961(as amended). The candidates who have done graduation from any recognized university/college of Jharkhand state between the years 2019 to 2023 can apply online through the googlelink https://forms.gle/zu3Z8HQ9jfjJeB6 or through the given QR code till 23.03.2024.
For further details kindly visit the official website of the University i.e.www.npu.ac.in
Registrar
Nilamber-Pitamber University
Medininagar, Palamu
Memo No. NPU/R/193/2024 Date 14/03/2024

ब्रीफ खबरें

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक की मौत

बहरागोड़ा। बरसोल थाना क्षेत्र के एनएच-49 पर खंड़ामौदा चौक के समीप अज्ञात वाहन के धक्के से भानू मुंडा (63) नामक व्यक्ति की मौत हो गई. जानकारी के मुताबिक गुरुवार की सुबह भानू रोड के दूसरी ओर शौच के लिए जा रहे थे. इस दौरान किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह बुरी तरह से घायल हो गए. आनन-फानन में स्थानीय लोगों की सहायता से 108 एंबुलेंस द्वारा उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहरागोड़ा लाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के दौरान भानू मुंडा की मृत्यु हो गई. वहीं मौके पर बरसोल पुलिस पहुंचकर लाश को पोस्टमार्टम के लिए घाटशिला भेज दिया गया. फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है.

बुंडू गांव के 30 बच्चों को बांटे गए स्वेटर

किरीबुरु। कोल्हान रिजर्व वन क्षेत्र अंतर्गत अत्यंत नक्सल प्रभावित टोंटी प्रखंड के बुंडू गांव में सेविका सुखमती पुरती एवं सहायक मुंडा राजेश पुरती द्वारा गांव के 30 गरीब बच्चों के बीच स्वेटर का वितरण किया गया. गांव के बच्चे स्वेटर पाकर काफी खुश नजर आये. हालांकि गर्मी के मौसम में स्वेटर की जरूरत वर्तमान में नहीं है, लेकिन ठंड के मौसम में यह स्वेटर इन बच्चों को ठंड से बचने में भारी राहत प्रदान करेगी.

ग्राम प्रधानों ने मानदेय सूची भेजने की मांग की

डुमरिया। डुमरिया प्रखंड के ग्राम प्रधानों ने गुरुवार को अंचल अधिकारी चंचला कुमारी से मुलाकात की. ग्राम प्रधानों को कल्याण विभाग की ओर से बाइक व मानदेय देने के लिए प्रखंड के ग्राम प्रधानों की सूची मांगी गई है. विगत फरवरी माह में इससे संबंधित लेटर अंचल कार्यालय को प्राप्त हो चुका है. अंचल कर्मी मंगल हांसदा ने ग्राम प्रधानों को बताया कि इससे संबंधित सूची तैयार कर लिया गया है. जल्द ही सूची भेज दिया जायेगा. मौके पर लखन मार्डी, गालु मुर्मू, भागमात टुडू, जासाई मुर्मू, करन हांसदा, लक्ष्मण हांसदा, डुइका मुर्मू, राजु सरदार समेत कई लोग थे.

औषधि निरीक्षक ने दवा दुकानों का निरीक्षण किया

किरीबुरु। चाईबासा के औषधि निरीक्षक ने रूटीन जांच अभियान के तहत किरीबुरु-मेघाहातुबुरु स्थित तमाम दवाखाना की जांच की. इस दौरान उन्होनें दुकानों में मौजूद विभिन्न दवाओं के डब्बे आदि खोलकर चेक किया. बता दें कि एक्सपायरी दवा को सुरक्षित जगह हटाकर रखने का प्रावधान है, ताकि गलती से ग्राहक को एक्सपायरी दवा ना दे दिया जाए. इसके अलावे औषधि निरीक्षक ने निंद से संबंधित दवाओं की जांच की. ऐसी दवायें चिकित्सक के परामर्श अनुसार देना होता है. जिसका रिकार्ड भी रखना होता है. दुकान में नशा के रूप में इस्तेमाल किया जाने वाले प्रतिबंधित दवा आदि की भी जांच की गई.

यात्री बस दुर्घटनाग्रस्त बाल-बाल बचे यात्री

किरीबुरु। रांची से किरीबुरु आ रही शक्तिपूंज नामक यात्री बस आज दोपहर लगभग एक बजे हाटगम्हरिया-बलन्डिया रोड में रुईया मोड़ के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई. सूत्रों के अनुसार, इस दुर्घटना में यात्रियों को गंभीर चोटें नहीं लगी है. सूत्रों ने बताया कि बस का ब्रेक फेल हो गया, जिस कारण चालक का बस से संतुलन हटा एवं सड़क किनारे एक पेड़ से बस टकरा गई. बस का आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है, लेकिन बस में सवार सारे यात्री बाल-बाल बच गए.

पीएचईडी विभाग के अधिकारियों ने पेयजल की समस्या के समाधान के लिए किरीबुरु व मेघाहातुबुरु आवासीय क्षेत्र का सर्वे किया

किरीबुरु-मेघाहातुबुरु की बस्तियों में पेयजल समस्या, प्रशासन पूरी तरह विफल

शैलेश सिंह। किरीबुरु

सेल की किरीबुरु व मेघाहातुबुरु आवासीय क्षेत्रों के चारों तरफ बसी झुग्गी-झोपड़ियों में निवास करने वाले लोगों को पेयजल की समस्या व्याप्त है. इसके मद्देनजर गुरुवार को पीएचईडी विभाग के कनिय अभियंता राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में अन्य अधिकारियों और मुखिया पार्वती किड़ो द्वारा सर्वे किया गया. उल्लेखनीय है कि किरीबुरु-मेघाहातुबुरु शहर में अवैध तरीके से बसाई गई झुग्गी-झोपड़ियों में लगभग एक हजार से अधिक गरीब परिवार निवास करते हैं. इन परिवारों के सामने शुरू से हीं शुद्ध पेयजल का अभाव रहा है.

इन क्षेत्रों में पेयजल के लिए पानी का नल प्वाइंट सेल प्रबंधन द्वारा दी गई है. इस नल में प्रतिदिन एक बार पानी की आपूर्ति होती है, लेकिन इससे तमाम लोगों की जरूरतें पूरी नहीं हो पाती. कुछ क्षेत्रों में तो काफी कम मात्रा में ही पानी पहुंच पाता है. गर्मी के मौसम में स्थिति और विकट हो जाती है.

खास बातें

- प्रतिदिन एक बार ही पानी की आपूर्ति होती है
- तमाम लोगों की जरूरतें पूरी नहीं हो पा रहीं है

जल्द समाधान निकलने की उम्मीद: जिला परिषद सदस्य

जिला परिषद सदस्य देवकी कुमारी ने बताया कि तत्कालीन उपायुक्त अनन्य मित्तल के समय एक बार सर्वे कार्य कराया गया था, जिसमें हम भी शामिल थे. तब कारो नदी से पाईप लाईन द्वारा पानी लाने पर विचार हुआ था. उनके स्थानांतरण के बाद अब नये उपायुक्त कुलदीप चौधरी से इस समस्या के समाधान की उम्मीद है. इस समस्या के समाधान के लिए हम सभी जिला प्रशासन व पीएचईडी विभाग से मिलकर निरंतर प्रयासरत हैं. उन्होंने कहा कि सेल की खदानें डीएमएफटी फंड में अरबों रुपये प्रतिवर्ष देती है, लेकिन वहां के लोगों के घरों में पानी नहीं होना अत्यंत दु:खद है.

पेयजल संकट का समाधान यथाशीघ्र करें: मुखिया

किरीबुरु पश्चिम पंचायत की मुखिया पार्वती किड़ो ने कहा कि आज हमने पीएचईडी विभाग के अधिकारियों को किरीबुरु-मेघाहातुबुरु की तमाम बस्तियों का भ्रमण करा कर पानी से जुड़ी समस्याओं से अवगत कराया है. उन्होंने बताया कि किरीबुरू पश्चिमी पंचायत के बिरसा टोली में 180, मुर्गापाड़ा में 201, आरसी सिंह हाटिंग में 60, चर्च हाटिंग में 99, बैंक मोड़ हाटिंग में 70, मालंग टोली में 07, मेन मार्केट में 114, किरीबुरू पूर्वी पंचायत अंतर्गत गाड़ा हाटिंग में 52, पीडब्ल्यूडी हाटिंग में 45, प्रोस्पेक्टिंग हाटिंग में 53, मेघाहातुबुरु उत्तरी पंचायत के रेलवे हाटिंग में 101, मेघाहातुबुरु दक्षिणी पंचायत के टीओपी हाटिंग में 148, बकल हाटिंग में 55 परिवार समेत अन्य क्षेत्रों में भी दर्जनों परिवार रहते हैं. इन सभी क्षेत्र में पेयजल की विकट समस्या है. इस समस्या का समाधान जिला प्रशासन यथाशीघ्र करे.

खरकई नदी के घाटों से धड़ल्ले से बालू का हो रहा अवैध उत्खनन

जिंदा नदी को मरने से बचा लीजिए डीसी सर : रामहरि

संवाददाता। चाईबासा

पश्चिम सिंहभूम जिला में कुल 11 बालू घाट हैं. 2015 के बाद से इन बालू घाटों की बंदोबस्ती नहीं हुई है. इससे सरकार को करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है. पिछले बार हुई बंदोबस्ती से सरकार के खाते में जिला से 4 करोड़ से अधिक राजस्व जमा हुआ था. बालू घाटों की बंदोबस्ती नहीं होने की वजह से जिला मुख्यालय चाईबासा से सटे खरकई नदी के घाटों में दिन-रात धड़ल्ले से बालू का अवैध उत्खनन, परिचालन और बिक्री की जा रही है. बालू माफियाओं के लिए चाईबासा सदर में पड़ने वाले नदी किनारे बसे हुए कई गांव शामिल हैं. तांतनगर अंतर्गत इलीगाड़ा और राजनगर अंतर्गत बोंदोडीह, सरजोमडीह, हेरमा बालू घाट से खुले आम बालू की चोरी हो रही है. सबकुछ जानने के बावजूद अंचल अधिकारी और जिला खनन विभाग व पुलिस विभाग मौन साधे हुए है. इन इलाकों में पढ़ने वाले पुलिस थाना के थानेदार महीना के लाखों अवैध पैसा वसूली करते हैं.

सोशल हैंडल 'एक्स' पर पोस्ट कर लगाई गुहार: लोगों का कहना है कि जब तक बालू घाटों की सरकार सही तरीके से बंदोबस्ती नहीं कराती, तब तक बालू की चोरी रोकी नहीं जा सकती. जब कभी बालू लदे ट्रैक्टर पुलिस या खनन विभाग पकड़ता है, तो कई बार विधायकों के फोन पैरवी के लिए आ जाते हैं. ऐसे में विभाग के पास भी ज्यादा कुछ करने की जगह नहीं बनती. विभागीय कमजोरी का फायदा उठाकर बालू माफिया इस धंधे को बेखौफ कर रहे. एंटी करप्शन ऑफ इंडिया के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष रामहरि गोप ने सोशल हैंडल 'एक्स' पर पोस्ट कर जिला उपायुक्त से खरकाई नदी स्थित तांतनगर के ईलीगाड़ राजनगर के हेरमा, बोंदोडीह, सरजोमडीह और सदर प्रखंड के कंकुसी गांव मे भारी मात्रा में बालू भंडारण को लेकर संज्ञान में ले कर उचित कार्यवाही की मांग की है.

खास बातें

- सीओ, जिला खनन विभाग व पुलिस विभाग हैं मौन
- पैरवी के लिए आते है विधायकों के फोन

बालू के अवैध खनन से दम तोड़ रही हैं नदियां

एक तरफ सरकार करोड़ों रुपये खर्च कर पर्यावरण संरक्षण के लिए कई तरह की योजना शुरू कर रहा है. तो दूसरी ओर प्रशासन की उदासीनता की वजह से जिंदा नदी मरने के कगार पे आ गयी है. जिला की छोटी-बड़ी सभी नदियां बालू के उत्खनन के कारण दम तोड़ रही हैं. बालू के लिए छोटी व बड़ी सभी तरह की नदियों को मौत के मुहाने तक पहुंचाया जा रहा है. नदियों से खनन करने का नियम तो बना है, लेकिन इसका कोई पालन नहीं करते हैं, जिन्हें जब मौका मिला, नदियों का सीना चीर कर बालू का खनन करना शुरु कर देते हैं. इसका नतीजा यह हो रहा है कि नदियां मौत के करीब पहुंच रही है.

नियम विरुद्ध हो रहा है बालू का उत्खनन

खनन विभाग के नियम अनुसार, जिस बालू घाट को नीलामी किया जाता है, वहां बालू के अनुसार तीन फीट छोड़ कर खनन किया जाता है, लेकिन बालू माफिया कहीं-कहीं बालू निकालने के लिए नदियों को आठ से दस फीट से अधिक गहरा कर बालू की निकासी कर लेते हैं. ऐसे में नदी के नीचे जो पानी का बहाव है, वह पूरी तरह खत्म हो जाता है. इस कारण नदी का पानी बरसात के बाद तीन-चार माह में ही सूखने लगता है.

तय सीमा से अधिक होता है उत्खनन

नदी से किए गए बालू उत्खनन पर निगरानी रखने की कोई व्यवस्था नहीं की गई है. खनन की मात्रा का आकलन करने के लिए विभाग के पास कोई मापदंड भी नहीं है. आमतौर पर तय सीमा से अधिक खनन किया जाता है. आमतौर पर नदियों से होने वाले अवैध और अवैज्ञानिक रेत खनन को पर्यावरण और जलीय जीवों पर खतरे के रूप में देखा जाता है. येसे में सवाल उठता है कि जब नदियों का जलस्तर ही खत्म हो जायेगा तो जलीय जीव किस प्रकार जीवित रहेंगे.

सिविल सर्जन के लिपिक पर भ्रष्टाचार का आरोप बावजूद जमे हैं पद पर

आदित्यपुर। लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर आरटीआई कार्यकर्ता बबलू कालुंडिया ने सिविल सर्जन कार्यालय सरायकेला खरसावां में पदस्थापित भ्रष्टाचार के आरोपी संगणक (लिपिक) कुलदीप घोषाल को अन्यत्र जिला में स्थानांतरण करने की मांग की है. कालुंडिया ने सूचना का अधिकार (आरटीआई) के माध्यम से सिविल सर्जन सरायकेला-खरसावां को कुल चार बिंदुओं पर अपना सवाल पूछा है. जिसमें कुलदीप घोषाल पर भ्रष्टाचार का मुकदमा सत्र न्यायालय सरायकेला में विचाराधीन होने का मामला प्रकाश में आया है. बात तब खास बन जाती है, जब आरोपी पर मुकदमा दर्ज होने एवं दर्ज आरोप के कारण कारावास जाने के बाद भी उनका स्थानांतरण किसी दूसरे कार्यालय में नहीं किया जाता है. मामला सिविल सर्जन ऑफिस सरायकेला-खरसावां का है.

मुकदमा सत्र न्यायालय के समक्ष न्यायिक प्रक्रिया के अन्तर्गत विचाराधीन: विदित हो कि वर्ष 2018 में सत्र न्यायालय सरायकेला के समक्ष केस संख्या-000147/2018 के द्वारा कुलदीप घोषाल , संगणक, सिविल सर्जन ऑफिस सरायकेला पर संगीन अपराधिक मामलों पर मुकदमा दर्ज हुआ. जिसके कारण उन्हें जेल जाना पड़ा था. घोषाल वर्तमान में जमानत पर बाहर हैं. घोषाल पर मुकदमा सत्र न्यायालय के समक्ष न्यायिक प्रक्रिया के अन्तर्गत विचाराधीन है, जबकि किसी भी मामले में सरकारी कर्मियों पर किसी भी न्यायालय में मुकदमा दर्ज होने के उपरांत सर्वप्रथम विभागीय अधिकारियों का कर्तव्य होता है कि विभागीय कार्रवाई के तहत उनका स्थानांतरण अन्यत्र कार्यालय में किया जाय ताकि सबुतों से छेड़छाड़ न हो और सरकारी पद का दुरुपयोग आरोपी द्वारा नहीं किया जा सके.

न्यूज अपडेट

स्व. मुकुंद राम तांती की 122वीं जयंती मनाई गई

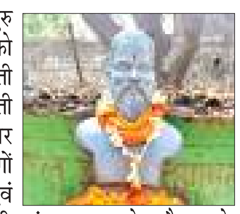

आदित्यपुर। सरायकेला जिले के पान गुरु सह झारखंड आंदोलनकारी एवं टिस्को मजदूर युनियन नेता स्वर्गीय मुकुंद राम तांती की 122वीं जयंती मनाई गई. उनकी जयंती टीएमसी के युवा जिलाध्यक्ष विशेष कुमार उर्फ बाबू तांती की अध्यक्षता में स्थानीय लोगों ने मनाई. मौके पर कई सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ता साथ ही कई बुद्धिजीवी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे. लोगों ने पान गुरु स्वर्गीय मुकुंद राम तांती के प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किए. साथ ही पान गुरु के मानवाधिकार, संगठित, संघर्ष, परंम्पाराओं, संस्कृति, सामाजिक विचारों को अपने जीवन में उतारने की बातें कही. कार्यक्रम में उत्तम पात्रो, रामु सिह, किशन सोनकर, सरोज साह, सुधीर पान, सुरज तांती, चंद्रशेखर दास समेत कई लोग मौजूद थे.

औद्योगिक क्षेत्र के विकास के लिए सीएम को दी बधाई

आदित्यपुर। आदित्यपुर नगर निगम अंतर्गत सभी 35 वार्ड में लगभग 34 करोड़ की लागत से आधारभूत संरचनाओं विटूमिन रोड (स्ट्रीट लाइट सहित), आरसीसी नाली तथा लगभग 330 करोड़ की लागत से आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र में विश्व स्तरीय आधारभूत संरचनाओं के निर्माण के लिए निविदा प्रकाशित होने पर आदित्यपुर नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष पुरेंद्र नारायण सिंह ने हर्ष व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के प्रति पूरे आदित्यपुर-गम्हरिया क्षेत्र के नागरिकों की ओर से आभार प्रकट किया है. पुरेंद्र नारायण सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में आदित्यपुर नगर निगम एवं आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र विकास के क्षेत्र में विश्व स्तरीय कृतिमान स्थापित करेगा.

छात्र की हत्या के खिलाफ एबीवीपी ने किया विरोध-प्रदर्शन

जमशेदपुर। केरल में पशु चिकित्सा विज्ञान के विद्यार्थी जेएस सिद्धार्थ की एसएफआई कार्यकर्ताओं द्वारा कॉलेज परिसर में पीट-पीट कर हत्या की घटना पर गुरुवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद एलबीएसएम कॉलेज इकाई ने विरोध दर्ज कराया. कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित परिषद के प्रदेश खेल सह संयोजक अमन ठाकुर ने कहा कि केरल में शैक्षणिक परिसर के अंदर भी विद्यार्थी सुरक्षित नहीं हैं. एसएफआई के गुंडो ने जिस प्रकार से सिद्धार्थ की हत्या की है वह परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर भी बहुत बड़ा प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है. अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मांग करता है कि ऐसे दोषियों पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई हो. महानगर सह मंत्री अभिजीत ठाकुर ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद परिसर के अंदर सुरक्षा को लेकर शुरू से ही प्रयत्नशील रहा है.

बाइक मॉडिफाइड कर बेचने वाला गिरफ्तार

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर ग्रामीण पुलिस ने चोरी की बाइक को मॉडिफाइड कर बेचने वाले गिरोह का खुलासा किया है. पुलिस ने चोरी की 12 बाइक के साथ गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपी का नाम शेखर मंडल है, वह कोवाली के बड़ा आमदा का रहने वाला है. गिरोह के अन्य सदस्यों द्वारा शहरी क्षेत्रों से बाइक को चोरी किया जाता था जिसे शेखर मॉडिफाइड कर देता था. बाद में इसी बाइक को बेच दिया जाता था. गुरुवार को मामले की जानकारी देते हुए ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग ने बताया कि यह एक अंतरराज्यीय गिरोह है जो चोरी की बाइक का कारोबार करता है.

नंबर प्लेट को बदल देता था गिरोह : ग्रामीण एसपी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि शेखर मंडल चोरी की बाइक बेचता है. सूचना का सत्यापन कर पुलिस ने एक टीम का गठन करते हुए शेखर को गिरफ्तार किया. शेखर की निशानदेही में पुलिस ने चोरी की 12 बाइक बरामद की. सभी बाइकों का नंबर प्लेट बदलकर मॉडिफाइड कर दिया गया था. शेखर ने बताया कि बाइक चोर गिरोह द्वारा उसे चोरी की बाइक मॉडिफाइड करने के लिए दी जाती थी. बाइक को मॉडिफाइड कर बेचने पर जो पैसे मिलते थे वह आपस में बांट लेते थे. वह पिछले एक साल से यह काम कर रहा है. अब तक कई बाइक बेच चुका है.

कवाली बन रहा चोर गिरोह का अड्डा

जमशेदपुर से सटा कवाली का इलाका बाइक चोरों के अड्डा बनता जा रहा है. इसके पूर्व भी कवाली थाना पुलिस ने तीन बार बाइक चोर गिरोह का खुलासा किया है. कई बाइकों को भी बरामद किया गया है. सभी चोर बाइक की चोरी कर कवाली क्षेत्र में छुपा देते है. हालांकि पुलिस द्वारा लगातार वाहन जांच अभियान नहीं चलाया जाता जिसका फायदा बाइक चोर उठाते है.

पुलिस ने पैदल गश्त कर लोगों को सुरक्षा का एहसास कराया

जमशेदपुर। जमशेदपुर पुलिस ने गुरुवार को बिष्टुपुर में पैदल गश्त किया. इस दौरान एसएसपी किशोर कौशल, सिटी एसपी मुकेश कुमार लुनायत और बिष्टुपुर थाना प्रभारी समेत पुलिस बल मौजूद रहे. लोगों की सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस की ओर से यह गश्त की गई. बिष्टुपुर के लोयला स्कूल से शुरु हुई यह पैदल गश्त धतकीडीह तालाब, हावड़ा बेकरी होते हुए कबीर मेमोरियल के पास खत्म हुई. गश्त के दौरान एसएसपी ने लोगों से उनकी समस्याओं को भी जाना. एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि सुरक्षा और लोगों के बीच सामुदायिक पुलिसिंग के उद्देश्य से पैदल गश्त की शुरुआत की गई थी. इसके तहत सभी थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र में सप्ताह में दो से तीन दिन एक से डेढ़ किलोमीटर पैदल गश्त करने का आदेश दिया गया था.

परियोजना

करोड़ों की लागत से जल्द धरातल पर उतरेगी योजना, टेंडर जारी

औद्योगिक क्षेत्र की जर्जर सड़कें अब होंगी दुरुस्त

संजीव मेहता। आदित्यपुर

आदित्यपुर के उद्यमियों की बहुप्रतीक्षित मांग अब पूरी होने जा रही है. करीब 10 वर्षों से क्षतिग्रस्त औद्योगिक क्षेत्र की जर्जर सड़कें अब विश्वस्तरीय बनने जा रही है. पथ निर्माण विभाग द्वारा तैयार एस्टीमेट के अनुसार आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र के लार्ज सेक्टर की लगभग छह किलोमीटर सड़क बनेगी. इसपर लगभग 40 करोड़ 46 लाख 79 हजार रुपये खर्च होंगे. इस योजना का टेंडर पथ निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता कार्यालय रांची के द्वारा टेंडर भी निकाल दिया गया है.

- उद्यमियों की बहुप्रतीक्षित मांग हो रही है पूरी
- एक वर्ष पूर्व भेजा गया था सड़क का प्रस्ताव

12 महीने में पूरी होगी योजना : क्षेत्रीय निदेशक

जियाडा आदित्यपुर के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन ने कहा कि करीब एक वर्ष पूर्व उन्होंने प्रस्ताव तैयार कर भेजा था, जिसकी स्वीकृति जियाडा की बोर्ड बैठक में मिल चुकी थी. अब इस प्रस्ताव को अमलीजामा पहनाया जा रहा है. उन्होंने कहा कि 27 योजना का टेंडर 27 अप्रैल 2024 तक भरा जाना है और इस योजना को निर्धारित 12 महीने में पूरा भी कर लेना है. प्रेम रंजन ने बताया कि यहां के कई उद्यमी संगठनों द्वारा कई बार औद्योगिक क्षेत्र की सड़कों की बदहाल स्थिति को लेकर ज्ञापन सौंपा गया था.

आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र की अलग पहचान है

बता दें कि आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र एशिया में अपना एक अलग स्थान रखता है. यहां करीब 1700 सूक्ष्म, मध्यम और बड़े उद्योगों का समूह स्थापित है. इस औद्योगिक क्षेत्र में करीब ढाई लाख लोगों को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से रोजगार मिला हुआ है. यहां करीब 500 इंडस्ट्री टाटा समूह की अनुषंगी इकाइयों के रूप में स्थापित है, जो ऑटो मोबाइल के साथ स्टील और अन्य महत्वपूर्ण उद्योगों से जुड़ी है. लेकिन, पिछले 10 वर्षों से औद्योगिक क्षेत्र की सड़कें बदहाल हो चुकी थी.

अपनी अपनी गारंटी

चुनावों में गारंटियों का ऐसा शोर है, जिसमें अनेक जरूरी सवाल बहस के दायरे से बाहर हो गए हैं. परिपक्व लोकतंत्र में राजनीतिक दल अपने सजग नागरिकों के समक्ष चयन के लिए आर्थिक नीतियों और उसके इर्दगिर्द सामाजिक बदलाव के सपनों के अलग-अलग विकल्प प्रस्तुत करते हैं, लेकिन भारत की राजनीति उस मुकाम पर पहुंच गयी है, जिसमें विचारधारा की बात तो की जाती है, लेकिन उस पर अमल नहीं किया जाता. दलबदल का ऐसा तानाबना बुना गया है, जिसमें विचारों की महत्ता समाप्त हो गयी है. इसके साथ ही मतदाताओं के समक्ष प्रलोभनों में एक दूसरे को पीछे छोड़ आगे बढ़ जाने की होड़ भी साफ दिख रही है. मोदी की गारंटी बनाम राहुल की गारंटी में कौन किस पर भारी पड़ रहा है, पूरा चुनावी विमर्श इसी पर सिमटता नजर आ रहा है. महत्वपूर्ण तथ्य तो यह है कि तेज गति से विकसित हो रहे भारत में अब भी आर्थिक गारंटियों यानी रेवडियों की जरूरत क्यो हैं? लाभार्थी नामक जो नया वोट आधार तैयार किया जा रहा है, क्या वह विकास की असमानता का लक्षण नहीं है.

“ महिला न्याय गारंटी के तहत महिलाओं को पचास प्रतिशत आरक्षण और कमजोर वर्ग की महिलाओं को एक लाख रूपये सीधे खाते में देने का वायदा किया जा रहा है. इसमें कुछ अन्य गारंटियां भी शामिल हैं.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दावा है कि सरकारी योजनाओं का ज्यादा लाभ वंचित तबको को मिला है. इसका मतलब यह है कि भारत की चुनावी राजनीति में जाति गोलबंदी को ही महत्व प्रधानमंत्री भी दे रहे हैं. भाजपा के पास सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का अकाट्य व्यूह तो पहले से ही उनके पास मौजूद है. होना तो यह चाहिए था कि 2024 के चुनाव को पिछले दस सालों की आर्थिक सामाजिक उपलब्धियों के आधार पर लड़ा जाता. भाजपा ने डा. मनमोहन सिंह सरकार के कार्यकाल पर एक श्वेत पत्र भी प्रकाशित किया, जब कि कांग्रेस ने पिछले दस सालों के कार्यकाल पर एक ब्लैक पत्र निकाला. कितना बेहतर होता कि दोनों पक्ष अपने इन्हीं पत्रों को आधार बना कर जनता को जाति-धर्म से अलग हट कर वोट के लिए अपील करते, लेकिन भारत की राजनीति भावनात्मक मुद्दों पर ही लड़ी जाती है. 2019 के चुनाव में न्याय योजना पेश करने वाले राहुल गांधी ने अब महिला न्याय गारंटी का एलान किया है. महिला न्याय गारंटी के तहत महिलाओं को पचास प्रतिशत आरक्षण और कमजोर वर्ग की महिलाओं को एक लाख रूपये सीधे खाते में देने का वायदा किया जा रहा है. इसमें कुछ अन्य गारंटियां भी शामिल हैं. यानी मोदी की पास भी अपनी गारंटी है और कांग्रेस अपनी गारंटियों को उसके विकल्प के तौर पर पेश कर रही है, लेकिन मूल सवाल तो यह है कि देश में जो आर्थिक नीति चल रही है और जिसका सीधा लाभ कार्पोरेट घरानों को हो रहा है, उसे समानतामूलक नीति में किस तरह बदला जाएगा. इस सवाल पर भाजपा और कांग्रेस खामोश है, बल्कि भाजपा तो सुधारों के नाम पर कार्पोरेट परस्त नीतियों को और गति देने का एलान किया है. प्रधानमंत्री ने ही कहा है कि अगली सरकार बनते ही अनेक कड़े और बड़े फैसले लिए जाएंगे.

सुभाषित

यथा काष्ठं च काष्ठं च समेयातां महोदधौ ।
सहबद्ध च व्यपेयातां तद्वद् भूतसमागमः ॥

जैसे लकड़ी के दो टुकड़े विशाल सागर में मिलते है तथा एक ही लहर से अलग हो जाते हैं, उसी तरह दो व्यक्ति कुछ क्षणों के लिए सहवास में आते हैं. फिर कालचक्र की गति से अलग हो जाते हैं. इसलिए कालचक्र ही बलवान है. उसके आगे सारे विवश हैं.

पीढ़ियों पर हावी होता स्टेटस टैग

स्टेटस टैग आज के दौर में माइंडसेट बन गया है. ऐसे में जब वर्तमान पीढ़ी कल को अभिभावक बनेगी, तो वे अपने बच्चों को क्या सही है? नहीं बता पायेंगे. वे अपने बच्चों को भी इसी माइंडसेट के साथ बड़ा करने को मजबूर होंगे. खतरा इतना भर भी नहीं है. इसका जो साइड इफेक्ट है, वह ज्यादा शोचनीय है. इसके कारण युवा पीढ़ी में तनाव और अवसाद का बढ़ना, प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता की चिंता, बच्चों में बढ़ती अंतर्मुखी हावभाव, संघर्ष के आनंद को अनुभव नहीं करना, तुरंत अपनी हार को मान लेने जैसे प्रवृत्तियां बढ़ती जा रही हैं.

वर्तमान समय में समाज स्टेटस सिंबल व स्टेटस टैग के अंधाधुंध पथ पर सरपट भाग रहा है. यह ऐसा दौर है जिसमें पूरी पीढ़ी इसके प्रभाव और दबाव में है. बच्चों से लेकर बड़ों तक में अपने को स्टेटस सिंबल बनाना और उसको अपनी पहचान के लिए टैग की तरह इस्तेमाल करनाएक फैशन हो गया है. अभिभावक की भावना और इच्छा का भार वर्तमान पीढ़ी पर ज्यादा हो गया है. अभिभावक की सफलता और वांछित लक्ष्य को आगे बढ़ाने का भार जब बच्चों पर आता है, तब उनके सपने टूट जाते हैं. बच्चों के साथ अभिभावक के संबंध खराब होने लगते हैं. यह स्टेटस का ऐसा दबाव है कि नौनिहालों की पूरी पीढ़ी इसके नीचे दबती जा रही है. सामान्यतः बच्चों को अपने अभिभावक से प्यार और श्रद्धा होती है, अतएव वे उनकी उम्मीदों के लिए पूरी कोशिश करते हैं, लेकिन हरेक व्यक्ति की प्रकृति, स्वभाव और चारित्रिक गुण अलग-अलग होते हैं. ऐसे में उम्मीद को पूरा करना आसान नहीं होता है और बच्चे टूट जाते हैं. अभिभावक को समझना होगा कि दुनिया बहुत विशाल है और इसमें संभावनाएं अनंत हैं. शिखर पर पहुंचने के कई मार्ग हैं, लेकिन एक ही पथ पर चलने के हठ से पीढ़ियों के गुम होने का खतरा बढ़ गया है. हम अपनी पीढ़ियों को नये रास्ते बनाने के लिए प्रेरित नहीं करेंगे, बियावान में गुम होने से डरेंगे, तो वे नये शिखर की खोज कैसे करेंगे. आखिर वे राम के संघर्ष, कृष्ण के कर्म, बुद्ध के ज्ञान और शंकर के संकल्प को देवत्व के आवरण में भूल जायेंगे. उनको ये सब कथाएं मान बैठेंगे. आजकल स्टेट्स टैग का जमाना है. इसने हमारी वर्तमान पीढ़ी को विविध तरीके से प्रभावित किया है. कोई क्षेत्र या जगह नहीं, जहां इसके स्पष्ट छाप नहीं दिखते हो. इस स्टेटस टैग के भी कई आयाम हैं. इंटेलेक्चुअल स्टेटस के लिए नामी स्कूल या यूनिवर्सिटी में पढ़ना या पढ़ाना और उसे दुनियाभर को बताना, आम बात हो गयी है. नया ऑनर स्टेटस का जमाना आ गया है, जिसमें हम कॉलोनी, घर, बाइक, कार पर जातिगत या पेशेगत पहचान देते हैं-जैसे हिंदू, राजपूत, वैश्य, प्रेस, एडवोकेट आदि. स्टेटस टैग का ऐसा प्रभाव है, जिससे हमारी वर्तमान पीढ़ी पूरी तरह चंगुल में फंस चुकी है. इसके पीढ़ीगत प्रभाव से समाज, देश और सभ्यता की पहचान का खतरा बढ़ गया है. स्टेटस टैग आज के दौर में माइंडसेट बन गया है. ऐसे में जब वर्तमान पीढ़ी कल को अभिभावक बनेगी, तो वे अपने बच्चों को क्या सही है ? नहीं बता पायेंगे. वे अपने बच्चों को भी इसी

• देश-काल

डॉ. मयंक मुरारी

माइंडसेट के साथ बड़ा करने को मजबूर होंगे. खतरा इतना भर भी नहीं है. इसका जो साइड इफेक्ट है, वह ज्यादा शोचनीय है. इसके कारण युवा पीढ़ी में तनाव और अवसाद का बढ़ना, प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता की चिंता, बच्चों में बढ़ती अंतर्मुखी हावभाव, संघर्ष के आनंद को अनुभव नहीं करना, तुरंत अपनी हार को मान लेने जैसे प्रवृत्तियां बढ़ती जा रही हैं. सबसे ज्यादा हम सही है और दूसरा गलत है. इस मनोभाव का विकास हो रहा है. इसके कारण अब महंगे प्राइवेट स्कूल और कॉलेज में पढ़ना स्वभाव हो गया है. बच्चों के स्वभाव में परिवार से बाहर महानगर में सिंगल रहने का विचार हावी हो रहा है. आज समय के साथ भी टैग लग गया है. बाजारवादी व्यवस्था ने वर्तमान समय में असंख्य उत्पादों से दुनिया को भर दिया है. दूसरी ओर उदारवाद ने लोगों की खरीदने की क्षमता में बढ़ोत्तरी कर दी है. ऐसे खगोलीकरण के असर से समूची दुनिया के लोग और समाज एवं उनकी संस्कृति में भेड़चाल की प्रवृत्ति देखने को मिलती है. अब दुनिया में एकमात्र उपभोक्ता का समाज है, जो उत्पाद का उपयोग करता है. अब ऐसे समाज में उसकी स्टेटस ज्यादा बड़ा हो जाता है, जिसमें खरीदने की क्षमता अधिकतम है. व्यक्ति की हैसियत का निर्धारण हमारी ज्ञानशक्ति नहीं, बल्कि क्रयशक्ति करती है. प्रतिष्ठा के भी पैमाने बदल गये हैं. पैसा और पद के आलोक में प्रतिष्ठा का सोपान तय होता है. जब उपभोक्ता के उत्पाद से प्रतिष्ठा हो, तब आईफोन, एयरपॉड, रिबॉन, लुई फिलिप्स, एडीडास, क्रॉस, पार्कर, राडो आदि का इस्तेमाल हमारे स्टेटस सिंबल का प्रतीक बन जाता है. इस प्रतीक से हमारी प्रतिष्ठा जुड़ जाती है. और इसी प्रतिष्ठा से हमारा लाइक, शेयर और कमेंट्स की काबिलियत नापी जाती है. आज के स्टेटस टैग के दौर में पढ़ाई से ज्यादा अतिरिक्त गतिविधियों में खुद को शामिल होने की होड़ होती हैं. पढ़ाई के साथ एकाध भाषाओं की जानकारी, संगीत या नृत्य या पेंटिंग में हुनर बनाने का प्रयास होता है. हम एक विधा में सफल होने के बदले हरेक में फिसड्डी बनने का प्रयास करते हैं. यह स्टेटस की मृगमरीचिका है, जो अभिभावक को अपने बच्चों को मल्टीस्कीलिंग करने को उत्प्रेरित करता है. इसके पीछे अपने समाज में खुद की पहचान बनाना, दूसरों से अलग दिखना होता है. आजकल वैसे अभिभावक भी अपने को गर्वान्वित महसूस करते हैं, जिनके बच्चों को सौ फीसदी अंक मिलते हैं या अच्छे स्कूल या शहर में पढ़ते हैं. बच्चों की सफलता में अपनी पहचान देखने वाले अभिभावक के कारण भी आजकल की पीढ़ियों में स्टेटस का प्रचलन है. हालांकि स्टेटस टैग के दौर में भी कुछेक परिवार और घर है, जहां अभिभावक सिर्फ अपने बच्चों को खुद के पैर पर खड़ा होने के लिए दबाव बनाते है. ऐसी शुभेच्छा के पीछे बेहतर करने का मनोभाव होता है. स्टेटस का भंवरजाल ऐसा है कि आप इससे दूर है तो दकियानुसी माना जायेगा. आप इसके खिलाफ है तो आप पिछड़े के प्रतीक हो जायेंगे. आप जब गांधी की बात करेंगे तो आप पुरानी बात करेंगे. हर वह बात और विचार इस स्टेटस टैग के खिलाफ होगा, जो भीड़ का हिस्सा नहीं है. आप भीड़ का हिस्सा नहीं है तो बनना होगा, अन्यथा आपको अस्वीकार कर दिया जायेगा. हरेक क्षेत्र में एक स्टेटस का मायाजाल बना है, आप उसके हिस्सा हैं, तभी आपके स्टेटस को टैग की अनुमति है. तभी आपको सोशल मीडिया से लेकर सामाजिक दुनिया तक पहचान मिलेगी, अन्यथा आप अरण्यरोदन करते रहें!

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

बुराई और भलाई

उभरती बुराई ने दबती-सी अच्छाई से कहा, ₹कुछ भी हो, लाख मतभेद हों, है तो तू मेरी सहेली ही. मुझे अपने सामने तेरा दबना अच्छा नहीं लगता. आ, अलग खड़ी न हो, मुझ में मिल जा, मैं तुझे भी अपने साथ बढ़ा लूंगी, समाज में फैला लूंगी.₹ भलाई ने शांति से उत्तर दिया, ₹तुम्हारी हमदर्दी के लिए धन्यवाद, पर रहना मुझे तुमसे अलग ही है.₹ ₹क्यों?₹ आश्चर्यभरी अप्रसन्नता से बुराई ने पूछा. ₹बात यह है कि मैं तुमसे मिल जाऊं तो फिर मैं कहां रहूंगी, तब तो तुम-ही-तुम होगी सब जगह.₹ अच्छाई ने और भी शान्त होकर उत्तर दिया. गुस्से से उफन कर बुराई ने अपनी झाड़ी अच्छाई के चारों ओर जकड़ कर फैला दी और फुंकार कर कहा, ₹ले, भोग मेरे निमन्त्रण को ठुकराने का नतीजा! अब पड़ी रह मिट्टी में मुंह दुबकाये! दुनिया में तेरे फैलने का अब कोई मार्ग नहीं.₹ अच्छाई ने अपने नन्हे अंकुर की आंख से जहां भी झांका, उसे बुराई की जकड़बंध झाड़ी के तेज कांटे, भाले के समान तने हुए दिखाई दिए. सचमुच आगे कदम भर सरकाने की भी जगह न थी. बुराई का अट्टहास चारों ओर गूंज गया. परिस्थितियां निश्चय ही प्रतिकूल थीं. फिर भी पूरे आत्म-विश्वास से अच्छाई ने कहा, ₹तुम्हारा फैलाव आजकल बहुत व्यापक है, बहन! जानती हूं इस फैलाव से अपने अस्तित्व को बचाकर मुझे वृद्धि और प्रसार पाने में पूरा संघर्ष करना पड़ेगा, पर तुम यह न भूलना कि कांटे-कांटे के बीच से गुजर कर जब मैं तुम्हारी झाड़ी के ऊपर पहुंचूंगी तो मेरे कोमल फूलों की महक चारों ओर फैल जायेगी और सभी की दृष्टि मोहक फूलों पर जमेगी, तब तेरा अस्तित्व ओझल ही रहेगा. अन्ततः यह जानना भी कठिन होगा कि तुम हो कहां.₹ व्यंग्य की शेखी से इठलाकर बुराई ने कहा, ₹दिल के बहलाने को यह ख्याल अच्छा है.₹ गहन सन्तुलन में अपने को समेटकर अच्छाई ने कहा, ₹तुम हंसना चाहो, तो जरूर हंसो, मुझे आपत्ति नहीं, पर जीवन के इस सत्य को कृत्रिम हंसी में झुठलाया नहीं जा सकता कि तुम्हारे प्रसार और प्रशंसकों की भी एक सीमा है, क्योंकि उस अति की सीमा तक तुम्हारे पहुंचते-न-पहुंचते तुम्हारे सहायकों और अंगरक्षकों का ही दम घुटने लगता है, जबकि इसके विपरीत मेरे फैलाव की कोई सीमा ही प्रकृति ने नहीं बांधी, बुराई बहन!!₹ बुराई गंभीर हो गई और उसे लगा कि उसके कांटों की शक्ति स्वयंमेव पहले से कम होती जा रही है और अच्छाई का अंकुर तेजी से वृद्धि पा रहा है.

चीन के सैन्य इरादों से सावधानी की जरूरत

• देशांतर

लक्ष्मी शंकर यादव

भारत और अमेरिका से लगातार चल रहे तनाव के बीच चीन ने एक बार फिर से अपने रक्षा बजट में भारी-भरकम बढ़ोतरी की है. चीन ने 7.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ वर्ष 2024 का रक्षा बजट 1.67 ट्रिलियन युआन अर्थात् 232 अरब डॉलर कर दिया है. चीनी रक्षा बजट की यह वृद्धि बीते पांच सालों में सबसे ज्यादा है. दावा है कि अब चीन दुनिया में अमेरिका के बाद रक्षा बजट पर सबसे अधिक खर्च करने वाला दूसरा देश है. चीन की विधायिका की वार्षिक बैठक के उद्घाटन सत्र में 5 मार्च को आधिकारिक रक्षा बजट के आंकड़े की घोषणा की गई. विदेशी विशेषज्ञ मानते हैं कि यह धनराशि सत्तासीन कम्युनिस्ट पार्टी की सैन्य शाखा पीपुल्स लिबरेशन आर्मी द्वारा किए गए खर्च का केवल एक अंश है. चीनी रक्षा बजट भारतीय रुपयों में 19.23 लाख करोड़ रुपयों से ज्यादा है. चीन की तुलना में भारत का 2024-25 के लिए घोषित रक्षा बजट 621541 करोड़ रुपये है. इस तरह चीन का रक्षा बजट भारतीय रक्षा बजट से तीन गुना से भी ज्यादा है. चीन ने वर्ष 2023 में भी अपना रक्षा बजट 7.2 फीसदी तथा वर्ष 2022 में 7.1 फीसद बढ़ाया था. दरअसल, चीन दुनिया की नंबर एक सेना बनने की होड में रक्षा बजट में पिछले नौ वर्षों से लगातार इजाफा कर रहा है. चीन ने अपना रक्षा बजट ऐसे समय बढ़ाया है, जब उसकी अर्थव्यवस्था काफी बुरे दौर से गुजर रही है. पिछले साल चीन की आर्थिक ग्रोथ 5.2 प्रतिशत थी, जबकि इस साल इसके 4.6 प्रतिशत रहने की उम्मीद है. चीन की तेज आर्थिक ग्रोथ में एक लम्बे समय तक वहां की प्रॉपर्टी सेक्टर की विशेष भूमिका रही है, लेकिन फिलहाल प्रॉपर्टी सेक्टर की कुछ कंपनियां दिवालिया हो गई हैं और सरकार इनको उबारने के मूड में नहीं है. पहले आर्थिक ग्रोथ कम होने पर चीनी सरकार एक्सपोर्ट बढ़ाती थी और सरकारी मदद दी जाती थी, पर अब ऐसा नहीं है. फिलहाल चीन सरकार ने इस साल के लिए 5 प्रतिशत ग्रोथ का लक्ष्य रखा है, जो उसके मानक के हिसाब से कम है. दरअसल, शी जिनपिंग ने अपनी सेना को वर्ष 2027 तक विश्वस्तरीय सेना बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है. साथ ही चीनी सेना को वर्ष 2035 तक पूरी तरह से अत्याधुनिक बनाने का लक्ष्य भी है. इसी वजह से चीन अपना रक्षा बजट लगातार बढ़ा रहा है. शी जिनपिंग अपनी चीनी सेना को इतनी आधुनिक बनाना चाहते हैं कि उनकी सेना संसार के किसी छोर पर या किसी भी देश के खिलाफ युद्ध में विजय हासिल कर सके. दरअसल राष्ट्रपति शी जिनपिंग यह नहीं चाहते हैं कि उनके सैनिकों को युद्ध लड़ने को रणक्षेत्र में उतरना

“ दरअसल, चीन दुनिया की नंबर एक सेना बनने की होड में रक्षा बजट में पिछले नौ वर्षों से लगातार इजाफा कर रहा है. चीन ने अपना रक्षा बजट ऐसे समय बढ़ाया है, जब उसकी अर्थव्यवस्था काफी बुरे दौर से गुजर रही है. पिछले साल चीन की आर्थिक ग्रोथ 5.2 प्रतिशत थी, जबकि इस साल इसके 4.6 प्रतिशत रहने की उम्मीद है.

पड़े. इसीलिए चीन अत्याधुनिक हथियार, मजबूत थियेटर कमांड, स्टील्थ तकनीक व लड़ाकू तकनीक के क्षेत्र में अधिक पैसा लगा रहा है. इनके विकास के बाद युद्ध में लड़ाकू जेट विमान, ऑटोनॉमस हथियार व अत्याधुनिक मिसाइलें बड़ी भूमिका निभाएंगी. हाल के वर्षों में चीन ने कई बड़े सैन्य सुधार किए हैं. दूसरे देशों में अपने प्रभाव का विस्तार करने के लिए नौसेना और वायुसेना को प्राथमिकता के आधार पर विस्तार दिया है. अब चीन नई रोबोट आर्मी तैयार कर चुका है और इसकी तैनाती भी भारतीय सीमा के नजदीक करनी शुरू कर दी है. उसने भारतीय सीमा के नजदीक आर्मी विलेज भी बसा दिए हैं. चीन अमेरिका को पीछे छोड़ता हुआ दुनिया की सबसे बड़ी नौसैन्य ताकत बन रहा है. विगत दो तीन वर्षों में चीनी नौसेना में जितने युद्धपोत और पनडुब्बियां शामिल की गई हैं, उतने शायद अमेरिका की नौसेना में न हों. इतने हथियारों की बढ़ोतरी के बाद भी उसकी भूख कम नहीं हुई है. चीन की रक्षा ताकत बढ़ाने वाली यह नीति आने वाले समय में विश्व को नए युद्ध में धकेलने में देर नहीं लगाएगी. इन योजनाओं का मकसद यही है कि चीन का अमेरिका, ताइवान, जापान व भारत के साथ जारी तनाव और हिन्द महासागर व दक्षिण चीन सागर में मिलने वाली चुनौतियों से निपटने में उसका सैन्य पक्ष कमजोर न पड़े. चीन के नीति-नियन्ताओं के मुताबिक सेना को अत्याधुनिक बनाये जाने के फोकस को देखते हुए रक्षा बजट बढ़ाया गया है. चीन का ध्यान स्टील्थ लड़ाकू विमान, विमानवाहक पोत, सेटेलाइटरोधी मिसाइल समेत नई सैन्य क्षमता विकसित करने पर है. चीन अपना दबदबा बढ़ाने के लिए नौसेना की पहुंच को समुद्री क्षेत्रों में फैला रहा है. इस साल के रक्षा बजट का मुख्य जोर नौसेना के विकास पर रहेगा, क्योंकि दक्षिण चीन सागर और पूर्वी चीन सागर पर उसके दावे तथा समुद्री आवागमन के लिहाज से इस क्षेत्र में तनाव बढ़ा हुआ है.

चार सौ का लक्ष्य : हकीकत या फसान?

• सामयिकी

सुदीप ठाकुर

प्रधानमंत्री मोदी ने आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा के लिए 370 सीटें और एनडीए के लिए 400 सीटों का लक्ष्य रखा है. वह लगातार यह दावा कर रहे हैं. देश के करीब आठ दशक के संसदीय इतिहास में किसी आम चुनाव में इस तरह से सीटें हासिल करने का दावा शायद पहले कभी नहीं किया गया. मानो भाजपा की जीत तो सुनिश्चित है ही, बात सिर्फ़ जीत के फासले की है. वास्तव में इस दावे का अपना एक मनोविज्ञान भी है. यह एंटी इंकंबेंसी के खिलाफ़ जनता को अपने पक्ष में करने का एक तरीका है और उससे भी कहीं अधिक यह विपक्षी गठबंधन इंडिया पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने की कोशिश है. क्या सचमुच भाजपा के पक्ष में एक बड़ी 'चुनावी लहर' हिलोरे मार रही है? सवाल का जवाब तलाशने में देश के अब तक हुए लोकसभा चुनावों पर नज़र डालने से कुछ मदद मिल सकती है. अव्वल तो यह कि मई 2014 के लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी की अगुआई में भाजपा को मिली सफलता के बाद से मोदी ही भाजपा का चेहरा है. भाजपा की उस जीत को 'मोदी लहर' कहा गया. मोदी के नेतृत्व में भाजपा की जीत का सिलसिला न केवल जारी रहा, बल्कि उसने 2014 में मिली 282 सीटों के मुक़ाबले 2019 में 303 सीटें हासिल कीं. और अब 2024 में लक्ष्य भाजपा के लिए 370 और एनडीए के लिए 400 का है. वैसे, सीटों के आंकड़ों के मामले में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा अब भी पंडित जवाहरलाल नेहरू और उनकी बेटी इंदिरा गांधी की अगुआई वाली कांग्रेस को लोकसभा चुनावों में मिली सफलता से काफी दूर है. प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की अगुआई में कांग्रेस ने 1951-52 से 1962 तक शुरुआती तीन आम चुनावों में लगातार जीत हासिल की थी. 26 जनवरी, 1950 को देश के गणतंत्र बनने के बाद 1951-52 में पहले आम चुनाव हुए थे. यह बहुदलीय लोकतंत्र की दिशा में देश का पहला क़दम था, जिसमें नेहरू के नेतृत्व में कांग्रेस ने लोकसभा की कुल 489 सीटों में से 479 सीटों पर चुनाव लड़ा था और उसे 364 सीटें मिली थीं. कांग्रेस ने 44.99 फीसदी वोट हासिल किए थे. इसके पांच साल बाद 1957 में हुए आम चुनाव में नेहरू के नेतृत्व में कांग्रेस ने 490 सीटों पर चुनाव लड़ा और उसकी सीटें बढ़कर 371 हो गईं. उसके वोट भी बढ़कर 48.12 फीसदी हो गए. नेहरू के नेतृत्व में 1962 में हुए तीसरे आम चुनाव में कांग्रेस की सीटें घटकर 361 हो गईं और उसका वोट भी गिरकर 44.72 फीसदी पर आ गया.

“ इस चुनाव में अकाली दल और भाजपा के एक साथ आने की सूरत अब तक बन नहीं पाई है. भाजपा के लिए 370 और एनडीए के लिए 400 सीटें हासिल करने का मतलब है कि समूचा विपक्ष और बीजेडी तथा वाईएसआर कांग्रेस जैसे भाजपा के गैरएनडीए मित्र दल 140-142 सीटों में सिमट जाएं? यानी पिछली बार की तुलना में इन दलों को 40-50 कम सीटें मिलें.

कहने की ज़ररूत नहीं कि आजादी के आंदोलन के एक नायक नेहरू का कद तब के किसी भी राजनीतिक दल के नेता से कहीं अधिक बड़ा था. फिर भी, उन्होंने एकतरफ़ा जीत के दावे के बजाय बहुदलीय लोकतंत्र को परिपक्व करने का ही काम किया. जहां तक 400 की बात है, तो अब तक केवल एक बार, 1984 में कांग्रेस ने यह कमाल किया था. इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुए चुनाव में राजीव गांधी की अगुआई में कांग्रेस ने 404 सीटें जीती थीं और उसे 49.1 फीसदी वोट मिले थे. लेकिन यह अपवाद ही है, क्योंकि यह चुनाव इंदिरा गांधी शहादत की छाया में हुए थे, और कांग्रेस को सहानुभूति का लाभ मिला था. मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से पिछले एक दशक में भाजपा ने खुद को चौबीस घंटे काम करने वाली चुनावी मशीनरी में बदल दिया है. इसके बावजूद भाजपा के लिए 370 और एनडीए के 400 सीटों का लक्ष्य आसान नहीं है. प्रधानमंत्री मोदी जब भाजपा के लिए 370 सीटों और एनडीए के लिए 400 सीटों की बात करते हैं, तो इससे यह भी होता है कि वह सहयोगी दलों से करीब 30-35 सीटों की उम्मीदें ही कर रहे हैं. यानी उन्हें एनडीए के सहयोगी दलों से 2014 और 2019 की तुलना में कम ही उम्मीद है! क्या एनडीए के सहयोगी दल इस पर गौर करेंगे? इसी तरह 2019 में भाजपा को 303 सीटें और एनडीए को 353 सीटें मिली थीं. इस चुनाव में अकाली दल और भाजपा के एक साथ आने की सूरत अब तक बन नहीं पाई है. भाजपा के लिए 370 और एनडीए के लिए 400 सीटें हासिल करने का मतलब है कि समूचा विपक्ष और बीजेडी तथा वाईएसआर कांग्रेस जैसे भाजपा के गैरएनडीए मित्र दल 140-142 सीटों में सिमट जाएं? यानी पिछली बार की तुलना में इन दलों को 40-50 कम सीटें मिलें. क्या नवीन पटनायक और वाईएसआर रेड्डी के साथ ही केसीआर इसके लिए तैयार हैं?

मीडिया में अन्यत्र

मुद्रा प्रबंधन क्षेत्र की चुनौतियां

हाल के वर्षों में भारत के आर्थिक प्रबंधन की सबसे उल्लेखनीय विशेषताओं में से एक, बाहरी मोर्चे पर स्थिरता रही है. यह अहम बात है क्योंकि भारत चालू खाते के घाटे से जूझ रहा है और वैश्विक बचत पर निर्भर है. हालांकि, कई बड़े केंद्रीय बैंकों द्वारा नीतिगत दरों में तीव्र और समन्वित तरीके से हुई बढ़त से वैश्विक वित्तीय स्थितियों में हाल ही में आई सख्ती ने बाह्य मोर्चे पर कुछ दबाव बनाया, लेकिन इसका असर संतोषजनक और अल्पकालिक था. पिछले कुछ वर्षों में बाह्य खातों के प्रबंधन ने कई विश्लेषकों को इस बात के लिए मजबूर किया है कि वे साल 2013 के अमेरिकी टैपर टैंटम से तुलना करें, जिसने भारत को लगभग मुद्रा संकट में धकेल दिया था. हालांकि इस बार हालात काफी अलग हैं. इस हफ्ते अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया छह महीने के ऊच्चतम स्तर पर पहुंच गया और यह लगभग उसी स्तर पर है, जहां एक साल पहले था. हालांकि बाह्य मोर्चे पर प्रदर्शित स्थिरता और ताकत के लिए कई सहायक कारण हैं, जैसे कि समग्र वृहद आर्थिक प्रबंधन और वृद्धि का नजरिया, लेकिन हाल के वर्षों में भारतीय रिजर्व बैंक ने जिस तरह से पूंजी प्रवाह का प्रबंधन किया है, उसकी भी अहम भूमिका रही है. वर्ष 2020 की महामारी से हुए व्यवधान से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए दुनियाभर के बड़े केंद्रीय बैंकों ने सिस्टम में जैसे ही नकदी की भरमार की, भारत को इस पूंजी प्रवाह का बड़ा हिस्सा मिल गया, लेकिन इससे रुपये को मजबूती देने की जगह, जिससे भारत के व्यापार योग्य क्षेत्र प्रभावित होते, रिजर्व बैंक ने मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप किया और साल 2020 में 120 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार जुटा लिया. विदेशी मुद्रा का यह भंडार वैश्विक सख्ती के दौर में घरेलू मुद्रा में स्थिरता बनाए रखने में उपयोगी साबित हुआ. इसके बाद जनवरी से अक्टूबर 2022 के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार में 100 अरब डॉलर से ज्यादा की गिरावट आई. अगर बड़ा मुद्रा भंडार नहीं होता, तो उस समय बाह्य मोर्चे का प्रबंधन बहुत मुश्किल होता. बाह्य मोर्चे पर सुविधाजनक स्थिति ने घरेलू स्तर पर भी नीतिगत गुंजाइश प्रदान की और सरकार को यह सहूलियत दी कि वह एक बड़े राजकोषीय घाटे के साथ चल सके.हालांकि, अब जब उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में नीतिगत सख्ती चरम पर पहुंच गई है और रिजर्व बैंक ने भी मोटे तौर पर पहले जैसा मुद्रा भंडार हासिल कर लिया है, तो उसे मुद्रा प्रबंधन के लिए अपने दृष्टिकोण को परिष्कृत करने की आवश्यकता हो सकती है. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

छाप/छापा

एक सूफी कव्वाली बहुत ही लोकप्रिय हुई-छाप तिलक सब छीनी रे तोसे नैना मिलाय के. इस कव्वाली को विभिन्न कव्वालों और गायकों ने अपने-अपने ढंग से प्रस्तुत किया है. इस कव्वाली का पहला शब्द है छाप. यह हिंदी भाषा का बहुप्रचलित संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है. इसका सामान्य अर्थ है चिह्न, ठप्पा, निशान, मुहर का निशान, छापने की क्रिया या भाव, ऐसा सांचा जिससे कोई चीज छापी जाये, ऐसी अंगूठी जिसपर छापने के लिए कोई अंक या चिह्न बना हो, मुद्रा, किसी कथन, घटना, दृश्य आदि का मन पर पड़नेवाला प्रभाव, विभिन्न कारखानों में बनी हुई वस्तुओं पर पहचान के लिए छपा हुआ शब्द या चित्र, मार्का, असर, प्रभाव, कविता के अंत में रहने वाला कवि का उपनाम. इसका सकर्मक क्रिया रूप है छापना. मतलब ठप्पे आदि से निशान लगाना, मोहर से अंकित करना, पुस्तक आदि मुद्रित करना, छापकर प्रकाशित करना, टीका लगाना, स्यासी आदि की सहायता से एक वस्तु को दूसरी वस्तु पर दबाकर उसकी आकृति उतारना. इससे मिलता जुलता शब्द है छप, जो संज्ञा स्त्रीलिंग है. यह किसी तरल पदार्थ में किसी चीज के आ गिरने से होनेवाला शब्द है. जोर से छींटा पड़ने का जो शब्द है वह छप है यानी छपाक. इसी से बना है छपका, जिसका मतलब है पानी का छींटा, बांस आदि की कमाची. पतली छड़ी. छापा शब्द संज्ञा पुल्लिंग है. इसे आयकर और प्रवर्तन विभाग ने काफी लोकप्रिय बना दिया, क्योंकि कहीं न कहीं इनका छापा पड़ता ही रहता है. इसका बहु प्रचलित अर्थ है शत्रु या शिकार पर अचानक किया जानेवाला हमला, मोहर, मुद्रा और उसकी छाप, उक्त उपकरण की छाप, मंगल अवसरों पर हथेली और पांचों उंगलियों का वह चित्र जो हल्दी आदि की सहायता से दीवारों आदि पर लगाया जाता है, पुस्तकें, समाचार पत्र आदि छापने की कला या यंत्र, किसी की तलाशी लेने के लिए, पकड़ने के लिए अचानक या अप्रत्याशित रूप से कहीं पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू कर देना.

सास और बहू के बदलते तेवर

• तीर-तुक्का

रवि प्रकाश

पुराने जमाने में शादी के समय बहुएं चिंता और तनाव से ग्रस्त रहती थीं कि पता नहीं सास कैसी मिलेगी ? सास का व्यवहार कैसा होगा? सास कहीं खडूस तो नहीं होगी! प्रायः सासें हिटलर होती थीं. यद्यपि अनेक सासें बाहर से कठोर नारियल के समान तथा भीतर से निर्मल जल भरी भी होती थीं. ऐसे अनेक खट्टे-मीठे उदाहरणों को सामने रखकर बहू का चिंतित होना स्वाभाविक था कि पता नहीं उनके भाग्य में कौन सी सास लिखी है? अच्छी पल्ले पड़ गई तो ठीक है और बुरी से वास्ता पड़ा तो कैसे निभेगी? कई सासें तो इसी इंतजार में रहती थीं कि उनके साथ उनकी सास ने जो सख्ती अपनाई थी, मौका आने पर वह सास के रूप में अपनी बहू के साथ ब्याज सहित वसूल कर लें अर्थात जिस दिन बहू आई, उसी दिन सास को अपनी सास के तेवर याद आ जाते थे और वह तानाशाही व्यवहार अपनी बहू के साथ अपनाना शुरू कर देती थीं. सास को भय रहता था कि अगर उसने पहले दिन से ही बहू पर हंटर नहीं चलाया तो बहू उसे सास के रूप में कभी भी भय के साथ ग्रहण नहीं करेगी. इसलिए सास कठोर मुखमुद्रा बनाकर बहू के सामने प्रकट होना आवश्यक समझती थी. अब स्थिति बदली है. शादी के समय सास को डर बना रहता है कि पता नहीं बहू कैसी मिले? सामंजस्य बैठे कि न बैठे? बेटे को लेकर किसी दूसरे शहर में न चली जाए? घर में ही अलग रसोई बनाना शुरू न कर दे? सास से बात करे कि न करे? कहीं जवाब न देना शुरू कर दे? सास तो बेचारी भीगी बिल्ली बनी रहती है. जब से रिश्ता होता है और विशेष रूप से जब से घर में बहू आती है, सास उसको चिकनी-चुपड़ी बातें करके लुभाने की कोशिश करती है. जो बहू कहती है, सास उसे स्वीकार करने में एक क्षण की भी देरी नहीं करती. उसे मालूम है कि आजकल जो बहू ने कह दिया, वह पत्थर की लकीर होती है. सास उसमें कोई संशोधन नहीं कर सकती. बेटा भी बहू का साथ देगा, यह बात सास खूब अच्छी तरह समझती है. बहू कुछ भी पहने, सास को सब स्वीकार रहता है. अपनी पुरानी सास को वर्तमान सास याद करती है और अपने दुर्भाग्य पर अक्सर दो आंसू बहाते हुए कहती है कि जब हम बहू बनकर आए थे, तब भी हमें हंटर वाली सास मिली थी और जब हम सास बनकर बहू लाए हैं तब भी हमें हंटर वाली बहू ही मिली है. न हम बहू बनकर हिटलर हो पाए थे और न सास बनकर ही हिटलरशाही चला पा रहे हैं.

झारखंड कौशल विकास मिशन : संस्थानों में नामांकित छात्रों की संख्या कम, सरकार को दिखाया जा रहा ज्यादा

युवाओं को हुनरमंद बनाने की आड़ में सरकार को लगा रहे चूना

शुभम संदेश ग्राउंड रिपोर्ट

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

बेरोजगार युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए सरकार कई संस्थानों के माध्यम से हुनर दिलाने का दवा कर रही है. इसको लेकर काफी राशि भी खर्च कर रही है. दूसरी ओर हुनर दिलाने के नाम पर विद्यार्थियों के आंकड़ों की आड़ में कई संस्थान सरकार को ही चूना लगा रहे हैं. इन संस्थानों में छात्रों के पठन-पाठन की सुविधाओं और भोजन में भी कटौती कर ली जा रही है.

सरकार ने इन संस्थानों में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले युवाओं के लिए आवासीय व्यवस्था भी की है. यहां सरकार के द्वारा नाश्ते के साथ दो वक्त का भोजन, की सुविधा के साथ छात्रवृत्ति भी दी जाती है. लेकिन छात्रों के खाने-पीने की सुविधाओं में कटौती कर संस्थान संचालक अपनी जेब को भरने में लगे हैं. यहां तक कि छात्र के खाते में छात्रवृत्ति की राशि आने के बाद संचालक उनसे पैसे ले लेते हैं. यह खेल तब होता है, जब विद्यार्थी हुनरमंद होने के लिए संस्थान जाते हैं. उस वक्त उनसे आधार कार्ड और बैक का खाता नंबर ले लिया जाता है. बाद में विद्यार्थी नामांकन लें या ना लें उनका नाम रजिस्टर में दर्ज कर दिया जाता है.

झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी के तहत जिले में कई संस्थानों में कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है. इसमें सरकार की ओर से सारी सुविधाएं दी गई हैं . इन संस्थानों में छात्रों की संख्या कम होती है और सरकार को ज्यादा छात्र दिखा कर खाने-पीने एवं अन्य सामग्री की रकम की निकासी कर ली जाती है. ऐसे में सरकार को राजस्व की क्षति भी हो रही है.

भारी गड़बड़ी

- सरकार दे रही नि :शुल्क सुविधाएं, फिर भी छात्र महरूम
- भोजन और छात्रवृत्ति की राशि डकार जा रहे हैं संचालक

'रहने-खाने का उत्तम प्रबंध नहीं'

पड़ताल के क्रम में झारखंड स्किल डेवलपमेंट मिशन द्वारा संचालित नि :शुल्क प्रशिक्षण केंद्र पहुंची . यहां काउंसलिंग काउंटर पर दो लोग बैठे हुए थे . पूछे जाने पर बताया गया कि हमारे यहां 120 लड़कियां हुनर का प्रशिक्षण ले रही हैं, जिसमें 60 अपने निजी आवास पर रहती हैं . वहीं संस्थान के संचालक से पूछे जाने पर 220 विद्यार्थी होने की बात कही गई . ऐसे में 100 विद्यार्थी कौन हैं, जिनके बैंक खाते में छात्रवृत्ति की राशि जा रही है . इस संबंध में छात्राओं ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि केंद्र में रहने-खाने का उत्तम प्रबंध नहीं है . जरूरत के सामान में कटौती कर ली जाती है . एक कमरे में 5-7 विद्यार्थी रहते हैं .

कोर्स पूरा होने पर भी सर्टिफिकेट नहीं

बड़कागांव रोड स्थित आईसेक्ट दीनदयाल उपाध्याय कौशल में भी कुछ ऐसा ही मामला सामने आया . वहां नामांकन की प्रक्रिया चल रही थी . काउंसलिंग डेस्क पर बैठे अभय कुमार ने बताया कि यहां 6 महीने का नर्सिंग कोर्स और तीन महीने का कंप्यूटर कोर्स चलता है . छात्रवृत्ति भी दी जाती है . अभी छात्रों की संख्या कम है, नामांकन की प्रक्रिया चल रही है . उन्होंने यह भी कहा कि हमारे यहां छात्र-छात्राओं, दोनों के लिए हॉस्टल बना हुआ है . रहने और खाने की नि :शुल्क सुविधा है . वहीं, यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों ने आरोप लगाया कि यहां कोर्स पूरा होने के बाद भी सर्टिफिकेट नहीं दिया जाता है .

आईसेक्ट विवि की चार छात्राओं ने महिला संसद में भाग लिया

संवाददाता। हजारीबाग

पाठ्येतर गतिविधियां

- संसद सत्र में चारों छात्राओं ने विधायक के रूप में प्रस्तुति दी
- कुलसचिव डॉ. मुनीष गोविंद ने छात्राओं का उत्साह बढ़ाया

नेचर एंड ब्लू फाउंडेशन की ओर से जमशेदपुर के बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन में आयोजित महिला संसद सत्र में आईसेक्ट विश्वविद्यालय की चार छात्राओं ने भाग लिया. इनमें तनु श्री, हेरा फातमा, रिया कुमारी व अनुष्का कुमारी शामिल रहीं. महिला संसद के प्रथम चरण में महिला आरक्षण बिल पर चर्चा की गई, जबकि द्वितीय सूत्र में शून्यकाल प्रस्तावित किया गया.

आईसेक्ट विवि की चारों छात्राओं ने जमुआ, जामा, कोडरमा और धनवार विधायक के तौर पर अपनी प्रस्तुतियां दीं. विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. मुनीष गोविंद ने प्रतिभागी छात्राओं को बधाई देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया. कहा, ऐसे कार्यक्रमों से छात्राओं को काफी लाभ होगा. उन्होंने यह भी कहा कि राजनीति की समझ और अपने अधिकार की जानकारी देश के हर एक नागरिक को होना चाहिए. इससे लाभुकों को विभिन्न योजनाओं का लाभ पहुंचाने में मदद मिलेगी. साथ ही देश के विकास के लिए भी यह सहायक सिद्ध होगा. संसद सत्र समाप्त होने के बाद सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया.

ब्रीफ खबरें

साइबर अपराधियों पर लगे लगाम : डॉ. मेहता

हजारीबाग। साइबर अपराधियों के लिए हजारीबाग सुरक्षित जोन हो गया है. साइबर अपराध के रोज नये मामले सामने आ रहे हैं. लेकिन, जिले की साइबर सेल मूकदर्शक बनी बैठी है. जिला प्रशासन को इस ओर ध्यान देने की जरूरत है. उक्त बातें कांग्रेस के प्रमंडलीय नेता डॉ. आरसी मेहता ने अपने कार्यालय में कही. उन्होंने कहा कि हजारीबाग पूर्व से ही अपराधों का चर्चित शहर है. यहां सैकड़ों हत्याकांडों का खुलासा नहीं हुआ है. चार अपहण मामले का उद्भेदन भी नहीं हो सका है. भू-माफियाओं से आम नागरिक त्रस्त है. जनता का पैसा साइबर अपराधी लूट रहे हैं. उन्होंने मुख्यमंत्री चांपाई सोरेन से मांग की है कि जिले सहित तमाम झारखंड वासियों को साइबर अपराध से मुक्त कराया जाए.

वाहन की चपेट में आने से एक की मौत, एक घायल

बड़कागांव। हजारीबाग-बड़कागांव रोड स्थित टीपी पांच के पास गुरुवार देर शाम अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई. मृतक की पहचान बड़कागांव के ठाकुर मोहल्ला भुइयां टोली निवासी पुसन भुइयां के पुत्र मुकेश भुइया उर्फ सीटा भुइयां के रूप में हुई है. वहीं, मृतक का भांजा अनिल भुईयां घायल है. घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने बड़कागांव- हजारीबाग रोड जाम कर दिया. जानकारी के मुताबिक, दोनों बाइक पर सवार होकर हजारीबाग से बड़कागांव स्थित अपने घर लौट रहे थे. इसी बीच वाहन ने धक्का मार दिया. घटना की सूचना मिलते ही बड़कागांव थाना प्रभारी मुकेश कुमार सिंह दलबल के साथ पहुंचे. परिजनों ने कंपनी के हाईवा की चपेट में आने से मौत होने की बात कही.

अनियंत्रित बाइक से गिर कर दो सवार घायल

टाटीझरिया। टाटीझरिया-मुरकी मुख्य सड़क मार्ग पर खपिया के समीप बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया. इस घटना में बाइक सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. जानकारी के मुताबिक बगोदर के संतरूपी गैडा निवासी अशोक मरांडी और टाटीझरिया के बिशाय निवासी छोटू मरांडी, जीतन मांझी के घर सोहराय का निमंत्रण देने पहुंचे थे. वहां से घर लौटने के दौरान खपिया के समीप बाइक अनियंत्रित होने के कारण दोनों सड़क पर गिर गए. बताया जा रहा है कि बाइक सवार अशोक मरांडी को गंभीर चोट लगी है. दोनों घायलों को राहगीरों की मदद से इलाज के लिए हजारीबाग सदर अस्पताल भेज दिया गया. चिकित्सकों के मुताबिक, उपचार के बाद दोनों की स्थिति खतरे से बाहर है.

म्यूटेशन की प्रक्रिया काफी धीमी, एक तिहाई से अधिक आवेदन रद्द

6328 आवेदनों में 2672 रद्द

संवाददाता। रामगढ़

व्यवस्था लचर

- 1013 आवेदन पेंडिंग, 215 आपत्ति के कारण विचाराधीन
- म्यूटेशन के अधिकांश आवेदन कार्यालयों धूल फांक रहे हैं

जिले के सभी अंचलों में म्यूटेशन की प्रक्रिया काफी धीमी गति से चल रही है. इतना ही नहीं म्यूटेशन के लिए किए आवेदन भी रद्द हो जा रहे हैं. सत्र 2023-24 में म्यूटेशन के लिए कुल 6328 आवेदनों में मात्र 2428 ही स्वीकृत हुआ, जबकि 2672 आवेदन को रिजेक्ट कर दिया गया. वर्तमान में 1013 आवेदन पेंडिंग हैं. इसके अलावा 215 आवेदन आपत्ति के कारण विचाराधीन हैं.

इससे स्पष्ट है कि एक तिहाई से अधिक आवेदन रद्द कर दिए गए. म्यूटेशन के आवेदनों को रद्द करने का इतना बड़ा आंकड़ा कई सवालों को रेखांकित करता है, क्योंकि म्यूटेशन के पहले जमीन रजिस्ट्री के लिए क्रेता और विक्रेता को कई प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है, ताकि गलत रजिस्ट्री न हो जाए. इसके लिए मेल प्राप्त करना होता है, जो अंचल कार्यालय से ही निर्गत किया जाता है. इसमें संबंधित राजस्व कर्मचारी, अंचल निरीक्षक और अंचलाधिकारी की भूमिका अहम होती है. इसके बाद ही जमीन की रजिस्ट्री होती है और फिर म्यूटेशन की प्रक्रिया शुरु होती है. इसे पुनः वही अंचल कार्यालय पूरा करता है, जहां से मेल निर्गत किया गया था. वहीं, अपनी जमीन का म्यूटेशन कराने में अंचल कार्यालय का चक्कर काटते-काटते लोगों के चप्पल तक घिस जाते हैं. इसके बाद भी अधिकांश मामलों में फाइल धूल फांक रही होती है.

सवालों के घेरे में अंचल कार्यालय की कार्यशैली

जिस अंचल कार्यालय द्वारा मेल निर्गत किए जाने के बाद जमीन की रजिस्ट्री होती है, आखिर उसी अंचल कार्यालय संबंधित जमीन की रजिस्ट्री के बाद म्यूटेशन की आवेदनों को ठंडे बस्ते में या फिर रिजेक्शन की सूची में क्यों डाल दिया जाता है. रिजेक्शन का आंकड़ा यह सबूत प्रस्तुत करने के लिए काफी है कि जिले भर के अंचलों से कुल 2672 मेल गलत निर्गत किए गए.

सबसे अधिक मांडू प्रखंड में आवेदन रिजेक्ट

जिले के सभी छह प्रखंडों में सर्वाधिक मांडू प्रखंड से म्यूटेशन के आवेदन रिजेक्ट किए गए हैं . यहां 1980 प्राप्त आवेदनों में 1009 को रिजेक्ट किया गया है . दूसरे स्थान पर गोला प्रखंड है, जहां 804 आवेदनों में 422 रिजेक्ट कर दिए गए . वहीं, पतरातू अंचल में पिछले दो माह के दौरान म्यूटेशन के 21 आवेदन रिजेक्ट किए गए हैं . कमोबेश बाकी अंचलों का भी यही हाल है .

रामगढ़ जिले में म्यूटेशन के आवेदनों की स्थिति

(वित्तीय वर्ष 2023-24 के आंकड़े)

प्रखंड	आवेदन	स्वीकृत	रद्द	पेंडिंग
रामगढ़ सदर	1649	699	654	286
पतरातू	737	457	195	85
मांडू	1980	588	1009	323
दुलमी	450	118	130	106
चितरपुर	708	325	262	98
गोला	804	241	422	115
कुल	6328	2428	2672	1013

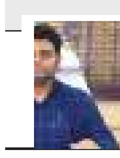

म्यूटेशन के किसी आवेदन को किसी अंचल के सीओ ने रद्द कर दिया है, तो अगला आवेदन डीसी के समक्ष देना होता है . लेकिन, म्यूटेशन के मामलों में लोग ऐसा नहीं कर रहे हैं . पुराने सीओ के जाने के बाद नये सीओ को म्यूटेशन के लिए पुन : आवेदन दे रहे हैं, जो कि कानूनी रूप से गलत है . अगर म्यूटेशन के ज्यादा आवेदन रद्द हो रहे हैं, तो इसकी जांच कराई जाएगी . **-चंदन कुमार,** रामगढ़ डीसी

विभावि में महिला समावेशन पर पेंटिंग, मेहंदी और भाषण प्रतियोगिता

कल सम्मानित किए जाएंगे विजेता

संवाददाता। हजारीबाग

खास बातें

- मेहंदी प्रतियोगिता में 18 प्रतिभागियों ने दिखाया हुनर
- पेंटिंग में छह प्रतिभागियों ने उकेरी विविध कलाकृतियां

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पखवाड़ा के अवसर पर विनोबा भावे विश्वविद्यालय के पूर्ववर्ती छात्र संघ द्वारा 'महिला समावेशन' विषय पर पेंटिंग तथा मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. आज कार्यक्रम विश्वविद्यालय परिसर के रवींद्रनाथ टैगोर कला भवन में हुआ. पेंटिंग प्रतियोगिता में 6 प्रतिभागियों और मेहंदी प्रतियोगिता में कुल 18 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया.

वहीं, विज्ञान भवन अवस्थित आर्यभट्ट सभागार में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इसमें 15 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया. भाषण प्रतियोगिता के निर्णायक की भूमिका में हिंदी विभाग के प्राध्यापक डॉ. सुबोध सिंह शिवगीत, हिंदी विभाग से सेवानिवृत्त प्रो. डॉ मंजुला संगा, अंग्रेजी विभाग के प्राध्यापक डॉ. नीरज डांग थे. कार्यक्रम को सफल बनाने में विश्वविद्यालय के पूर्ववर्ती छात्र संघ के अध्यक्ष डॉ मंसूर आलम, उपाध्यक्ष डॉ. अमिता कुमारी, सचिव डॉ. सन्नी कुमार मेहता, कार्यकारिणी सदस्य जया सिन्हा, धर्मेंद्र कुमार, शालिनी अवधिया, मुकेश राम प्रजापति उपस्थित थे. तीनों प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहने वाले प्रतिभागियों को शनिवार के दिन विवेकानंद सभागार में आयोजित कार्यक्रम में पुरस्कृत किया जाएगा.

विधायक जेपी पटेल ने किया दो योजनाओं का शिलान्यास

संवाददाता। विष्णुगढ़

- भेलवारा स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय में रखी बाउंड्री निर्माण कार्य की आधारशिला

मांडू विधायक जेपी पटेल ने गुरुवार को दो योजनाओं को शिलान्यास किया. इस क्रम में प्रखंड के भेलवारा में उत्क्रमित मध्य विद्यालय का बाउंड्री निर्माण और कुसुम्भा पंचायत के महतोइया में सरहुल मोड़ से आदिवासी टोला उखरवार तक पथ निर्माण कार्य की आधारशिला रखी. दोनों योजनाओं का काम डीएमएफटी मद से पूरा होगा.

इनकी लागत क्रमशः 84 लाख तथा एक करोड़ 32 लाख रुपये है. शिलान्यास कार्यक्रम को लेकर भेलवारा उत्क्रमित मध्य विद्यालय पहुंचने पर स्कूल की छात्राओं ने पुष्प वर्षा कर विधायक का स्वागत किया. शिलान्यास के मौके पर भाजपा पश्चिमी मंडल अध्यक्ष किशोर कुमार मंडल, महादेव मंडल, गुरु प्रसाद साव, हीरामन महतो, जीवन सोनी, चेतलाल महतो, तुलसी महतो, जगरनाथ महतो, संजय कुमार महतो, दामोदर महतो आदि मौजूद थे.

सड़क हादसे में प्रवासी मजदूर की दुबई में मौत

विष्णुगढ़। प्रखंड अंतर्गत कुसुम्भा पंचायत के अलखरी खुर्द निवासी रूपलाल बेसरा के पुत्र राजेश बेसरा (33) की बीते आठ मार्च को दुबई में मौत हो गई. वह एक सड़क दुर्घटना का शिकार हो गया था. राजेश ढाई साल पहले काम करने दुबई गया था. वहां एमको कंपनी में कार्यरत था. राजेश की असमायिक मौत से उसके परिवारवालों के समक्ष भरण-पोषण की समस्या खड़ी हो गई है. मृतक अपने पीछे पत्नी गीता, पुत्री सिल्फा बेसरा (6) और पुत्र पंकज बेसरा (3) को छोड़ गया है. प्रवासी मजदूरों के लिए काम करने वाले समाजसेवी सिकंदर अली ने परिजनों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया है.

क्षेत्र के ज्वलंत मुद्दों को लेकर पूर्व विधायक जानकी यादव ने कहा

व्यापक पैमाने पर फैला भ्रष्टाचार

संवाददाता। बरकट्ठा

प्रेस वार्ता

- भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई महत्वकांक्षी नल-जल योजना
- समस्याओं से निजात नहीं मिलने पर होगा जनआंदोलन

प्रखंड क्षेत्र के बरकट्ठा स्थित पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव ने अपने आवास में प्रेस कांफ्रेंस किया. इस दौरान उन्होंने बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र के ज्वलंत मुद्दों जैसे पानी, बिजली, शिक्षा व क्षेत्र में फैले भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी बातें रखीं. पूर्व विधायक ने कहा कि बिजली विभाग के द्वारा बेलकप्पी पंचायत के सिमराटांड़ गांव में दर्जनों दलित परिवारों के घरों के साथ पूरे मुहल्ले की बिजली काट दी गई है.

विभाग द्वारा कहा जा रहा है कि जब तक बकाया बिजली बिल का भुगतान नहीं, तब तक बिजली नहीं मिलेगी. जबकि, राज्य सरकार द्वारा 125 यूनिट बिजली निःशुल्क मुहैया कराई जा रही है. वहीं, नल-जल योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है. योजना में न गुणवत्ता का ख्याल रखा जा रहा है और ना ही बोरिंग करने का सही मापदंड अपनाया जा रहा है. बेडोकला में पावर हाउस निर्माण कार्य का शिलान्यास होने के बावजूद भी आज तक निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हुआ. उन्होंने डीग्री कॉलेज, सूर्यकुंड और जयनगर के गोहाल स्थित पॉलटिक्निक कॉलेज में पठन-पाठन शीघ्र प्रारंभ करने, प्रखंड कार्यालयों में बड़े पैमाने पर फैले भ्रष्टाचार पर रोक लगाने आदि मांगों को लेकर उपायुक्त से संज्ञान में लेने का आग्रह किया है.

जानकी प्रसाद यादव ने आगे कहा कि अगर इन समस्याओं से निजात दिलाने में किसी भी प्रकार की जवाबदेही तय नहीं की जाती है, तो आने वाले समय में जनआंदोलन किया जाएगा. प्रेस वार्ता में प्रखंड उपप्रमुख सुरजी देवी, मुखिया इंद्रदेव प्रसाद, मुखिया अब्बास अंसारी, मुखिया प्रतिनिधि छोटन कुमार कोल, मुखिया शंकर रविदास, पूर्व मुखिया बसंत साव, उपमुखिया प्रतिनिधि विजय प्रसाद, पंसस यूसुफ अंसारी सहित भारी संख्या में क्षेत्र की जनता मौजूद थी.

शालू कुमारी अध्यक्ष व मुस्कान भारद्वाज मंत्री

हजारीबाग। अभाविप द्वारा केबी महिला कॉलेज में इकाई पुनर्गठन किया गया. जिला छात्रा प्रमुख श्रुति सुभम ने नई इकाई की घोषणा की. इसमें कॉलेज अध्यक्ष शालू कुमारी, उपाध्यक्ष नंदिनी नारायण, उपाध्यक्ष नेहा कुमारी, उपाध्यक्ष सिमरन वर्मा, उपाध्यक्ष रिद्धि गुप्ता, मंत्री मुस्कान भारद्वाज, सह मंत्री नेहा कुमारी, सह मंत्री सिमरन कुमारी, सह मंत्री सुनीता कुमारी, सोशल मीडिया प्रभारी नेहा कुमारी को बनाया गया. वहीं, कार्यकारिणी सदस्यों में खुशी राणा, शीतल कुमारी, स्नेहा कुमारी, प्रियांशु कुमारी, शालिनी प्रिया व पूजा कुमारी को चुना गया. नगर मंत्री रुद्र राज ने कहा अभाविप विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है और हमें गर्व है कि हम इस संगठन के कार्यकर्ता है. उन्होंने नवगठित टीम को शुभकामनाएं दी. कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला संयोजक प्रभात कुमार, सह संयोजक मनदीप यादव, जिला छात्रा प्रमुख शसुभम, नगर मंत्री रुद्र राज नगर सह मंत्री साक्षी सिन्हा, नगर सह मंत्री साहिल सिंह एवं अन्य कई कार्यकर्ता उपस्थित थे.

बरही विधायक ने किया विभिन्न विकास योजनाओं का शिलान्यास

मोदी की गारंटी फेल : अकेला

संवाददाता। चौपारण

विकास कार्य

- अधिकारी व कर्मचारियों के आवास निर्माण की रखी नींव
- किचन शेड और चहारदीवारी निर्माण की रखी आधारशिला

प्रखंड मुख्यालय परिसर में गुरुवार को बरही विधायक सह निवेदन समिति सभापति उमाशंकर अकेला ने प्रखंड सह अंचल के अधिकारी एवं कर्मचारियों के आवास निर्माण कार्य का शिलान्यास किया. इसके साथ ही बरही, पदमा एवं चौपारण की 20 योजनाओं की ऑनलाइन आधारशिला भी रखी. विधायक ने कहा कि इन योजनाओं से क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी.

ऑनलाइन शिलान्यास में गोमदवा टांड़ विद्यालय बरही व मध्य विद्यालय बरही में किचन शेड का निर्माण, हरिजन स्कूल बरही में छात्रावास की मरम्मती व चहारदीवारी का निर्माण, पशु प्रक्षेत्र गौरियाकरमा बरही में विविध कार्य और शेड निर्माण, नरैना पांडेयबारा स्थित आरापगार तालाब का गहरीकरण, उत्क्रमित प्लस टू हाई स्कूल करियतपुर बरही में विविध कार्य, पडिरमा विद्यालय बरही में किचन शेड निर्माण, गौरियाकरमा प्राथमिक विद्यालय में चहारदीवारी निर्माण की नींव रखी गई. शिलान्यास कार्यक्रम के पूर्व सभा का आयोजन किया गया. अध्यक्षता प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष प्रो. मंटू यादव व संचालन बैजू गहलौत ने किया.

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक अकेला केंद्र सरकार पर जमकर बरसे. कहा, मोदी की गारंटी फेल हो रही है. ईडी का पूर्णतः दुरुपयोग किया जा रहा है. पूंजीपतियों की केंद्र सरकार गरीबों को ठगने का काम कर रही है. वहीं झारखंड की गठबंधन सरकार की कई उपलब्धियां गिनाई.

मौके पर उप प्रमुख प्रीति गुप्ता, विधायक प्रतिनिधि रामफल सिंह, ताजपुर मुखिया प्रतिनिधि अभिमन्यु प्रसाद भगत, झापा मुखिया प्रतिनिधि विनोद सिंह, रामपुर पूर्व मुखिया बीना देवी, उपमुखिया केशरी नायक, रेवाली पासवान सहित कई लोग उपस्थित थे.

कार्यक्रम श्री गुरुनानक पब्लिक स्कूल में पत्रकारों के साथ होली मिलन समारोह, पत्रकारों का स्वागत

समाज का आईना दिखाने वालों का जीवन संघर्षों से भरा : हरजाप

संवाददाता। रामगढ़

वक्ता बोले

- पत्रकारों का जीवन आम नागरिकों के लिए प्रेरणा स्रोत
- भाग दौड़ के समय में प्रतिस्पर्धा से जूझ रहे हैं पत्रकार

श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल के तत्वाधान में गुरुवार को पत्रकारों के साथ होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया. समारोह का शुभारंभ स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सरदार हरपाल सिंह अरोड़ा, उपाध्यक्ष सरदार परमिंदर सिंह जस्सल, उपाध्यक्ष सह प्रबंधक सरदार मनमोहन सिंह लांबा, प्राचार्य हरजाप सिंह एवं पत्रकारों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया.

इससे पूर्व पत्रकारों के आगमन पर स्कूल के बच्चों ने बुके देकर और स्वागत गीत प्रस्तुत कर स्वागत किया. इस दौरान पत्रकारों के लिए विभिन्न खेल का भी आयोजन किया गया था. मौके पर स्कूल के प्राचार्य हरजाप सिंह ने कहा कि समाज का आईना दिखाने वाले पत्रकारों का जीवन संघर्षों से भरा है. इसके बावजूद वे लोग कभी हार नहीं मानते हैं. जिन स्थानों पर मोबाइल नेटवर्क काम नहीं करता है, वहां भी मीडिया ही सूचना पहुंचाती है. पत्रकारों का जीवन आम नागरिकों के लिए प्रेरणा का स्रोत है. प्रतिस्पर्धा के इस दौर में जहां हर वर्ग भाग दौड़ कर रहा है, वहीं पत्रकार लगातार प्रतिस्पर्धा से जूझ रहे हैं.

पत्रकार 11 ने शिक्षक 11 को पराजित किया

समारोह के दौरान श्री गुरु नानक स्कूल के शिक्षक एकादश और पत्रकार एकादश के बीच क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया . टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी शिक्षक एकादश की टीम ने निर्धारित 12 ओवर में 80 रन बनाए . वहीं जवाबी पारी खेलने उतरी पत्रकार एकादश की टीम ने 10 ओवर एक बॉल में लक्ष्य हासिल कर लिया . शिक्षक एकादश की ओर से समीर गोस्वामी ने सर्वाधिक 37 रन बनाए, जबकि पत्रकार 11 की ओर से आकाश चंद्रा ने 40 रन बनाए .

शिक्षकों ने पत्रकारों को सम्मान दिया : बीरू

पत्रकार एकादश के कप्तान वीरू कुमार ने कहा कि श्री गुरु नानक स्कूल के शिक्षकों ने पत्रकारों को काफी सम्मान दिया है . स्कूल में जो माहौल बना, उससे पत्रकारों में भी नई ऊर्जा आई . काफी अच्छे माहौल में यह मैच खेला गया . उन्होंने प्रबंधक समिति, शिक्षकों और छात्रों के प्रति पत्रकार समाज की ओर से आभार प्रकट किया . समारोह का संचालन राजेश कुमार, इंद्रपाल सिंह, रामदास ने संयुक्त रूप से किया .

लोस चुनाव को लेकर बैंक प्रबंधकों को दिया प्रशिक्षण

संवाददाता। रामगढ़

चुनाव तैयारी

- एनफोर्समेंट एजेंसी सह डीएलबीसी की बैठक संपन्न
- जब्ती प्रतिवेदन प्रविष्टि व अन्य कार्यों की दी जानकारी

आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर गुरुवार को समाहरणालय सभाकक्ष में एनफोर्समेंट एजेंसी सह डीएलबीसी की बैठक एवं प्रशिक्षण का आयोजन किया गया. इसमें जिले के विभिन्न सरकारी एवं निजी बैंकों के प्रबंधक एवं प्रतिनिधि शामिल हुए. बैठक में उप विकास आयुक्त रोबिन टोप्पो, अनुमंडल पदाधिकारी आशीष गंगवार, उप निर्वाचन पदाधिकारी रवींद्र कुमार गुप्ता भी मौजूद थे.

इस दौरान प्रतिनियुक्त मास्टर ट्रेनरों द्वारा आदर्श आचार संहिता की अवधि में बैंकों द्वारा किए जाने वाले कार्यों के दौरान निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अनुपालन करने को लेकर सभी बैंक प्रबंधकों को आवश्यक जानकारी दी गई. साथ ही सभी बैंक प्रबंधकों व प्रतिनिधियों को निर्वाचन के मद्देनजर बनाए गए इएसएमएस पोर्टल तथा ईएसएमएस सॉफ्टवेयर/ पोर्टल के माध्यम से जब्ती प्रतिवेदन प्रविष्टि सहित अन्य कार्यों को लेकर प्रशिक्षण भी दिया गया. मौके पर अधिकारियों एवं मास्टर ट्रेनरों के द्वारा बैंक प्रबंधकों व प्रतिनिधियों की दुविधाओं को भी दूर किया गया.

रणजी ट्रॉफी : मुंबई की टीम ने खत्म किया आठ साल का इंतजार

42वीं बार मुंबई बना चैंपियन

भाषा । मुंबई

रणजी ट्रॉफी में मुंबई ने अपने आठ साल का इंतजार खत्म किया. मुंबई की टीम ने अपने ही रिकॉर्ड को बेहतर करके 42वीं बार रणजी ट्रॉफी खिताब जीता. फाइनल के पांचवें और आखिरी दिन मेजबान ने विदर्भ को 169 रन से हराया. टूर्नामेंट के इतिहास में 90 में से 48वीं बार मुंबई फाइनल में पहुंची थी. वानखेड़े स्टेडियम पर खेले गए फाइनल का नतीजा लगभग उसी समय तय हो गया था जब विदर्भ को 538 रन का लगभग नामुमकिन सा लक्ष्य मिला था.

विदर्भ के कप्तान अक्षय वाडकर (102) और हर्ष दुबे (65) ने हालांकि पहले सत्र में मुंबई के गेंदबाजों को परेशान किया. विदर्भ ने पांच विकेट पर 248 रन से आगे खेलना शुरू किया था और उसे 290 रन और चाहिये थे.

मैन ऑफ द मैच
मुशीर खान

मैन ऑफ द सीरीज
तनुष कोटियान

169 रन से मुंबई ने जीता फाइनल मुकाबला

102 रन बनाए विदर्भ के कप्तान वाडकर ने

04 विकेट लिए तनुष ने मुंबई के लिए दूसरी पारी में

एमसीए ने पुरस्कार राशि डबल की

मुंबई को मिलेंगे अतिरिक्त पांच करोड़

मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) ने 42वीं बार रणजी ट्रॉफी का खिताब जीतने वाली टीम की पुरस्कार राशि दोगुनी कर दी है, जिसका मतलब है की टीम को पांच करोड़ रुपए की अतिरिक्त धनराशि मिलेगी. एमसीए के सचिव अजिंक्य नाइक ने बयान में कहा कि एमसीए के अध्यक्ष अमोल काले और शीर्ष परिषद ने रणजी ट्रॉफी की पुरस्कार राशि दोगुनी करने का फैसला किया है. एमसीए रणजी ट्रॉफी जीतने वाली मुंबई की टीम को पांच करोड रुपए की अतिरिक्त धनराशि देगी. उन्होंने कहा कि एमसीए के लिए यह साल शानदार रहा है और उसने सात खिताब जीते. इसके अलावा हमारी टीम बीसीसीआई के आयु वर्ग की सभी प्रतियोगिताओं के नॉकआउट चरण में पहुंची.

नवारो ने दर्ज की करियर की सबसे बड़ी जीत

बीएनपी परिबास ओपन

- नवारो ने सबालेंका को 6-3, 3-6, 6-2 से हराया
- 1,000 श्रेणी में पहली बार क्वार्टर फाइनल खेलेंगी नवारो

भाषा । इंडियन वेल्स

एम्मा नवारो ने बीएनपी परिबास ओपन में एरिना सबालेंका को हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की. नवारो ने चौथे दौर के मुकाबले में सबालेंका को 6-3, 3-6, 6-2 से हराया. नवारो अपने करियर में चौथी बार क्वार्टर फाइनल में पहुंची है और 1000 श्रेणी के टूर्नामेंट में पहली बार वह अंतिम आठ में खेलेगी. पुरूष वर्ग में चौथी वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव ने 13वीं वरीयता प्राप्त ग्रिगोर दिमित्रोव को 6- 4, 6-4 से हराया. वहीं नौवीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड ने गाएल मोंफिल्स को 3-6, 7-6, 6-4 से शिकस्त दी. नोवाक जोकोविच को हराने वाले इटली के लुका नारडी को 17वीं वरीयता प्राप्त टॉमी पॉल ने 6-4, 6-3 से हराया.

एलिसे मर्टेंस को हराकर क्वार्टर फाइनल में गॉफ

कोको गॉफ ने अपने 20वें जन्मदिन पर एलिसे मर्टेंस को 6-0, 6-2 से हराकर लगातार दूसरी बार क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया. तीसरे दौर में मर्टेंस ने नाओमी ओसाका को हराया था.

अईपीएल 2024 के लिए टीमों ने शुरू की तैयारी

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर का शिविर शुरू

भाषा । बेंगलुरू

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग से पहले अपने शिविर की शुरूआत गुरुवार को की. स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अगले कुछ दिन में टीम से जुड़ेंगे. आरसीबी को आईपीएल में गत चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 22 मार्च को पहला मैच खेलना है. अधिकांश घरेलू खिलाड़ी नये मुख्य कोच एंडी फ्लावर और क्रिकेट निदेशक मो बबाट के मार्गदर्शन में शिविर में पहुंच गए हैं. कप्तान फाफ डु प्लेसी और वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज अलजारी जोसेफ भी शिविर में पहुंच गए हैं. कोहली पितृत्व अवकाश के कारण इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला भी नहीं खेले थे. बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा कि कोहली अगले कुछ दिन में पहुंचेंगे. कोहली टीम के सालाना कार्यक्रम 'आरसीबी अनबॉक्स' में भी पहुंच सकते हैं, जिसमें प्रशंसकों को अपने पसंदीदा सितारों की झलक देखने का मौका मिलता है. डु प्लेसी ने आरसीबी 'बोल्ड डायरीज' में कहा कि फ्लावर शानदार कोच है और टीम खुशकिस्मत है कि वे हमारे साथ है. वहीं फ्लावर ने कहा कि हम आरसीबी की कहानी का नया अध्याय लिखेंगे और यह हमारी खुशकिस्मती है. हम इसे लेकर काफी रोमांचित हैं.

- अगले कुछ दिन में टीम से जुड़ेंगे विराट कोहली
- 22 मार्च को चेन्नई के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगा आरसीबी

सीएसके में बाहरी दखल या मालिकों का दबाव नहीं : ब्रावो

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के गेंदबाजी कोच ड्वेन ब्रावो ने टीम को लगातार मिल रही सफलता का राज बताया. उन्होंने कहा कि सफलता के पीछे सिर्फ महेंद्र सिंह धौनी की कप्तानी ही नहीं बल्की टीम में बाहरी दखल का न होना भी एक महत्वपूर्ण कारण है. इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास में चेन्नई सुपर किंग्स सबसे कामयाब टीम है और इसने पांच बार खिताब जीतने के अलावा सबसे ज्यादा बार प्लेआफ में जगह बनाई है. ब्रावो ने कहा कि टीम में मालिकों की ओर सेभी दबाव नहीं है. वे खिलाड़ियों को खुलकर खेलने देते हैं. यही इस टीम की खूबसूरती है. आईपीएल से पहले टीम संयोजन के बारे में उन्होंने कहा कि हमारे पास अच्छी टीम है. हम वहीं से शुरूआत करेंगे जहां पिछले सत्र में छोड़ा था. हमने युवा गेंदबाजी आक्रमण के साथ पिछली बार बेहतरीन प्रदर्शन किया. उन्होंने कहा कि इस बार हमारे पास शार्दुल ठाकुर है जो बोनस होगा. मुस्ताफिजूर रहमान भी काफी अनुभवी है जबकि मथीषा मथिराना भी उपयोगी गेंदबाज है.

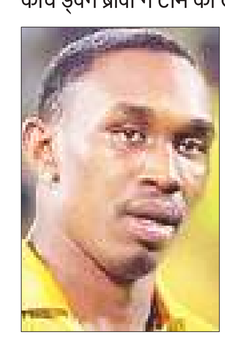

ब्रीफ खबरें

सिंगापुर स्मैश के क्वाफा में शरत

सिंगापुर । भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल ने गुरुवार को सिंगापुर स्मैश में उमर अस्सर को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया. शरत ने इस 15 लाख अमेरिकी डॉलर की इनामी प्रतियोगिता में अस्सर पर 11-4, 11-8, 12-10 से आसान जीत दर्ज की. क्वालीफायर के जरिए मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने वाले विश्व में 88वें नंबर के खिलाड़ी शरत क्वार्टर फाइनल में फ्रांस के 10 बार के राष्ट्रीय चैंपियन फेलिक्स लेब्रन से भिड़ेंगे. इस टूर्नामेंट में पिछले दो अवसरों पर पहले दौर में बाहर होने वाले शरत ने पिछले मैच में जोर्गिक को 8-11, 11-6, 11-8, 11-9 से पराजित किया था. इस शानदार प्रदर्शन से शरत की पेरिस ओलंपिक के लिए एकल वर्ग में जगह बनाने की संभावना बढ़ गई है.

भारत ने श्रीलंका को आठ विकेट से हराया

नयी दिल्ली । मगुंटा साई और देबराज बेहरा के अर्धशतकों की मदद से भारतीय दृष्टिबाधित पुरुष टीम ने गुरुवार को यहां चौथे टी-20 क्रिकेट मैच में श्रीलंका को आठ विकेट से हराया. श्रीलंका की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 142 रन ही बना पाई. भारत ने 40 गेंद शेष रहते हुए लक्ष्य हासिल किया. मगुंटा ने 42 गेंद पर 50 रन जबकि देबराज ने 29 गेंद पर 54 रन बनाए. भारत ने इस जीत से पांच मैच की श्रृंखला में 4-0 से बढ़त हासिल कर ली है.

भारतीय मुक्केबाजी के एचपीडी डुने ने दिया इस्तीफा

भाषा । नयी दिल्ली

ओलंपिक क्वालीफायर में भारतीय मुक्केबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पेरिस खेलों से चार महीने पहले हाई परफामेंस निदेशक (एचपीडी) बर्नार्ड डुने ने इस्तीफा दे दिया है, जबकि विदेशी कोच दिमित्री दिमित्रुक को जल्द ही पद से हटाये जाने की संभावना है. आयरलैंड के पूर्व मुक्केबाज डुने को अक्टूबर 2022 में एचपीडी के रूप में नियुक्त किया गया था. उन्होंने इटली से अपना इस्तीफा भेज दिया, जहां वह पहले विश्व ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालीफायर के लिए भारतीय टीम के साथ थे. दो क्वालिफिकेशन स्पर्धाओं (एशियाई खेलों और पहले विश्व ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालीफायर) के बाद एक भी भारतीय पुरुष मुक्केबाज ओलंपिक के लिए जगह पक्की नहीं कर पाया है.

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने स्थिति का आकलन करने के लिए शुक्रवार को कार्यकारी समिति की बैठक बुलाई है. बीएफआई के महासचिव हेमंत कलिता ने बताया कि बर्नार्ड अब टीम के साथ नहीं है.

एन से यंग से हारीं पीवी सिंधू

ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप

भाषा । बर्मिंघम

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू को ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में गुरुवार को हार का सामना करना पड़ा. महिला एकल के दूसरे दौर में कोरिया की एन से यंग ने सिंधू को सीधे गेम में हराया. दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू मैच के दौरान एक समय अच्छी लय में दिख रही थीं, लेकिन वह अपनी गलतियों पर अंकुश लगाने में असफल रहीं और 42 मिनट तक चले मुकाबले को 21-19, 21-11 से हार गईं.

- एन से यंग से लगातार सातवीं बार हारीं सिंधू
- एन से यंग ने सिंधू को 21-19, 21-11 से हराया

पिछले साल महिला एकल विश्व चैंपियनशिप जीतने वाली कोरिया की पहली खिलाड़ी बनी यंग के खिलाफ सिंधू की यह लगातार सातवीं हार है. सिंधू ने हाल ही में चोट से वापसी की है जबकि कोरिया की खिलाड़ी ने इस सत्र में मलेशिया और फ्रांस ओपन के खिताब अपने नाम किये हैं. सिंधू ने 22 साल की खिलाड़ी के खिलाफ आक्रामक रूख अपनाने की कोशिश की लेकिन यंग ने अपनी रैलियों की गति और स्मैश का शानदार इस्तेमाल कर मैच अपने नाम किया. सिंधू ने पहले गेम में प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी को कड़ी टक्कर दी लेकिन दूसरे गेम में वह लगातार गलती करती रही. सिंधू शुरुआती गेम में 4-1 से आगे थी. यंग ने इस समय ज्यादा प्रयास किये बिना सिंधू के गलती करने का इंतजार किया.

वापसी दुर्घटना के बाद फिट होने में मदद करने वाले डॉ. पर्डीवाला ने पंत की तारीफ की, कहा

ऋषभ पंत की मानसिक दृढ़ता व इच्छाशक्ति जबरदस्त

भाषा । बेंगलुरू

ऋषभ पंत को 2022 में हुई भयावह कार दुर्घटना के बाद पूरी तरह फिट होने में मदद करने वाले मेडिकल स्टाफ ने उनकी तारीफ की. मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल के खेल मेडिसिन सेंटर के निदेशक डॉक्टर दिनशॉ पर्डीवाला ने कहा कि पंत की इच्छाशक्ति और मानसिक दृढता जबर्दस्त है. थकाऊ रिकवरी प्रक्रिया के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी. पर्डीवाला ने कहा कि एक सर्जन होने के नाते हमारा काम मरीज, उसके परिवार और सभी संबंधित पक्षों को चोट के बारे में वास्तविक जानकारी देना है. ऋषभ की मां उसके साथ थी और बहुत चिंतित थी कि वह दोबारा चल सकेगा कि नहीं. उन्होंने कहा कि मैंने उनसे कहा कि चोट बहुत गंभीर है, लेकिन हम कोशिश करेंगे कि वह फिर खेल सके पर यह बहुत लंबी प्रक्रिया होगी. पर्डीवाला ने कहा कि वह रिकवरी प्रक्रिया के दौरान पंत का आत्मविश्वास देखकर हैरान रह गए. उन्होंने कहा कि मैंने उससे कहा कि 18 महीने लगेंगे तो उसने कहा कि वह 12 महीने में कर दिखायेगा और ऐसा ही हुआ भी.

क्या कहा

- थकाऊ रिकवरी प्रक्रिया के बावजूद पंत ने नहीं मानी हार
- रिकवरी के दौरान पंत का आत्मविश्वास देखकर हैरान था

बैसाखियों के बिना चलना निर्णायक मोड़ था : पंत

पंत ने कहा कि मैंने जब बैसाखियों के बिना चलना शुरू किया तो वह निर्णायक मोड़ था. उसके बाद जॉगिंग शुरू की और फिर बल्लेबाजी. इसके बाद विकेटकीपिंग का मजा लिया.

पूरे घटनाक्रम से बेहतर इंसान बनकर निकला पंत : एनसीए कोच

एनसीए पर स्ट्रेंथ और कंडिशनिंग कोच निशांता बारडोलाइ ने कहा कि पूरे घटनाक्रम में पंत एक बेहतर इंसान बनकर निकला है. उन्होंने कहा कि वह एक बेहतर इंसान बना है. अब वह जिंदगी की कद्र ज्यादा करता है. पहले से अधिक दृढ हुआ है. वह पहले भी अच्छा इंसान था लेकिन अब और बेहतर हो गया है.

अंतर जिला सीनियर महिला क्रिकेट प्रतियोगिता

प्रियंका की शानदार बल्लेबाजी से पश्चिमी सिंहभूम जीता

सुकेश कुमार । चाईबासा

पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित जेएससीए अंतर जिला महिला सीनियर क्रिकेट प्रतियोगिता में गुरुवार को पश्चिमी सिंहभूम ने लोहरदगा को हराया. ग्रुप-ए के मुकाबले में प्रियंका सवैया की शानदार बल्लेबाजी के बदौलत पश्चिमी सिंहभूम ने लोहरदगा को 203 रन से हराया. चाईबासा के बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए पश्चिमी सिंहभूम की टीम ने निर्धारित 50 ओवर में आठ विकेट खोकर 321 रन रन बनाए. प्रियंका सवैया ने टीम के लिए सर्वाधिक 90 रन बनाए. पिंकी तिर्की ने 60 व इसरानी सोरेन 45 रन का योगदान दिया. लोहरदगा की आफरीन खान ने 80 रन देकर तीन विकेट विकेट चटकाए. किरण कुमारी व इशिका भगत ने दो-दो विकेट लिए.

लक्ष्य का पीछा करने उतरी लोहरदगा की टीम 118 रन ही बना सकी टीम के लिए आफरीन ने सर्वाधिक 43 रन की पारी खेली. पश्चिमी सिंहभूम की अंजलि दास ने 12 रन देकर तीन विकेट चटकाए. इसरानी सोरेन व सुष्मिता पुरकैत ने एक-एक विकेट लिए. पश्चिमी सिंहभूम की प्रियंका सवैयां को शानदार बल्लेबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच के पुरस्कार मिला.

खास बातें

- पश्चिमी सिंहभूम ने लोहरदगा को 203 रन से हराया
- प्लेयर ऑफ द मैच चुनी गई प्रियंका सवैया

झारखंड के खेल मंत्री हफीजुल हसन ने किया पांच खेलों के लिए छह सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का शुभारंभ

खेल प्रशिक्षकों और जिला खेल को-ऑर्डिनेटर्स के बीच नियुक्ति पत्र का हुआ वितरण

खेल संवाददाता।रांची

रांची के प्रोजेक्ट भवन में गुरुवार को खेल विभाग के तत्वावधान में आयोजित एक कार्यक्रम में पांच खेलों के लिए छह सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का शुभारंभ खेल मंत्री हफीजुल हसन ने किया. कार्यक्रम में खिलाड़ी कल्याण कोष से खिलाड़ियों को सहायता राशि दी गयी. नवनियुक्त क्रीड़ा प्रशिक्षक व जिला खेल को-ऑर्डिनेटर्स के बीच नियुक्ति पत्र का भी वितरण किया गया. मौके पर हफीजुल हसन ने कहा कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के जरिए खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने में काफी सुविधा होगी. उन्होंने कहा कि राज्य में विश्व स्तरीय खिलाड़ियों को तैयार करना है. इस दिशा में विभाग के द्वारा अनेक प्रयास किए गए हैं. सरकार ने सारी सुविधा इन केंद्रों में उपलब्ध कराई है.

खास बातें

- खिलाड़ी कल्याण कोष से दी गयी सहायता राशि
- सेंटर के लिए प्रशिक्षकों और खिलाड़ियों का नहीं हुआ है चयन

खेल प्रशिक्षकों की नियुक्ति होने से नए खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने में सुविधा होगी. मौके पर हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह, ओलंपियन मनोहर टोप्पो, विभाग के पदाधिकारी समेत खिलाड़ी मौजूद थे.

तीन आयामों पर किया जा रहा है काम : खेल सचिव

खेल सचिव मनोज कुमार ने कहा कि खेल को बढ़ावा देने के लिए तीन आयामों पर काम किया जा रहा है, जिसमें प्रशिक्षण, खिलाड़ी और खेल संसाधन शामिल है. उन्होंने कहा कि देवघर और गुमला में जल्द ही स्टेडियम निर्माण पूरा हो जाएगा, जिसमें राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय मैच आयोजित किए जाएंगे.

तीन और सेंटर की शुरुआत की जायेगी : खेल निदेशक

खेल निदेशक सुशांत गौरव ने कहा कि झारखंड की धरती पर उत्कृष्ट खिलाड़ी हैं. छह सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के अलावा तीन और सेंटर की शुरुआत की जायेगी.

इसके अलावा हाई परफॉरमेंस सेंटर की भी शुरुआत की जायेगी.

खिलाड़ियों ने दिखायी नाराजगी, धनुष लेने से किया इंकार

कार्यक्रम के दौरान मंत्री हफीजुल हसन, खेल सचिव और खेल निदेशक के द्वारा खिलाड़ियों के बीच खेल सामग्री का वितरण किया जा रहा था. जब तीरंदाजों को धनुष देने के लिए आमंत्रित किया गया, तो उन्होनें धनुष को निम्न दर्जे का बताकर लेने से इंकार कर दिया. मंच पर मौजूद अतिथियों और विभाग के अधिकारियों ने खिलाड़ियों से आग्रह कर उन्हें सांकेतिक तौर पर सामग्री लेने के लिए तैयार किया.

अभी लगेगा समय

एक्सेलेंस सेंटर का शुभारंभ तो कर दिया गया, लेकिन अभी तक इसके लिए खिलाड़ियों व प्रशिक्षकों का चयन नहीं किया गया है. सेंटर के शुभारंभ के बाद अब खिलाड़ियों व प्रशिक्षकों की तलाश की जाएगी. साथ ही उपकरण व अन्य सुविधाएं बहाल करने की प्रक्रिया होगी.

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

फुटबॉल – मोरहाबादी बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम, रांची
फुटबॉल – धनबाद
हॉकी – एस्ट्रो टर्फ स्टेडियम, सिमडेगा
बैडमिंटन – मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, रांची
एथलेटिक्स – चंदनकियारी
कुश्ती – मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, रांची

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष किये गए कार्य का लाभ होगा. अप्रत्याशित लाभ हो सकता है. किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी. भाग्य का साथ मिलेगा. पुराना रोग उभर सकता है. विवाद से क्लेश संभव है. समय का लाभ लें. मंगल स्तोत्र का पाठ करें.

वृषभ खर्च पर नियंत्रण आवश्यक है. दूसरों से अपेक्षा पूर्ण नहीं होने से खिन्नता रहेगी. कार्य पूर्ण होगा. पारिवारिक चिंता दूर रहेगी. कीमती वस्तुएं का लाभ होगा. इतर का दान करें. किया गया कार्य लाभ देगा. अन्न दान करें.

मिथुन आय उत्तम होगी. डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. भाग्य का साथ रहेगा. व्यापार में वृद्धि के योग हैं. किया गया छोटा निवेश शुभ रहेगा. कोई बड़ा कार्य होने से आय होगी. गणेश जी का ध्यान पूजन करें.

कर्क आय के लिए दिन बहुत अच्छा है. नई योजना बनेगी. कारोबार में वृद्धि होगी. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. नए व्यापारिक अनुबंध होंगे. धनार्जन होगा. लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी. सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी.

सिंह आपके मेहनत और लगन के प्रभाव से परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा. आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे. आपके कार्य और प्रभाव से कारोबार अच्छा चलेगा. नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे. मंदिर में सेवा करें. सूर्य को जल दें.

कन्या वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें. किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे. कार्य और प्रभाव से आय में निश्चितता होगी. ऐश्वर्य पर व्यय होगा.

तुला पुराना रोग उभर सकता है. भागदौड़ रहेगी. विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा. किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा. कोई पुराना कर्ज परेशानी का कारण बन सकता है. कर्ज लेने से बचना चाहिए. मंगलस्तोत्र का पाठ करें.

वृश्चिक समय अनुकूल है. व्यापार में लाभ होगा. कोई नया कार्य बनेगा. किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है. व्यर्थ भागदौड़ होगी. कार्य में विलंब होगा.कोई नया कार्य का चिंता तथा तनाव रहेंगे. गणेश का मन्त्र जप करें.

धनु प्रेम में धोखा मिल सकता है. कार्य अवरुद्ध भी हो सकता है.पर मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. नौकरी में चैन रहेगा. आय में वृद्धि होगी. मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा. माता की सेवा करें.

मकर संतान से लाभ मिल सकता है. कोई बड़ा लाभ हो सकता है. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें. चोट व रोग से बचें. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी. शनि चालीसा का पाठ करें. साथ ही छाया दान भी करें.

कुंभ आलस त्यागें. आय में वृद्धि होगी. पराक्रम बढ़ेगा. किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा. कारोबार में वृद्धि होगी. नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी. शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा. लाल वस्तु का दान करें.

मीन पराक्रम से कार्य बन सकता है. सुख के साधन जुटेंगे. कारोबार में वृद्धि होगी. निवेशादि शुभ रहेंगे. नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे. स्त्री पक्ष से लाभ होगा. अज्ञात भय रहेगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. पीली वस्तु का दान करें.

2004 में हारे थे कड़िया मुंडा, मोदी लहर के बावजूद 1435 वोट से ही जीते थे अर्जुन मुंडा

एक बार फिर हॉट सीट बना भाजपा का अभेद्य दुर्ग खूंटी

प्रवीण कुमार ।रांची

झारखंड में खूंटी लोकसभा सीट सबसे हॉट सीट बन गई है. भाजपा ने केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा तो दोबारा चुनाव मैदान में उतारा है. इंडिया गठबंधन की ओर से झारखंड में अभी सीटों का बंटवारा नहीं हुआ है, लेकिन पिछले चुनाव को देखते हुए यह माना जा रहा है कि खूंटी सीट से कांग्रेस उम्मीदवार ही अर्जुन मुंडा के सामने होंगे. खूंटी लोकसभा क्षेत्र में छह विधानसभा सीटें है. इनमें से चार सीटें इंडिया गठबंधन के पास (खरसावां और तमाड़ झामुमो, सिमडेगा और कोलबिरा कांग्रेस) है. वहीं भाजपा के पास खूंटी और तोरपा विधानसभा सीट है.

पिछली बार की तरह इस बार भी खूंटी में अर्जुन मुंडा को मजबूत चुनौती मिलने के कयास लगाये जा रहे हैं. 2019 में अर्जुन मुंडा और कांग्रेस के उम्मीदवार कालीचरण मुंडा के बीच जैसी चुनावी लड़ाई दिखी थी, उसे 2024 के चुनावी समीकरण में निश्चित तौर पर भाजपा के लिए चिंता का विषय कहा जा सकता है. भाजपा के इस अभेद्य दुर्ग को 2004 में कांग्रेस की महिला उम्मीदवार सुशीला केरकेट्टा (अब स्वर्गीय) ने भेदा था. उन्होंने पांच बार से लगातार जीत रहे कड़िया मुंडा को हराया था.

खूंटी लोकसभा क्षेत्र रहा है जनआंदोलनों का केंद्र

झारखंड का खूंटी जिला अक्सर सुर्खियों में रहता है. संयुक्त बिहार में इसे पहला अनुमंडल बनाया गया था. ब्रिटिश हुकूमत के समय इसी इलाके से पहली बार झारखंड राज्य की मांग उठी थी. मुंडा बहुल इस भू-भाग पर बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों के विरुद्ध उलगुलान किया था. वर्ष 1890 से लगभग 10 वर्ष तक चले बिरसा आंदोलन का प्रमुख केंद्र खूंटी ही था. कोयल-कारो बांध का विरोध भी इसी इलाके में हुआ था. झारखंड गठन के बाद भी इलाके में जनआंदोलन होते रहे. मित्तल कंपनी के स्टील प्लांट और सीएनटी-एसपीटी एक्ट में संशोधन के खिलाफ हुए आंदोलनों के लिए भी जाना जाता है. इतना ही नहीं, इस लोस क्षेत्र ने दर्जनों हॉकी खिलाड़ी भी दिए हैं. मारांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जनस्थली भी खूंटी ही रही है.

पिछले 10 लोस चुनाव के आंकड़े भाजपा के पक्ष में

1980 में झारखंड पार्टी से मिरल होरो बने थे सांसद : 1980 में हुए लोकसभा चुनाव में झारखंड पार्टी से मिरल एनेम होरो ने इस सीट पर जीत दर्ज की थी. कड़िया मुंडा भारतीय लोकदल से चुनाव लड़े थे, लेकिन 25.7 फीसदी वोट ही उन्हें मिल पाया था.

1984 में कांग्रेस ने दर्ज की थी जीत : 1984 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस यहां से जीती थी. 39.4 % वोट कांग्रेस को मिले थे. यहां से साइमन तिग्गा ने जीत दर्ज की थी. जबकि निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर मिरल एनेम होरो दूसरे स्थान पर रहे थे.उन्हें 26.1 % वोट मिले थे. वहीं भारतीय जनता पार्टी के कड़िया मुंडा को 17 % वोट मिले थे.

1989 से लगातार पांच बार जीते कड़िया मुंडा : 1989 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की टिकट पर कड़िया मुंडा विजयी हुए. इसके बाद लगातार पांच बार यह सीट भाजपा के कब्जे में रही. कड़िया मुंडा इस सीट से सांसद बनते रहे. 1989 में कड़िया मुंडा को कुल 32.5% वोट मिले थे, जबकि झारखंड दल को 31.30 %, कांग्रेस को 27.7% वोट मिले थे.

1991 में भी जीते कड़िया मुंडा : 1991 में हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा के क[]f़या मुंडा ने खूंटी लोकसभा सीट पर कब्जा किया. इस बार के चुनाव में उन्हें 35.2 % वोट मिले. जबकि झारखंड पार्टी के निराला होरो को 22.8 % वोट मिले. वहीं कांग्रेस के साइमन तिग्गा को 20.5 % वोट मिले थे.

1996 में कड़िया ने लगाई हैट्रिक : 1996 में हुए लोकसभा चुनाव में कड़िया मुंडा ने जीत की हैट्रिक लगाई. इस बार उन्हें 32.8% वोट मिले थे, जबकि कांग्रेस की सुशीला केरकेट्टा को 25.7 %, वहीं झारखंड पार्टी को 14.3 % वोट मिले थे.

1998 में भी खूंटी लोकसभा सीट पर भाजपा का कब्जा रहा और कड़िया मुंडा ने जीत दर्ज की. 1998 के लोकसभा चुनाव में कड़िया मुंडा को कुल 42.1 % वोट मिले थे. जबकि कांग्रेस की सुशीला केरकेट्टा को 33.7 % और झारखंड मुक्ति मोर्चा को 13.3 % वोट मिले थे.

1999 में कड़िया ने फिर दर्ज की जीत : 1999 में कड़िया मुंडा ने कुल 45.5% वोट के साथ जीत दर्ज की थी. जबकि कांग्रेस की सुशीला केरकेट्टा के खाते में 39.8 % वोट आया था.

2004 के चुनाव में भाजपा के अभेद्य दुर्ग को महिला उम्मीदवार ने भेदा : झारखंड बंटवारे से पहले हुए लगातार पांच चुनावों में इस सीट से भाजपा जीतती रही थी. लेकिन झारखंड अलग होने के बाद 2004 में हुए पहले लोकसभा चुनाव में यहां से कांग्रेस की महिला उम्मीदवार ने जीत दर्ज कर भाजपा के अभेद्य दुर्ग को भेद दिया. 2004 में कांग्रेस की सुशीला केरकेट्टा विजयी हुईं थीं. कांग्रेस को कुल 44.5 % वोट मिले थे, जबकि भाजपा को 34 % वोट मिले थे.

2009 में फिर जीते कड़िया मुंडा : 2009 में हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा ने खूंटी लोकसभा सीट पर फिर से कब्जा कर लिया. मुंडा को 41.2 % वोट मिले. कांग्रेस ने 2009 के चुनाव में अपने उम्मीदवार को भी बदला था. सुशीला केरकट्टा की जगह नियेल तिर्की को मैदान में उतारा था. कांग्रेस को 25.5 %, जबकि झारखंड पार्टी को 16.5 % वोट मिले थे.

यह क्षेत्र झारखंड के क्रांतिकारी नायक भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली के रूप में भी जाना जाता है

2014 में भाजपा को एनोस एक्का से मिली थी टक्कर : 2014 में हुए लोकसभा चुनाव में मोदी लहर में भाजपा ने फिर खूंटी सीट पर कब्जा जमा लिया. हालांकि इस बार भाजपा को कांग्रेस से नहीं, झापा उम्मीदवार एनोस एक्का से टक्कर मिली. भाजपा के कड़िया मुंडा को जहां 36.5 % वोट मिले थे, वहीं मोदी लहर के बावजूद झारखंड पार्टी के एनोस एक्का को 24.4 % मिले थे थे. कांग्रेस को 19.9% वोट मिले थे.

2019 में मात्र 1435 वोट से जीते थे अर्जुन मुंडा : 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने खूंटी में बड़ा बदलाव करते हुए कड़िया मुंडा का टिकट काट कर अर्जुन मुंडा को चुनाव मैदान में उतारा था. इस बार कांग्रेस और भाजपा के बीच काफी कांटे की टक्कर हुई. भाजपा को 46 % वोट मिले, जबकि कांग्रेस को 45.8 % वोट मिले थे. मोदी अर्जुन मुंडा इस चुनाव में मात्र 1435 वोट से जीत मिली थी.

रांची रेंज के डीआईजी ने सिविल कोर्ट का किया औचक निरीक्षण

संवाददाता।रांची

रांची रेंज के डीआईजी अनूप बिरथरे ने गुरुवार को सिमडेगा सिविल कोर्ट का औचक निरीक्षण किया. कोर्ट रूम से लेकर सिविल कोर्ट की बाहरी सरंचना का जायजा लिया. सुरक्षा में तैनात पुलिस कर्मियों को बुलाकर उनसे हर चीज की जानकारी ली. कोर्ट में तैनात सुरक्षा कर्मियों के सुरक्षा उपकरण की भी जांच की. कोर्ट की सुरक्षा को लेकर कई खामियां डीआईजी ने पकड़ीं और उसे दूर करने का निर्देश दिया. ज्ञात हो कि झारखंड के सभी जिलों में कोर्ट परिसर में जजों के आवासीय परिसर की सुरक्षा की समीक्षा डीजीपी अजय कुमार सिंह ने बीते दिनों की थी. इस दौरान उन्होंने सभी रेंज डीआईजी को अपने क्षेत्राधिकार के जिलों में जितने भी सिविल कोर्ट, जजों के आवासीय परिसर व न्यायाधीश हैं, उन सभी की सुरक्षा व्यवस्था की मॉनटरिंग करने को कहा था.

पेज एक का शेष

एक साथ चुनाव और एकल...

इससे सरकार, व्यवसायों, कामगारों, अदालतों, राजनीतिक दलों, चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों और बड़े पैमाने पर नागरिक संगठनों पर भारी बोझ पड़ता है. कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा, सरकार को एक साथ चुनाव प्रणाली लागू करने के लिए ''कानूनी रूप से व्यवहार्य तंत्र'' विकसित करना चाहिए.

विरोध में ये राजनीतिक दल: अगर एक साथ चुनाव का विरोध करने वाली पार्टियों की बात करें तो चार राष्ट्रीय पार्टी, कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, सीपीआईएम और बीएसपी हैं. इनके अलावा एआईयूडीएफ, तृणमूल कांग्रेस, एआईएमआईएम, सीपीआई, डीएमके, नागा पीपुल्स फ्रंट और समाजवादी पार्टी शामिल हैं. जिन प्रमुख पार्टियों ने पैनल को जवाब नहीं दिया उनमें भारत राष्ट्र समिति, आईयूएमएल, जेएंडके नेशनल कॉन्फ्रेंस, जेडीएस, झारखंड मुक्ति मोर्चा, केरल कांग्रेस (एम), एनसीपी, राजद, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी, टीडीपी, आरएलडी (अब दोनों बीजेपी सहयोगी) और वाईएसआरसीपी शामिल हैं.

इन पार्टियों ने किया सपोर्ट: बीजेपी और एनपीपी के अलावा, जिन पार्टियों ने एक साथ चुनाव का समर्थन किया उनमें अन्नाद्रमुक भी शामिल है. बीजेपी के सहयोगी दल आजसू, अपना दल (सोनेलाल), असम गण परिषद, लोजपा (रामविलास), नेशनल डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (नागालैंड), सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा, मिजो नेशनल फ्रंट और यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल ऑफ असम. नीतीश कुमार की जेडीयू, जो हाल ही में महागठबंधन छोड़कर एनडीए में लौटी है. इनके अलावा बीजू जनता दल, शिवसेना (जिसका एक गुट एनडीए के साथ है) और अकाली दल.

आप-कांग्रेस ने क्यों जताया विरोध: आम आदमी पार्टी ने इस साल 18 जनवरी को पैनल को अपना जवाब सौंपा, जिसके बाद 8 फरवरी को व्यक्तिगत बातचीत हुई. अपने जवाब में, आप ने कहा कि एक साथ चुनाव लोकतंत्र, संविधान की बुनियादी संरचना और देश की संघीय राजनीति को कमजोर कर देंगे. कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन लागू करने से संविधान की बुनियादी संरचना में महत्वपूर्ण बदलाव होंगे, जो ''फेडरलिज्म की गारंटी के खिलाफ है और संसदीय लोकतंत्र को नष्ट कर देगा. कांग्रेस ने बार-बार चुनाव कराने की लागत बचाने के तर्क को भी निराधार बताते हुए खारिज कर दिया.

भाजपा डरी या आत्मविश्वास...

भाजपा प्रत्याशियों की दो सूची जारी हो चुकी हैं. जब आप इन पंक्तियों को पढ़ रहे होंगे, तब तक तीसरी-चौथी सूची भी जारी हो चुकी होगी. पहली सूची में उत्तरप्रदेश से भाजपा के जिन प्रत्याशियों के नाम हैं, उससे ऐसा लगता है कि भाजपा या तो डरी हुई है या अति आत्मविश्वास से लबरेज है. इसे दो उदाहरणों से समझिए. काशी से नरेंद्र मोदी हैं, तो अयोध्या से लल्लू सिंह को इस बार उतारने का क्या औचित्य था ? राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या विश्व पटल पर छायी हुई है. क्या वहां से किसी चर्चित, प्रभावशाली व्यक्तित्व के धनी प्रत्याशी को नहीं उतारा जा सकता था ? इसी प्रकार मथुरा से हेमा मालिनी (करीब 75 वर्ष) को तीसरी बार उपकृत करने का क्या औचित्य था ? क्या आज की तारीख में मथुरा जैसी प्रतिष्ठित सीट से हेमा मालिनी उपयुक्त प्रत्याशी हैं ? इसका मतलब यह कदापि नहीं है कि भाजपा अयोध्या, मथुरा हार सकती है. दरअसल भाजपा के पास मौका था किसी नये चमकदार कार्यकर्ता, नेता को यहां से मौका देने का और जीत का मार्जिन बढ़ाने का. ऐसा नहीं करके भाजपा नेतृत्व ने अक्षम्य भूल की है. इसी प्रकार श्रावस्ती से साकेत मिश्र को टिकट क्यों दिया गया ? क्या सिर्फ इसलिए कि वह मोदी जी के खासमखास नृपेंद्र मिश्र के बेटे हैं और उनके नाना बगल की बहराइच सीट से सांसद थे ? यह सीट पहले बलरामपुर सीट के रूप में जानी जाती थी जहां से अटल बिहारी वाजपेयी और नानाजी देशमुख सांसद रहे हैं. ये दोनों भारत रत्न हैं. साकेत मिश्र श्रावस्ती के मूल निवासी भी नहीं हैं और वर्तमान में विधान परिषद के सदस्य भी हैं. ऐसे ही उन्नाव से साक्षी जी को उनकी उम्र को दरकिनार करते हुए टिकट दे दिया गया है. ऐसा लग रहा था कि चूंकि भाजपा के मुताबिक उसकी लहर चल रही है वह भी खासतौर से उत्तरप्रदेश में, तो अनेक नये, युवा कार्यकर्ताओं को लड़ाया जाएगा. लेकिन ऐसा हुआ ही नहीं. जिन सीटों से प्रत्याशियों की घोषणा होनी है, वहां से भी भाजपा कोई साहस दिखाएगी, इसकी संभावना फिलहाल कम है. वह दिल्ली में तो बेधड़क टिकट काटती है, लेकिन उत्तरप्रदेश में उसके हाथ-पांव फूल जाते हैं. कहीं ऐसा तो नहीं कि भाजपा नेतृत्व उत्तरप्रदेश में जमे-जमाये नेताओं की संभावित बगावत से डरा हुआ है. रोचक मामला घोसी सीट का है. यह सीट ओमप्रकाश राजभर के खाते में गई है. वह खुद करेला हैं और इसी बीच मंत्री बन जाने से नीम पर चढ़ गये हैं और जहर उगल रहे हैं. वह अपने बेटे को टिकट देनेवाले हैं. सवाल यह है कि भाजपा अगर वहां इतनी ही मजबूत थी तो इस बददिमाग और बदजुबान नेता को साथ लेने की क्या जरूरत थी. अब आगे देखिए, बिहार और महाराष्ट्र में क्या होता है. लेकिन अब तक की सूची से साफ है कि भाजपा कोई रिस्क नहीं लेना चाहती है, जबकि वह नारा चार सौ पार का लगाती है. कहीं ऐसा न हो कि-

वो ताजा-दम हैं नए शोबदे दिखाते हुए,
अवाम थकने लगे तालियां बजाते हुए.

आवेदन के 35 दिन बाद ही जेपीएससी पीटी परीक्षा

रांची। झारखंड में अब तक दस बार जेपीएससी सिविल सर्विस की परीक्षा ली गई है. 2021 में सातवीं से 10वीं तक की परीक्षा एक ही बार में ली गयी थी. जेपीएससी सिविल सर्विस परीक्षा हर बार किसी न किसी विवाद में रही है. इस बार 17 मार्च को जेपीएससी की 11वीं परीक्षा ली जा रही है. आवेदन की अंतिम तिथि समाप्त होने के मात्र 35 दिन बाद ही परीक्षा ली जा रही है, जिससे अभ्यर्थियों को पढ़ने के लिए प्रयाप्त समय नहीं मिल पा रहा है. 7वीं जेपीएससी परीक्षा में अभ्यर्थियों को पढ़ने के लिए 78 दिन का समय दिया गया था. इस बार आवेदन में गलती सुधारने के लिए अभ्यर्थियों को कोई मौका नहीं दिया गया और अभी तक रिजेक्शन लिस्ट भी जारी नहीं की गयी है. एडमिट कार्ड जारी होने के बाद उसे डाउनलोड करने में अभ्यर्थियों को काफी दिक्कत हो रही थी, जिसके बाद अभ्यर्थियों ने हंगामा किया.

राज्यपाल को ज्ञापन सौंप कर पंचायती राज्य संस्थाओं को राशि उपलब्ध कराने का आग्रह

प्रमुख संवाददाता।रांची

पंचायत प्रतिनिधि संघ ने गुरुवार को राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की और पांच सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा. सौंपे गए ज्ञापन में पंचायती राज संस्थाओं को हस्तांतरित 14 विभाग व 29 विषयों का पूर्ण अधिकार देने की मांग की गई. प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे संघ के अध्यक्ष विकास महतो ने कहा कि झारखंड राज्य में पंचायत चुनाव का यह तीसरा कार्यकाल है. अबतक झारखंड में पंचायती राज संस्थाएं सशक्त नहीं हो पाई हैं और ना पूर्ण अधिकार मिला है. प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश मुखिया संघ के कार्यकारी अध्यक्ष अमित चौबे, चतरा जिला अध्यक्ष मुखिया संघ अरविंद कुमार सिंह सहित अन्य शामिल थे.

क्या हैं मांगें

- पंचायत के सभी कर्मियों की उपस्थिति बायोमीट्रिक द्वारा पंचायत सचिवालय में सुनिश्चित हो
- सभी जिले की जिला परिषद की मासिक बैठक सुनिश्चित हो
- अबुआ आवास योजना में लाभुकों के चयन में मुखिया को भी मिले अधिकार
- पंचायती राज संस्थाओं को हस्तांतरित 14 विभाग व 29 विषयों का पूर्ण अधिकार मिले

विधायक लोबिन बोले मैं झामुमो से अलग नहीं हूं

संवाददाता ।साहिबगंज

झामुमो के बोरियो विधायक लोबिन हेंब्रम ने कहा कि वे झामुमो से अलग नहीं हैं. किसी दूसरी राजनीतिक पार्टी से राजमहल लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने बात बेबुनियाद है. उनका झारखंड पार्टी से कोई लेना-देना नहीं है. उन्होंने कहा कि उनके बारे में झारखंड पार्टी से चुनाव लड़ने की खबर प्रकाशित हुई है, जो बेबुनियाद है. लोबिन ने बताया कि वे वर्तमान में झारखंड मुक्ति मोर्चा के विधायक हैं और झामुमो के सदस्य भी हैं. कहा- मैंने अब तक किसी भी तरह से जेएमएम से दूरी बनाने का निर्णय नहीं लिया है. मैंने लंबे समय से झामुमो में रहकर जनता की सेवा कर रहा हूं. झामुमो से किनारा करने का कोई सवाल ही नहीं है.चुनावी रणनीति को लेकर वो पार्टी की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे हैं.

राजनीति

40 घंटे तक चली ईडी की छापेमारी खत्म होने के बाद कांग्रेस विधायक ने की प्रेस वार्ता

आरोप गलत, पूरी मजबूती के साथ राजनीति में खड़ी रहूंगी : अंबा प्रसाद

संवाददाता।हजारीबाग

बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद के आवास पर ईडी की छापेमारी खत्म होने के बाद कांग्रेस विधायक ने अपने आवास में प्रेस वार्ता की. अंबा ने बताया कि ईडी की छापेमारी के दौरान कोई नकद बरामद नहीं किया गया है. उनके नाम पर मात्र एक गाड़ी है, वह भी फाइनेंस कराया हुआ है. इसकी किश्त उनके बैंक खाते से ही कटती है. वहीं, जो दस्तावेज जब्त किए गए हैं, वह विधानसभा में उठाए गए सवाल, आवेदन और जनता से मिले आवेदन हैं. इन कागजातों में किसी भी तरह का आर्थिक लेन-देन का जिक्र नहीं है. उन्होंने यह भी कहा कि छापेमारी के दौरान किसी भी जगह से जमीन के कागजात या जमीन का केवाला या फिर किसी भी तरह के इन्वेस्टमेंट के कागजात नहीं मिले हैं. वहीं, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के बारे में उन्होंने कहा कि तीन फोन जब्त किए गए हैं, जिसमें उनकी दादी से लेकर उनका फोन शामिल है. इसके अलावा 1300 रुपये नकद मिले थे, जिसे ईडी की टीम ने छोड़ दिया है. वहीं, विपक्ष पर निशाना साधते हुए कांग्रेस विधायक ने कहा कि विपक्ष के नेताओं ने यह अफवाह फैला दिया है कि उनके आवास और सगे-संबंधियों के घरों से अकूत संपत्ति मिली है. चुनाव का समय देखते हुए ऐसे अफवाह फैलाएं जा रहे हैं. लेकिन, विपक्ष के नेता उनपर और उनके परिवारवालों पर चाहे जितने भी आरोप लगा लें, वह राजनीति में मजबूती के साथ खड़ी रहेंगी.

रखी बात

- ईडी की छापेमारी के दौरान कोई नकद बरामद नहीं हुआ
- जमीन के कागजात भी नहीं मिले अफवाह फैला रहा विपक्ष

'40 घंटे तक पूरे परिवार को किया गया परेशान'

विधायक अंबा प्रसाद ने उनके आवास पर करीब 40 घंटे तक चली छापेमारी पर सवालिया निशान खड़ा करते हुए कहा कि ईडी की टीम ने उन्हें और उनके परिवारवालों को बहुत परेशान किया है. 24 –25 लोग सिर्फ सवाल कर रहे थे और जब उन्हें आराम करने का मन होता था, तो चले जाते थे. फिर दूसरे पदाधिकारी पूछताछ करते थे. कहा कि उन्हें रात भर सोने नहीं दिया गया. यही स्थिति हजारीबाग में उनकी मां के साथ रही. भाई को भी ईडी की टीम ने बहुत परेशान किया है.

'विपक्ष बताए, कौन अदा करता है बीच का भूमिका'

ईडी की छापेमारी के बीच अंबा प्रसाद ने यह कह कर सनसनी फैला दी थी कि भाजपा नेताओं द्वारा लोकसभा चुनाव लड़ने को लेकर उनके संपर्क किया गया है. प्रेस वार्ता के दौरान इस बारे में उनसे पूछा गया कि भाजपा के किस नेता ने संपर्क स्थापित किया था. इस पर उन्होंने कहा कि आज के समय में दूसरी पार्टियों के जनप्रतिनिधि और नेता भाजपा में शामिल हो रहे हैं. क्या वे सीधे पार्टी का दामन थाम रहे हैं या फिर कोई बीच का आदमी रहता है. वही बीच के लोग हमारे पास भी आए थे.

'पार्टी उम्मीदवार बनाएगी, तो लड़ेंगे लोकसभा चुनाव'

पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा से मुलाकात और लोकसभा चुनाव लड़ने के सवाल पर अंबा प्रसाद ने कहा कि यशवंत सिन्हा उनके अभिभावक तुल्य हैं. वर्तमान स्थिति को लेकर उनसे चर्चा की गई थी. रही चुनाव लड़ने की बात, तो हर एक राजनेता की चुनाव लड़ने की महत्वाकांक्षा रहती है. अगर मौका मिलेगा और कांग्रेस पार्टी उन्हें उम्मीदवार बनाएगी, तो चुनाव भी लड़ा जाएगा. अंबा प्रसाद और उनके परिवार वालों का बालू और कोयला का व्यवसाय है.

▼ ब्रीफ खबरें

मंदिर पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ, पूजा की

अयोध्या । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को एक दिवसीय दौरे पर अयोध्या आये और श्रीरामलला के दरबार में पहुंच कर दर्शन-पूजन किया तथा प्रदेशवासियों के कल्याण एवं सुख-समृद्धि की कामना की. सरकारी बयान में कहा गया है कि इससे पहले मुख्यमंत्री साकेत महाविद्यालय हेलीपैड से सीधे हनुमानगढ़ी पहुंचे, जहां उन्होंने हनुमान जी की आरती उतारी और दर्शन-पूजन किया. इसमें कहा गया है कि हनुमानगढ़ी में दर्शन-पूजन के उपरांत सीएम ने श्रीरामलला के दरबार में पहुंचे.

पूर्व राष्ट्रपति पाटिल अस्पताल में भर्ती

पुणे । पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल को बुखार और सीने में संक्रमण की शिकायत के बाद महाराष्ट्र में पुणे शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत स्थिर है. अस्पताल के अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी. अस्पताल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, पूर्व राष्ट्रपति को बुधवार रात अस्पताल में भर्ती कराया गया. उन्हें बुखार है और सीने में संक्रमण है. उनकी हालत स्थिर है. उनका उपचार किया जा रहा है और वह चिकित्सकों की निगरानी में हैं. पाटिल भारत की पहली महिला राष्ट्रपति थीं.

रक्षा संबंधों में हो रही अभूतपूर्व प्रगति : पेंटागन

वाशिंगटन । अमेरिकी रक्षा विभाग 'पेंटागन' के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि अमेरिका-भारत रक्षा संबंधों में अभूतपूर्व प्रगति हो रही है. रक्षा सचिव (नीति) के कार्यालय में दक्षिण एशिया मामलों के निदेशक सिद्धार्थ अय्यर ने प्रौद्योगिकी सहयोग और समुद्री रणनीति के मद्देनजर अमेरिका-भारत रक्षा साझेदारी के भविष्य पर आधारित एक गोलमेज सम्मेलन में यह टिप्पणी की. अय्यर ने कहा, न केवल पिछले दो वर्षों में, बल्कि पिछले 12 महीनों में भी अभूतपूर्व प्रगति हुई है.

किम जोंग ने अभ्यास के दौरान टैंक चलाए

सियोल । उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन नवनिर्मित युद्धक टैंक के संचालन संबंधी प्रशिक्षण में अपने सैनिकों के साथ शामिल हुए और उन्होंने इन टैंक को दुनिया का सबसे शक्तिशाली टैंक करार दिया. देश की सरकारी मीडिया ने गुरुवार को यह जानकारी दी. उत्तर कोरिया के युद्धक टैंक प्रशिक्षण को दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच प्रति वर्ष होने वाले सैन्य अभ्यास के जवाब के रूप में देखा जा रहा है. दोनों देशों के बीच यह सैन्य अभ्यास गुरुवार देर शाम समाप्त होना है.

तमिलनाडु के मंत्री के खिलाफ केस दर्ज

नयी दिल्ली । दिल्ली पुलिस ने एक जनसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ धमकी भरी टिप्पणी करने के आरोप में तमिलनाडु के मंत्री टी एम अनबरसन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है. अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि उच्चतम न्यायालय के वकील सत्य रंजन स्वैन की शिकायत के आधार पर बुधवार को यहां संसद मार्ग थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई. प्राथमिकी के मुताबिक मंत्री अनबरसन ने मोदी को टुकड़े-टुकड़े करने की खुलेआम धमकी दी है.

महापंचायत

नई दिल्ली में गुरुवार को कई किसान यूनियनों के सदस्यों ने किसान मजदूर महापंचायत बुलायी, जिसमें महिला किसान सहित हजारों कृषक रामलीला मैदान में एकत्र हुए.

दिल्ली के रामलीला मैदान में किसान मजदूर महापंचायत का आयोजन

किसानों ने केंद्र सरकार के खिलाफ लगाए नारे

भाषा । नयी दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के रामलीला मैदान में बड़ी संख्या में किसान गुरुवार को इकट्ठा हुए. यहां 'किसान मजदूर महापंचायत' लगायी गयी थी. इसमें किसानों ने केंद्र की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की. तीन केंद्रीय कृषि कानूनों (अब रद्द किए जा चुके) के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर 2020-21 में हुए किसान आंदोलन का नेतृत्व करने वाले संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने कहा है कि सरकार की नीतियों के खिलाफ 'लड़ाई तेज करने' के लिए 'किसान मजदूर महापंचायत' में एक प्रस्ताव पारित किया जाएगा. किसानों ने धरना स्थल पर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की. पंजाब के पटियाला के किसान हरमन सिंह ने बताया कि हम चाहते हैं कि केंद्र की नीतियां किसानों के पक्ष वाली हों. हम यह भी चाहते हैं कि फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर हमारी मांग भी पूरी हो. पंजाब के बठिंडा के किसान रविंदर सिंह ने कहा कि अक्टूबर 2021 में उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में हुई हिंसा के आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए. हम चाहते हैं कि लखीमपुर खीरी में किसानों पर वाहन चढ़ाने वाले के खिलाफ कार्रवाई हो. पीड़ित परिवारों को मुआवजा और सरकारी नौकरी मिलनी चाहिए. पुलिस ने यात्रा परामर्श जारी कर लोगों को मध्य दिल्ली की ओर जाने वाली सड़कों से बचने का सुझाव दिया है.

किसान बोले

- केंद्र की नीतियां किसानों के पक्ष वाली हों
- लखीमपुर के आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई हो

अर्द्धसैनिक बलों के जवानों की संख्या बढ़ाई गई

अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली की सीमाओं पर तैनात अर्द्धसैनिक बलों के जवानों की संख्या भी बढ़ा दी गई है. किसानों को अपने ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ राजधानी में प्रवेश नहीं करने को कहा गया है. दिल्ली पुलिस ने किसानों को इस शर्त पर महापंचायत की अनुमति दी है कि इसमें 5000 से अधिक लोग इकट्ठा नहीं होंगे, कोई ट्रैक्टर-ट्रॉली नहीं लाई जाएगी और रामलीला मैदान तक कोई मार्च नहीं निकाला जाएगा.

दिल्ली में यातायात का बुरा हाल रहा

किसान मजदूर महापंचायत के कारण मध्य दिल्ली और सराय काले खां में यातायात का बुरा हाल रहा. राजधानी में वाहनों की रफ्तार बेहद धीमी हो गई, जिसके परिणामस्वरूप आईटीओ, दिल्ली गेट, दरियागंज और सराय काले खां के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-24 समेत विभिन्न स्थानों पर ट्रैफिक जाम हो गया. सराय काले खां में भारी ट्रैफिक जाम देखा गया.

सोनिया से मिले दानिश अली

अमरोहा से कांग्रेस के टिकट पर लड़ सकते हैं लोस चुनाव

भाषा । नयी दिल्ली

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) से निलंबित लोकसभा सदस्य दानिश अली ने गुरुवार को कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी से मुलाकात की. बताया जाता है कि वह अपने संसदीय क्षेत्र अमरोहा से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ सकते हैं. अली ने कहा कि उन्होंने उत्तर प्रदेश की अमरोहा सीट से लोकसभा में अपनी दूसरी पारी के लिए सोनिया गांधी का आशीर्वाद प्राप्त किया. उन्होंने सोनिया गांधी से मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, अमरोहा से लोकसभा में

अपनी दूसरी पारी के लिए त्याग की प्रतिमूर्ति सोनिया गांधी जी का आशीर्वाद पाकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं. उनका दिल भारत के गरीबों के लिए धड़कता है. उनकी अध्यक्षता वाली एनएसी (राष्ट्रीय सलाहकार परिषद) ने मनरेगा, आरटीआई, शिक्षा का अधिकार, खाद्य सुरक्षा जैसे ऐतिहासिक, गरीब हितैषी और पारदर्शी कानूनों को बनाने में अग्रणी भूमिका निभाई.

तृणमूल कांग्रेस से धोखा मिला भाजपा में लौटूंगा : अर्जुन सिंह

भाषा । कोलकाता

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के असंतुष्ट नेता अर्जुन सिंह ने गुरुवार को कहा कि वह बैरकपुर लोकसभा सीट से पार्टी का टिकट नहीं मिलने के बाद भाजपा में लौट जाएंगे. वह बैरकपुर लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं. उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के एक शीर्ष नेता भी उनके साथ भाजपा में शामिल होंगे. दो दिन पहले, सिंह ने टीएमसी उम्मीदवार पार्थ भौमिक के खिलाफ चुनाव लड़ने का संकेत देते हुए कहा था कि वह बैरकपुर के मतदाताओं की सामूहिक इच्छाओं को नजरअंदाज नहीं कर सकते, जिन्होंने उन्हें 2019 में भाजपा उम्मीदवार के रूप में लोकसभा भेजा था. टीएमसी

ने रविवार को अपने उम्मीदवारों की सूची की घोषणा की, जिसमें बैरकपुर लोकसभा सीट से राज्य मंत्री पार्थ भौमिक को पार्टी उम्मीदवार बनाया गया है. सिंह 2022 में टीएमसी में शामिल हुए थे, जबकि उनका सांसद का दर्जा बरकरार रहा था. उन्होंने कहा जब मैं 2022 में तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुआ, तो मुझसे वादा किया गया था कि मुझे बैरकपुर लोस सीट से टीएमसी के उम्मीदवार के रूप में फिर से नामांकित किया जाएगा.

विधायक तिरुमुरुगन ने मंत्री पद की शपथ ली

पुडुचेरी । ऑल इंडिया एनआर. कांग्रेस (एआईएनआरसी) के विधायक पी.आर.एन तिरुमुरुगन ने गुरुवार को पुडुचेरी में एआईएनआरसी और भाजपा गठबंधन सरकार में मंत्री पद की शपथ ली. उपराज्यपाल तमिलिसाई सौंदर्यराजन ने राजभवन में शपथग्रहण समारोह में कराईकल (उत्तर) से विधायक तिरुमुरुगन को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई. तिरुमुरुगन ने भगवान के नाम पर शपथ ली. इससे पहले पुडुचेरी सरकार के मुख्य सचिव शरत चौहान ने एक मार्च को राष्ट्रपति द्वारा जारी किए गए नियुक्ति पत्र को पढ़ा जिसमें तिरुमुरुगन को मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया था. पुडुचेरी की एकमात्र महिला मंत्री एस चंदिरा प्रियंगा को पिछले साल अक्टूबर में संतोषजनक प्रदर्शन न करने के कारण पद से हटा दिया गया था.

शाह ने कहा, राहुल को सीएए से क्या परेशानी है

नयी दिल्ली । केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि सीएए मुस्लिम विरोधी नहीं है. शाह ने कहा कि राहुल गांधी, ममता. केजरीवाल सहित अन्य विपक्षी दलों के नेता झूठ की राजनीति कर रहे हैं. एएनआई को दिये गये साक्षात्कार में शाह ने राहुल को मंच पर आकर खुलकर सीएए पर अपनी राय रखने की चुनौती देते हुए अनुरोध किया कि समाचार एजेंसी इस मुद्दे पर विस्तार से राहुल गांधी का इंटरव्यू करे और आम जनता को सीएए के विरोध की वजह समझायें. उन्होंने कहा कि राजनीति में यह नेताओं की जिम्मेदारी बनती है वह अपने विचार पर जनता के समक्ष स्पष्ट करें.

भारत ने 2022 में मानव विकास सूचकांक की रैंकिंग में सुधार किया

भाषा । नयी दिल्ली

संयुक्त राष्ट्र के मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) पर भारत की रैंकिंग 2022 में एक स्थान सुधरकर 193 देशों में 134वें स्थान पर पहुंच गई, जबकि 2021 में 191 देशों में से यह 135वें स्थान पर थी. लैंगिक असमानता सूचकांक (जीआईआई), 2022 में भारत 0.437 स्कोर के साथ 193 देशों में 108वें स्थान पर है. जीआईआई-2021 में 0.490 स्कोर के साथ 191 देशों में भारत 122वें पायदान पर था. महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने कहा कि जीआईआई-2021 की तुलना में भारत ने जीआईआई-2022 में 14 पायदान का सुधार किया है.

हालांकि, देश की श्रम बल भागीदारी दर में सबसे बड़ा लैंगिक अंतर भी है, जो कि महिलाओं (28.3 प्रतिशत) और पुरुषों (76.1 प्रतिशत) के बीच 47.8 प्रतिशत है. हाल में जारी मानव विकास रिपोर्ट (एचडीआर) 2023-24 में कहा गया है कि एचडीआई में सुधार के बाद 2022 में भारत 193 देशों में 134वें स्थान पर रहा है.

बोलीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण-

परियोजनाओं का पूरा होना पीएम के 'विकास मॉडल' की पहचान

भाषा । गुवाहाटी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि नींव रखने के बाद परियोजनाओं को पूरा करना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकास मॉडल' की पहचान है. सीतारमण ने दावा किया कि 2014 में मोदी सरकार के सत्ता में आने से पहले परियोजनाओं का शिलान्यास तो किया जाता था, लेकिन उन्हें समय पर पूरा नहीं किया गया. सीतारमण ने आईआईटी-गुवाहाटी में आयोजित 'विकसित भारत एम्बेसडर कैंपस डायलॉग' में कहा, परियोजनाओं को पूरा करने में देरी से देश की छवि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा, जिससे यह धारणा बनी कि भारत अपनी परियोजनाओं को पूरा नहीं करता है. उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री का मानना है कि सरकार सिर्फ शिलान्यास ही नहीं

करेगी बल्कि परियोजनाओं को पूरा भी करेगी. इस नियम से पूर्वोत्तर को भी फायदा हुआ है. केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर सरकार के 'विकास मॉडल' में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है, जो पिछले दशक में प्रधानमंत्री और अन्य केंद्रीय मंत्रियों द्वारा इस क्षेत्र के किए गए दौरों की संख्या से स्पष्ट है. उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने पूर्वोत्तर का 65 बार दौरा किया है, जबकि अन्य केंद्रीय मंत्रियों ने 850 बार दौरा किया है.

ईडी ने की कार्रवाई

पंजाब के पूर्व मंत्री साधु सिंह की संपत्ति हुई कुर्क

नयी दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन रोधी कानून के प्रावधानों के तहत कांग्रेस की पंजाब इकाई के नेता और पूर्व मंत्री साधु सिंह धर्मसोत और उनके बेटों की 4.58 करोड़ रुपये कीमत की संपत्ति कुर्क की है. ईडी ने एक बयान में कहा कि धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत उसकी जांच में पाया गया कि धर्मसोत ने एक मार्च 2016 और 31 मार्च 2022 के दौरान अपने एवं अपने बेटों के नाम पर आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक की संपत्ति अर्जित की. इस अवधि के दौरान वह पंजाब में वन मंत्री थे. बयान में कहा गया कि ईडी की जालंधर इकाई ने पीएमएलए के प्रावधानों के तहत 13 मार्च को धर्मसोत और उनके बेटों की स्वामित्व वाली 4.58 करोड़ रुपये की संपत्तियां अंतरिम रूप से कुर्क कीं. ईडी ने पंजाब सतर्कता ब्यूरो द्वारा दर्ज एक प्राथमिकी के आधार पर जांच शुरू की थी.

समाजसेवी सुधा मूर्ति ने रास सदस्य के रूप में ली शपथ

भाषा । नयी दिल्ली

समाजसेवी सुधा मूर्ति ने गुरुवार को पति एनआर नारायण मूर्ति की मौजूदगी में राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली. राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने संसद भवन स्थित अपने कक्ष में उन्हें शपथ दिलाई. इस अवसर पर सदन के नेता पीयूष गोयल भी उपस्थित थे. इन्फोसिस फाउंडेशन की पूर्व अध्यक्ष और बच्चों के लिए कई किताबें लिख चुकीं सुधा मूर्ति (73) को पिछले शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर राज्यसभा के लिए मनोनीत किया गया था. कन्नड़ और अंग्रेजी साहित्य में योगदान के लिए प्रख्यात सुधा मूर्ति को साहित्य अकादमी बाल साहित्य पुरस्कार, पद्म श्री (2006) और पद्म भूषण (2023) जैसे पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है. सुधा मूर्ति व्यावसायिक

वाहन बनाने वाली कंपनी टाटा इंजीनियरिंग एंड लोकोमोटिव कंपनी लिमिटेड (टेल्को) के साथ काम करने वाली पहली महिला इंजीनियर थीं. इन्फोसिस शुरू करने के लिए उन्होंने अपने पति को अपनी आपातकालीन निधि से 10,000 रुपये दिए थे, जिसका अब बाजार पूंजीकरण 80 बिलियन अमरीकी डॉलर से अधिक है. उनकी बेटी अक्षता की शादी ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक से हुई है.

'आप' ने आठ उम्मीदवारों की सूची जारी की

चंडीगढ़ । आम आदमी पार्टी (आप) ने गुरुवार को लोकसभा चुनाव के लिए पंजाब में आठ उम्मीदवारों की पहली सूची घोषित की. पार्टी ने पांच कैबिनेट मंत्रियों को मैदान में उतारा है. सूची के मुताबिक, पंजाब के कैबिनेट मंत्रियों-कुलदीप सिंह धालीवाल को अमृतसर सीट से, लालजीत सिंह भुल्लर को खडूर साहिब से, गुरुमीत सिंह खुदियां को बठिंडा से, गुरुमीत सिंह मीत को संगरूर से और बलबीर सिंह को पटियाला लोकसभा सीट से मैदान में उतारा गया है. जालंधर से सांसद सुशील रिंकू एक बार फिर इसी सीट से उम्मीदवार बनाए गए हैं. पार्टी ने गुरप्रीत सिंह जीपी को फतेहगढ़ साहिब लोकसभा सीट से अपना उम्मीदवार बनाया है. बस्सी पथाना सीट से कांग्रेस के पूर्व विधायक सिंह हाल में आप में शामिल हुए थे. आप ने पंजाबी अभिनेता करमजीत अनमोल को फरीदकोट लोकसभा सीट से मैदान में उतारा है.

कॅरियर-काउंसिलिंग

सिरेमिक इंजीनियरिंग में बना सकते हैं अपना कॅरियर

रजनीश प्रसाद । रांची

सिरेमिक इंजीनियरिंग एक प्रोफेशनल कोर्स है, जो प्रेसिपिटेशन और हीटिंग जैसी विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके क्रिस्टलीय संरचनाओं के साथ इनऑर्गेनिक और नॉन मैटेलिक को बनाने से संबंधित है. इन वस्तुओं का उपयोग मिसाइल नोज कोन्स, गैस बर्नर नोजल्स, बैलिस्टिक प्रोटेक्शन, न्यूक्लियर फ्यूल यूरेनियम ऑक्साइड पैलेट्स, बायोमेडिकल इम्प्लांट्स और जेट इंजन टरबाइन ब्लेड्स बनाने में किया जाता है. सामान्य भाषा में सिरेमिक इंजीनियरिंग मैटेरियल इंजीनियरिंग की ब्रांच है, जिसके अंतर्गत सिरेमिक मैटेरियल की मैन्यूफैक्चरिंग, डिजाइनिंग, गुणों और इसके उपयोगों का अध्ययन किया जाता है. इसमें इनऑर्गेनिक या गैर धातु पदार्थों से विभिन्न प्रक्रियाओं का उपयोग कर कई वस्तुएं तैयार की जाती हैं.

भारत के टॉप कॉलेज

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राउरकेला
- आईआईटी बीएचयू (बनारस हिंदू विश्वविद्यालय), वाराणसी
- कलकत्ता विश्वविद्यालय
- आंध्र विश्वविद्यालय
- सिरेमिक गिलास और सिरेमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, कोलकाता
- अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई
- राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी

भारत के विश्वविद्यालयों में आवेदन प्रक्रिया इस प्रकार है

- सबसे पहले अपनी चुनी हुई यूनिवर्सिटी की ऑफिशियल वेबसाइट में जाकर रजिस्ट्रेशन करें.
- यूनिवर्सिटी की वेबसाइट में रजिस्ट्रेशन के बाद आपको एक यूजर नेम और पासवर्ड प्राप्त होगा.
- फिर वेबसाइट में साइन इन के बाद अपने चुने हुए कोर्स का चयन करें, जिसे आप करना चाहते हैं.
- अब शैक्षिक योग्यता, वर्ग आदि के साथ आवेदन फॉर्म भरें.
- इसके बाद आवेदन फॉर्म जमा करें और आवश्यक आवेदन शुल्क का भुगतान करें.
- यदि एडमिशन, प्रवेश परीक्षा पर आधारित है तो पहले प्रवेश परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन करें और फिर रिजल्ट के बाद काउंसलिंग की प्रतीक्षा करें. प्रवेश परीक्षा के अंकों के आधार पर आपका चयन किया जाएगा और लिस्ट जारी की जाएगी.

जॉब प्रोफाइल्स

- सिरेमिक इंजीनियर
- सिरेमिक टेक्नोलॉजिस्ट
- सिरेमिक डिजाइनर
- टेक्निशियन
- कंस्ट्रक्शन मैनेजर
- प्रोडक्शन वर्कर
- प्रोफेसर
- पॉलीमर केमिस्ट

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)